जबलपुर मंगलवार 30 जून 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ कृष्ण पक्ष प्रथमा

वर्ष 32 अंक 06 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण
3

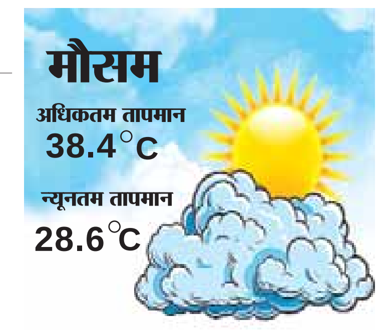

सूर्योदय - 5.28 | सूर्यास्त - 7.00

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

समय-सीमा बैठक में सख्त तेवर : सीएम हेल्पलाइन, 2

मैं वापस आऊंगा और ऐल्फा की सफलता होगी 7

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर 'उद्यमी मध्यप्रदेश 8

पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर कल से हटेगी पाबंदी

व्यावसायिक खरीदारों के लिए फिर से रिटेल स्टेशनों से खुल जाएंगे रास्ते

नई दिल्ली

भारत में पेट्रोल और डीजल के बड़े खरीदारों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण वैश्विक सप्लाई चेन में जो रुकावटें आई थीं, उसे देखते हुए भारत सरकार ने इसी महीने ईंधन की बिक्री पर कुछ सख्त पाबंदियां लागू की थीं। अब स्थिति का आकलन करने के बाद सरकार ने सोमवार को एक आदेश जारी कर इन प्रतिबंधों को खत्म करने का एलान कर दिया है। सोमवार को सरकार की ओर से जारी आधिकारिक आदेश में साफ किया गया है कि देश में पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंध हटा लिए गए हैं। इस सरकारी आदेश के मुताबिक, ईंधन की खरीद और बिक्री को लेकर लागू की गई यह रोक 1 जुलाई से पूरी तरह से समाप्त कर दी जाएगी। इसका सीधा सा अर्थ है कि आने वाली 1 जुलाई से पेट्रोल पंपों और रिटेल स्टेशनों पर पहले की तरह ही सामान्य रूप से ईंधन उपलब्ध होने लगेगा। दरअसल, यह पूरा मामला वैश्विक हालातों से जुड़ा हुआ है। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण दुनिया भर की आपूर्ति श्रृंखलाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। विदेशी बाजार में सप्लाई चेन बाधित होने की वजह से भारत के स्थानीय बाजारों में भी ईंधन की आपूर्ति को लेकर दबाव बन गया था। सरकार को यह आशंका थी कि अगर स्थिति को नियंत्रित नहीं किया गया, तो देश के भीतर पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत हो सकती है। इसी घरेलू संकट को टालने के लिए सरकार ने इसी महीने ये प्रतिबंध लगाए थे। सरकार की ओर से लगाई गई इस पाबंदी का सबसे ज्यादा असर व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए ईंधन खरीदने वालों पर पड़ा था। प्रतिबंधों के तहत, कमर्शियल खरीदारों को सीधे रिटेल स्टेशनों (पेट्रोल पंपों) से पेट्रोल और डीजल खरीदने से पूरी तरह रोक दिया गया था। इसके अलावा, स्थानीय स्तर पर ईंधन की कमी को रोकने के लिए सरकार ने डीजल की रोजाना खरीद पर भी एक सीमा तय कर दी थी। यानी कोई भी व्यावसायिक संस्था एक दिन में एक तय मात्रा से अधिक डीजल नहीं खरीद सकती थी।

1 जुलाई से क्या दिखेगा असर?

सरकार के इस फैसले से यह संकेत मिलता है कि ईंधन की सप्लाई से जुड़ी चिंताएं अब नियंत्रण में हैं। 1 जुलाई से व्यावसायिक खरीदारों के लिए रिटेल स्टेशनों से पेट्रोल और डीजल खरीदने के रास्ते फिर से खुल जाएंगे और डीजल खरीद की दैनिक सीमा भी खत्म हो जाएगी। इससे कमर्शियल ट्रांसपोर्टरों और उद्योगों को अपनी जरूरत के हिसाब से ईंधन जुटाने में मदद मिलेगी, जिससे लॉजिस्टिक और व्यावसायिक गतिविधियां पहले की तरह सुचारू रूप से चल सकेंगी।

जेल के बैरक में कुख्यात डकैत जगन गुर्जर की हत्या

अजमेर। राजस्थान की अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में कुख्यात डकैत जगन गुर्जर की हत्या से जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार भरतपुर के चर्चित कुलदीप जघीना हत्याकांड के आरोपी हार्डकोर बंदी विष्णु पर हत्या का आरोप है। दोनों बंदी एक ही बैरक में बंद थे। घटना की पुष्टि अजमेर के एसपी हर्षवर्धन अग्रवाल ने की है। जानकारी के अनुसार दोपहर 11 से 3 बजे तक बैरक बंद रहने के दौरान ड्यूटी स्टाफ नियमित राउंड पर पहुंचा। बैरक का दरवाजा खोला गया तो अंदर जगन गुर्जर मृत अवस्था में पड़ा मिला, जबकि उसका साथी बंदी विष्णु बैरक के भीतर ही मौजूद था। सूचना मिलते ही जेल प्रशासन, पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची तथा साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी है।

असम-अरुणाचल में बाढ़ का कहर

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश और असम में लगातार बारिश से बाढ़ और लैंडस्लाइड की स्थिति है। अरुणाचल के 12 जिलों में बाढ़ और लैंडस्लाइड से इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा। लेकू नदी के उफान से असम के जोनाई इलाके में बाढ़ आ गई और नेशनल हाईवे-515 भी पानी में डूब गया। असम में 96 गांव बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। छह जिलों के 22 हजार से ज्यादा लोग बेघर हो गए हैं। सबसे ज्यादा असर धेमाजी जिले में पड़ा, जहां करीब 16 हजार लोग प्रभावित हैं। अब तक 1690 हेक्टेयर फसल खराब हो गई है। गृह मंत्री अमित शाह ने असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा और अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू को फोन कर हालात की जानकारी ली।

रेप-मर्डर के दोषी को फांसी की सजा

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में 3 साल की बच्ची से रेप और हत्या करने के आरोपी 65 साल के दोषी भीमराव कांबले को विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। सोमवार सुबह 11 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपी को अदालत में पेश किया गया था। कांबले पेशे से मजदूर हैं। वह 7 बच्चों का पिता और 11 बच्चों के दादा हैं। कोर्ट का यह फैसला वारदात के 60 दिन में आया है। अदालत ने इस मामले को रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी का बताते हुए कहा कि आरोपी का कृत्य बेहद क्रूर, अमानवीय और बर्बर था।

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए 8 चढ़ावा चोर

अयोध्या। दुनिया भर में रामभक्तों की आस्था को आघात पहुंचाने वाले राममंदिर चढ़ावा चोरी के आठों आरोपितों की पुलिस को रिमांड नहीं मिली। सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग से सुनवाई हुई और आठों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सीबीएसई का यू-टर्न, जारी की नई गाइडलाइन

10वीं के छात्रों पर लागू नहीं होगी त्रिभाषा नीति

नई दिल्ली

सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर बड़ा बदलाव किया है। बोर्ड की नई गाइडलाइंस के अनुसार मौजूदा 10वीं कक्षा के छात्रों को अब तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। इस फैसले से लाखों छात्रों और अभिभावकों को बड़ी राहत मिली है। आइए समझते हैं नई गाइडलाइंस के बारे में विस्तार से। सीबीएसई की नई गाइडलाइंस के अनुसार मौजूदा कक्षा 10 के छात्रों पर यह नई त्रिभाषा नीति लागू नहीं होगी। इसके अलावा कक्षा 7, 8 और 9 में पढ़ रहे मौजूदा छात्रों को आगे चलकर कक्षा 10 में तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। जिन छात्रों ने पहले से दो विदेशी भाषाएं चुनी हैं, वे उन्हें जारी रख सकते हैं, लेकिन उनके साथ एक अतिरिक्त भारतीय भाषा पढ़ना भी जरूरी होगा। सीबीएसई की नई थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी के

अनुसार छात्रों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें से कम से कम दो भाषाएं भारतीय भाषाएं होना जरूरी है। तीसरी भाषा (आर3) के रूप में गैर-भारतीय भाषा भी चुनी जा सकती है, लेकिन शर्त यही है कि बाकी दो भाषाएं भारतीय हों। कक्षा 10 (2026-27) के मौजूदा छात्रों के लिए कोई बदलाव नहीं किया गया है। उन्हें तीसरी भाषा की पढ़ाई या बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी और वे पुराने सिस्टम के अनुसार ही पढ़ाई जारी रखेंगे। वहीं कक्षा 9 के सभी छात्रों को तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य होगा। इनमें से कम से कम दो भारतीय भाषाएं होना जरूरी है, जबकि तीसरी भाषा के रूप में अंग्रेज़ी, फ्रेंच, जर्मन, अरबी या स्पेनिश जैसी गैर-भारतीय भाषा भी चुनी जा सकती है।

कक्षा 9 के लिए थी-लैंग्वेज पॉलिसी

स्थिति 1

अगर आप पहले से दो भारतीय भाषाएं पढ़ रहे हैं (जैसे हिंदी और तमिल), तो आप तीसरी भाषा के रूप में कोई दूसरी भारतीय भाषा या कोई गैर-भारतीय भाषा (जैसे अंग्रेज़ी या फ्रेंच) चुन सकते हैं।

स्थिति 2

अगर आप एक भारतीय और एक गैर-भारतीय भाषा पढ़ रहे हैं (जैसे तमिल और अंग्रेजी), तो आपको तीसरी भाषा के रूप में कोई भी भारतीय भाषा चुननी होगी।

स्थिति 3

अगर आप दो गैर-भारतीय भाषाएं पढ़ रहे हैं (जैसे अंग्रेजी और फ्रेंच), तो 2026-27 के लिए एक विशेष छूट दी जाएगी। आप इन्हें जारी रख सकते हैं, लेकिन आपको तीसरी भाषा के रूप में एक भारतीय भाषा जोड़नी अनिवार्य होगी।

2026-27 से नई गाइडलाइंस लागू होंगी

सीबीएसई का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कई भारतीय भाषाओं में दक्ष बनाना और भाषा सीखने की प्रक्रिया को बढ़ावा देना है, ताकि उनकी शिक्षा संतुलित और समग्र रूप से विकसित हो सके। बोर्ड चाहता है कि भाषा सीखना केवल एक विषय न होकर एक सार्थक, रोचक और ज्ञानवर्धक अनुभव बने, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में मदद करे। इसके अलावा, सेकेंडरी स्टेज (कक्षा 9 और 10) में तीसरी भाषा (आर3) को शामिल करना मिडिल स्टेज (कक्षा 6 से 8) में शुरू हुई भाषा सीखने की प्रक्रिया का ही विस्तार है। इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शैक्षणिक सत्र 2026-27 से सीबीएसई से जुड़े स्कूलों में भाषा नीति को लागू करने के लिए विस्तृत गाइडलाइंस जारी करना आवश्यक माना गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने राज्यसभा सांसद के तौर पर ली शपथ

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को संसद भवन में राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। वे कर्नाटक से फिर से निर्वाचित होकर संसद के उच्च सदन में पहुंचे हैं। भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मल्लिकार्जुन खड़गे के शपथ ग्रहण के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। मल्लिकार्जुन खड़गे वर्तमान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के साथ-साथ राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष की भी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। हाल ही में कर्नाटक से निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद यह उनका नया कार्यकाल है, जिससे वे उच्च सदन में विपक्ष का नेतृत्व जारी रखेंगे। शपथ ग्रहण के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, उन्हें एक बार फिर राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने का अवसर मिला है। उन्होंने इसे अपने लिए गर्व और बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि वे नेता प्रतिपक्ष के रूप में उच्च सदन में जनता की आवाज बुलंद करने के अपने दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे। खड़गे ने उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन तथा उपसभापति हरिवंश के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस नेतृत्व खासकर सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के सांसदों, पार्टी कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन और संसदीय सेवा की उनकी लंबी यात्रा में सभी का विश्वास और समर्थन उनकी सबसे बड़ी शक्ति रहा है।

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को परम विशिष्ट सेवा मेडल

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में रक्षा अलंकरण समारोह में 7 कीर्ति चक्र, 15 वीर चक्र और 29 शौर्य चक्र प्रदान किए। सम्मान पाने वालों में ऑपरेशन सिंदूर में शामिल भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन मनीष अरोड़ा भी रहे, जिन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित डिफेंस इन्वेस्टिचर सेरेमनी 2026 (फेज-2) में सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों को विशिष्ट सैन्य सम्मान प्रदान किए। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को परम विशिष्ट सेवा मेडल, सेना प्रमुख-नामित लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को उत्तम युद्ध सेवा मेडल और मेजर जनरल मनदीप सिंह को सेना मेडल से सम्मानित किया गया। व्हाइट टाइगर आर्मर्ड डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल मनदीप सिंह को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए सेना मेडल से सम्मानित किया गया।

घूसखोरों के मददगार की भी खैर नहीं

लोकायुक्त ने पहली बार महिला पटवारी के साथ उसके पति को भी बनाया सह-आरोपी

ग्वालियर। भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस ने बड़ा कदम उठाते हुए स्पष्ट किया है कि यदि किसी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी के भ्रष्टाचार में उसके स्वजन या किसी बाहरी व्यक्ति की भूमिका सामने आती है, तो उसे भी सह-आरोपी बनाया जाएगा। इसी कार्रवाई के तहत ग्वालियर में रिश्वतखोरी के मामले में पकड़ी गई महिला पटवारी रेखा शाक्य के पति कृष्णकांत शाक्य को भी आरोपी बनाया गया है। पहले भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के

तहत दर्ज एफआईआर में केवल महिला पटवारी का नाम था, लेकिन अब जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर उसके पति का नाम भी जोड़ा गया है। दरअसल, मुरार के सिरसौद गांव निवासी मंगाराम ने अपनी बहन गुड्डी बाई और पत्नी सावित्री बाई के नाम जमीन का नामांतरण कराने के लिए आवेदन किया था। आवेदन लंबित रहने पर जब उन्होंने महिला पटवारी रेखा शाक्य से कारण पूछा तो उसने अपने पति कृष्णकांत का मोबाइल नंबर दिया। मंगाराम के संपर्क करने पर कृष्णकांत ने नामांतरण के एवज में 15 हजार रुपये रिश्वत मांगी और कहा कि बिना पैसे काम नहीं होगा।

'राम को लूटा, देश को लूटा'

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी सरकार पर शायराना अंदाज में निशाना साधा। उन्होंने लोगों से बीजेपी को वोट के जरिए हटाने की अपील करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा ने भागवान राम और देश, दोनों को ही लूटा है। अयोध्या राम मंदिर फंड में कथित गड़बड़ी के विवाद के बीच सीनियर वकील सिब्बल ने एक्स पर पीएम नरेंद्र मोदी के 2014 में अच्छे दिन वाले नारे पर निशाना साधा और इसे झूठ करार दिया। सिब्बल ने कहा, इस सरकार को हटाओ, राम को लूटा, देश को लूटा, अच्छे दिन का नारा झूठा। उन्होंने आगे कहा, ऐसे शासन को तोड़ेंगे, मिल के देश को जोड़गे, ना दिलों का होगा बंटवारा, सबका देश है देश हमारा। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी सरकार को हराया जाना चाहिए और देश को बिना किसी बंटवारे के एकजुट किया जाना चाहिए। अयोध्या में राम मंदिर के लिए इकठ्ठा किए गए चंदे में कथित गड़बड़ी को लेकर विपक्ष की बढ़ती आलोचना के बीच निर्दलीय राज्यसभा सांसद की ये टिप्पणियां आई हैं। विपक्षी पार्टियों ने इस मुद्दे पर पीएम मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मप्र पुलिस की हाईटेक तैयारी

अब ड्रोन से बरसेंगे आंसू गैस के गोले

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अब हाईटेक तकनीक का सहारा लेने जा रही है। प्रदेश में पहली बार आंसू गैस के गोले दागने में ड्रोन का उपयोग किया जाएगा। पुलिस मुख्यालय ने इसके लिए 40 विशेष ड्रोन खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन ड्रोन के जरिए न केवल भीड़ पर प्रभावी ढंग से आंसू गैस के गोले छोड़े जा सकेंगे, बल्कि घटनास्थल की निगरानी और रिकॉर्डिंग भी बेहतर तरीके से हो सकेगी। ड्रोन में लगे अत्याधुनिक कैमरे पहले घटनास्थल का सर्वे करेंगे और यह पता लगाएंगे कि भीड़ किस स्थान पर अधिक है तथा आंसू गैस के गोले कहां गिराने से अधिक

प्रभावी परिणाम मिलेंगे। इसके बाद दूर से ही ड्रोन को नियंत्रित कर गैस के गोले छोड़े जाएंगे। इससे पुलिस बल को भीड़ के बीच जाने की जरूरत कम पड़ेगी और जोखिम भी घटेगा। पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों के अनुसार, खरीद प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले दो से तीन माह में ये ड्रोन पुलिस को उपलब्ध हो जाएंगे। इसके बाद प्रदेश में कानून-व्यवस्था से जुड़े संवेदनशील हालात में इनका उपयोग शुरू किया जाएगा।

40 जिलों को मिलेंगे ड्रोन

पुलिस मुख्यालय की योजना के तहत करीब 40 ड्रोन खरीदे जाएंगे। प्रत्येक ड्रोन की अनुमानित कीमत लगभग 14 लाख रुपये होगी। इनकी खरीद बीएसएफ टेकनपुर के माध्यम से की जाएगी। फिलहाल 55 में से 40 जिलों को एक-एक ड्रोन उपलब्ध कराया जाएगा, जबकि शेष जिलों में जरूरत पड़ने पर नजदीकी जिलों से ड्रोन उपलब्ध कराए जाएंगे।

भीड़ नियंत्रण के साथ साक्ष्य भी होंगे सुरक्षित

अब तक पुलिस निगरानी और वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए ड्रोन का उपयोग करती रही है, लेकिन नए ड्रोन अधिक उन्नत कैमरों से लैस होंगे। इससे घटनास्थल की स्पष्ट रिकॉर्डिंग होगी, जो बाद में जांच और साक्ष्य के रूप में भी उपयोगी साबित हो सकती है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कई बार आंसू गैस छोड़ने के दौरान पुलिसकर्मियों पर पथराव जैसी घटनाएं हो जाती हैं। ड्रोन तकनीक से सुरक्षित दूरी से कार्रवाई संभव होगी और भीड़ नियंत्रण अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा।

हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज ने जगाई जागरूकता की अलख

छात्र-छात्राओं ने बुलंद की नशामुक्त समाज की आवाज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

समाज को नशे के गंभीर दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करने के उद्देश्य से जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज) द्वारा सिविक सेंटर में जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वर्ल्ड ड्रग प्रॉब्लम: परसिस्टिंग इश्यूज, न्यू चैलेंजेस, इनोवेटिव रिस्पॉन्स की वैश्विक थीम पर आधारित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं को नशे की लत से दूर रहने और एक स्वस्थ, सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इस अभियान के तहत बीएससी नर्सिंग प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने सड़क पर उतरकर मोर्चा संभाला। विद्यार्थियों ने आम जनता से संवाद स्थापित कर उन्हें मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक नुकसान के बारे में विस्तार से समझाया। युवाओं ने पूरे आत्मविश्वास के साथ 'से नो टू ड्रग्स, यस टू लाइफ' का नारा बुलंद करते हुए समाज को संदेश दिया कि नशे की एक गलत आदत न केवल एक जीवन को बर्बाद करती है, बल्कि पूरे परिवार और करियर को भी अंधकार में धकेल देती है।

शंकाओं का मिला समाधान

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने अपनी शंकाओं और कौतूहल को लेकर कई सवाल भी पूछे, जिनका नर्सिंग के छात्रों ने बेहद सरल और सटीक जवाब दिया। कार्यक्रम में यह बात प्रमुखता से उभरकर आई कि परिवार का सहयोग, सही मार्गदर्शन और एक सकारात्मक माहौल ही किसी व्यक्ति को इस दलदल से बाहर निकाल सकता है। यह बेहद सफल और समाजोपयोगी कार्यक्रम संस्थान की प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के कुशल मार्गदर्शन एवं संरक्षण में संपन्न हुआ, कार्यक्रम को धरातल पर सफल बनाने में नर्सिंग ट्यूटर मोहम्मद अलीम और साक्षी पटेल का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने समन्वयकों के रूप में संपूर्ण व्यवस्थाओं का कुशलतापूर्वक संचालन किया। उपस्थित नागरिकों ने इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए इसे नशामुक्त भारत की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

दो अफसरों पर ईओडब्ल्यू ने की कार्रवाई

बिजली विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता और कार्यपालन यंत्री 25 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर की टीम ने मध्य प्रदेश विद्युत विभाग में बड़ी कार्रवाई करते हुए अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सिविल) प्रहलाद मर्सकोले और कार्यपालन यंत्री (सिविल) चंद्रशेखर मेहरा को 25-25 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। दोनों अधिकारियों पर एक ठेकेदार से 10 लाख रुपए से अधिक के निर्माण कार्य का बिल पास कराने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है। ईओडब्ल्यू के अनुसार, गुप्तेश्वर निवासी ठेकेदार अशोक कुमार द्विवेदी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने कटनी जिले के बहोरीबंद क्षेत्र में विद्युत विभाग के लिए निर्माण कार्य किया था। इस कार्य का लगभग 10 लाख रुपये का भुगतान लंबित था। शिकायत में बताया गया कि बिल का भुगतान कराने के लिए कार्यपालन यंत्री चंद्रशेखर मेहरा ने 20 हजार रुपये और अतिरिक्त मुख्य अभियंता प्रहलाद मर्सकोले ने 30 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी।

शिकायत सही मिलने पर बिछाया जाल- शिकायत मिलने के बाद ईओडब्ल्यू ने मामले का सत्यापन कराया। जांच में रिश्वत मांगने की पुष्टि होने पर टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कार्यपालन यंत्री चंद्रशेखर मेहरा पहले ही 5 हजार रुपये रिश्वत के रूप में ले चुका था।

दूसरी किस्त लेते रंगे हाथ पकड़े गए-सोमवार को जब शिकायतकर्ता अशोक द्विवेदी रिश्वत की दूसरी किस्त देने विद्युत विभाग के कार्यालय पहुंचे, उसी दौरान पहले से मौजूद ईओडब्ल्यू टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों अधिकारियों को रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान प्रहलाद मर्सकोले के पास से 10 हजार रुपये तथा चंद्रशेखर मेहरा के पास से 15 हजार रुपये रिश्वत की राशि बरामद की गई। इस प्रकार दोनों अधिकारियों को कुल 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया।

बिजली विभाग की मनमानी से ग्रामीण हो रहे परेशान

मौत का इंतजार करते लटकती हुई केवल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहपुरा विद्युत वितरण केंद्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम नटवारा में बिजली व्यवस्था की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। गांव के बस स्टैंड स्थित ट्रांसफार्मर से जुड़े विद्युत तारों में फाल्ट होने तथा कई स्थानों पर तारों के जले एवं कटे होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि खराब तारों के कारण न केवल बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही है, बल्कि किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका भी बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार बस स्टैंड क्षेत्र में लगातार बनी इस समस्या से दुकानदारों, राहगीरों और आम नागरिकों को खतरा बना हुआ है एवं लगातार पिछले कुछ दिनों से बिजली आपूर्ति का बंद है। सम्बंधित बिजली विभाग के अधिकारी द्वारा कॉल ना रिसीव करना बहुत ही चिंता जनक विषय है लोगों का आरोप है कि कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायत करने के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने सब इंजीनियर रंजन पांडे एवं ठेकेदार पक्ष द्वारा लगाए गए स्थानीय मिस्त्रियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि शिकायतों के बाद भी समय पर कार्रवाई नहीं की जाती, जिससे लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। कृषक कागेस के नेता उमा शंकर विश्वकर्मा एवं शिकायत कर्ता जगन्नाथ अवस्थी साथी ग्रामीण लखन पटैल, शक्ति चौरसिया ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यदि जल्द से जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो जिला कांग्रेस के नेतृत्व में आंदोलन किया जाएगा।

घर में सो रहे किशोर की सर्पदंश से मौत

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । मझगवां थाना क्षेत्र के ग्राम सैलवारा में दरमियानी रात सर्पदंश से एक 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार 14 वर्षीय सूर्य लोधी पिता बलराम लोधी अपने घर में सो रहा था, तभी जहरीले सर्प ने उसे डस लिया। सर्प के डसते ही किशोर चीखने लगा। उसकी आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक सर्प वहां से निकल चुका था। परिजन तत्काल उसे उपचार के लिए शासकीय सिविल अस्पताल सिहोरा लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

शरद यादव की जयंती पर होंगे विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शरद यादव विचार मंच, जबलपुर एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ (शिक्षण विभाग) के संयुक्त तत्वावधान में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं उत्कृष्ट सांसद स्व. शरद यादव की जयंती के अवसर पर 1 जुलाई 2026 को दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रात: 11 बजे अंबेडकर चौक, ललित गार्डन, जबलपुर में शरद यादव के पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सरोकार एवं जनकल्याण के विचारों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। दोपहर 1 बजे शहीद स्मारक, गोल बाजार, जबलपुर में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के मुख्य आतिथ्य तथा सांसद आशीष दुबे की अध्यक्षता में लोकतंत्र का भविष्य और छात्र राजनीति: संघर्ष, संवाद एवं नेतृत्व निर्माण विषय पर राष्ट्रीय संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. गोविंद सिंह, पूर्व मंत्री एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष, मध्य प्रदेश विधानसभा होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में लखन घनघोरिया, पूर्व मंत्री, मध्य प्रदेश शासन एवं विधायक, राजा पटेरिया, पूर्व मंत्री, मध्य प्रदेश शासन, जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', महापौर, नगर निगम जबलपुर मौजूद रहेंगे।

आयोजन का उद्देश्य

आयोजकों ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक मूल्यों, छात्र नेतृत्व, सामाजिक न्याय, संवैधानिक अधिकारों तथा स्वर्गीय शरद यादव जी के संघर्षपूर्ण जीवन, विचारों एवं योगदान से परिचित कराना है। पत्रकार वार्ता में रामरतन यादव डॉक्टर प्रशांत मिश्रा दिनेश सिंह ठाकुर अशोक तोमर बैजनाथ कुशवाहा संदीप वर्मा घनश्याम यादव डॉक्टर राजेंद्र पिल्ले उपस्थित रहे।

महिलाओं के झुमके नोंचने वाला गैंग पकड़ाया

2 नाबालिगों समेत 4 दबोचे गए, माल जब्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । क्राइम ब्रांच और अधारताल थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने झपटमार गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में दो मुख्य आरोपियों सहित दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बालिग आरोपियों की पहचान 21 वर्षीय हिमांशू केवट, लार्डगंज और 25 वर्षीय संतोष कोरी पनागर के रूप में हुई है। इस गैंग के पास से लूटी गई सोने की 6 झुमकी और वारदातों में इस्तेमाल की गई चोरी की न्यू आर वन-5 रेसर मोटरसाइकिल बरामद की गई है, जिसकी कुल कीमत करीब 8 लाख रुपये आंकी गई है। यह गिरोह महिलाओं को निशाना बनाकर चलती गाड़ी से उनके कान के झुमके झपट लेता था, जिससे कई महिलाएं गंभीर रूप से घायल भी हुईं।

गिरोह ने पूछताछ में ओमती थाना क्षेत्र के समदड़िया मॉल की पार्किंग से करीब एक महीने पहले यह महंगी रेसर बाइक चोरी करना स्वीकार किया। इसी चोरी की बाइक पर सवार होकर आरोपियों ने अधारताल, बरगी, तिलवारा, माढ़ोताल और पनागर जैसे अलग-अलग इलाकों में धड़ाधड़ 6 लूट और झपटमारी की वारदातों को अंजाम दिया था। बरगी में पीछा करने पर आरोपियों ने पीड़ित को चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी भी दी थी। लगातार हो रही इन गंभीर वारदातों को देखते हुए टीम ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले इसी दौरान पुलिस टीम को आनंद नगर में नीले रंग की आरवन 5 बाइक पर दो संदिग्ध युवक दिखे, जिन्हें घेराबंदी कर दबोच लिया गया। तलाशी लेने पर उनके पास से लूटे गए झुमके बरामद हुए, जिसके बाद उनके दोनों नाबालिग साथियों को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कुल 7 अपराधों में विधिवत गिरफ्तारी की है। फिलहाल आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।

विनोद नयन को मिला कबीर सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहडोल में आयोजित 'सतगुरु कबीर महोत्सव' के मंच पर संस्कारधानी वरिष्ठ साहित्यकार और प्रसंग अंतरराष्ट्रीय संस्था के संस्थापक इंजीनियर विनोद नयन को 'कबीर सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह गरिमामयी अलंकरण उन्हें होलकर प्रसाद वर्मा स्मृति समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में प्रदान किया गया। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के गणमान्य साहित्यकारों और प्रबुद्धजनों ने खुशी जाहिर की है ।

इस अवसर पर उन्हें आचार्य भगवत दुबे, अशोक मनोध्याय, मथुरा उत्साही, डॉ. अनामिका तिवारी, अर्चना मलैया, अभय तिवारी, डॉ. छाया सिंह, डॉ. मुकुल तिवारी, बसंत शर्मा, डॉ. रानू रूही, डॉ. विनीता पांडेय 'विनीत', इंदु सिंह 'कंचन', डॉ. गीता पाण्डेय, एड. तृप्ति त्रिवेदी, सुभाष मणि बैरागी, विजय बागरी और राजकुमार महोबिया ने शुभकामनाये दी ।

सेवानिवृत्ति पर सम्मान समारोह एवं प्रीतिभोज का आयोजन आज

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । शासकीय सीनियर उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उमरियापान में सहायक ग्रेड-2 के पद पर कार्यरत राम दयाल पाण्डेय 30 जून को अपनी लगभग 29 वर्षों की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इस अवसर पर उनके सम्मान में परिवार द्वारा उनके निज निवास, ग्राम एवं पोस्ट धनगवां, जिला जबलपुर में विदाई एवं प्रीतिभोज समारोह का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम 30 जून मंगलवार को दोपहर एक बजे से प्रारंभ होगा। राम दयाल पाण्डेय ने अपने सेवाकाल के दौरान कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। उनकी सेवाओं को विद्यालय परिवार, सहकर्मियों एवं क्षेत्रवासियों द्वारा सदैव सराहा गया है। इस शुभ अवसर पर पाण्डेय परिवार ने सभी परिजनों, मित्रों, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थित होकर श्री पाण्डेय के उज्ज्वल एवं सुखद सेवानिवृत्त जीवन की मंगलकामनाएँ देने का आग्रह किया है।

सैम सीनियर सिटीजन क्लब में सुरों से सजी शाम

बिखरे बुंदेली लोकगीत और सदाबहार नगमे

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । सैम सीनियर सिटीजन क्लब द्वारा साउथ एवेन्यू मॉल में एक भव्य लोकगीत एवं संगीतमय संध्या का आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुख्य विशेषता नगर की सुप्रसिद्ध बुंदेली गायिका संगीता ठाकुर की सुरीली प्रस्तुति रही, जिन्होंने पान खाए सैयां हमारो जैसे पारंपरिक बुंदेली लोकगीतों से पूरे हॉल को गुंजायमान कर दिया । कार्यक्रम में नन्हे उस्तादों ने भी अपनी कला का जादू बिखेरा। अवंति कनोजिया ने 'सत्यम शिवम सुंदरम' की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं, वहीं श्रव्या शर्मा ने 'उनसे मिली नजर' गीत गाकर सभी का दिल जीत लिया। 'गीतों भरी शाम' प्रतियोगिता में आरती जायसवाल, विजय श्रीवास्तव, पुष्पा श्रीवास्तव, और प्रभा बच्चन सहित 22 से अधिक वरिष्ठ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी गायकी का हुनर दिखाया।

नशा मुक्त संतुलित जीवन शैली ही स्वस्थ जीवन का आधार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विश्व नशा निरोधक एवं नशामुक्त जीवन दिवस के अवसर पर स्थानीय ब्रह्माकुमारी शिव धाम मंदिर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर 'नशा मुक्त संतुलित जीवन शैली स्वस्थ जीवन का आधार' विषय पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रबुद्ध वक्ताओं ने वर्तमान समय में बढ़ते नशे के दुष्प्रभावों और समाज पर इसके कारण पड़ने वाले गंभीर व नकारात्मक प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। इस कार्यक्रम के समापन पर वहां मौजूद सभी नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मिलकर एक नशा मुक्त समाज के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और समाज सेवी उपस्थित रहे।

ईश्वरदास रोहाणी स्मृति गौरव शिखर सम्मान कल

12 विभूतियों को किया जाएगा सम्मानित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सेवा, समर्पण और जनकल्याण के पर्याय रहे दादा ईश्वरदास रोहाणी की पुण्य स्मृति में इस वर्ष एक नई पहल करते हुए 'गौरव शिखर सम्मान 2026' आयोजित करने का निर्णय लिया है। आयोजन समिति के अनुसार यह भव्य समारोह 1 जुलाई 2026को अपराह्न 3.30 बजे से मानस भवन राइट टाउन जबलपुर में आयोजित होगा। इस अवसर पर कुल 12 विशिष्ट क्षेत्रों- शिक्षा, समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण, संस्कृति एवं कुटुंब प्रबोधन, युवा प्रेरणा, सनातन ज्ञान, उद्योग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पत्रकारिता, सेवानिवृत्त सेवा, विधि एवं न्याय में उल्लेखनीय कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता लेफ्टिनेंट जनरल हरविंदर सिंह चंद्रा द्वारा की जाएगी। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं मंत्री, लोक निर्माण विभाग राकेश सिंह की उपस्थिति रहेगी। आयोजन समिति के सदस्य डॉ जितेंद्र जामदार, डॉ राजेश धीरावाणी, डॉ स्वाति गोडबोले, रवि गुप्ता, चैतन्य भट्ट, अजय ग्रोवर, संदीप विजन, रजनीत जैन, पंकज गोयल, अनिल नंदवानी, सौरभ बड़ेरिया, एड सुमित रघुवंशी, अरुण अग्रवाल अज्जू, आयोजन सचिव डॉ. सुनील मिश्र, संरक्षक विधायक अशोक रोहाणी एवं सचिन जैन सहारा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत भजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं दीप प्रज्वलन के साथ होगी, जिसके पश्चात सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

रक्तदान एवं रोजगार मेला- स्व. दादा ईश्वरदास रोहाणी के 80वें जन्मदिवस के अवसर पर सोमवार को पीएमश्री महाकौशल महाविद्यालय, सिविल लाइन्स, जबलपुर में प्रात: 9 बजे से दोपहर 01 बजे तक विशाल रक्तदान शिविर एवं रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस विशाल रक्तदान शिविर सैकड़ों युवाओं ने रक्त दान किया एवं प्रतिभावान युवाओं के कौशल के अनुसार उन्हें रोजगार मेले के माध्यम से रोजगार प्रदान कराया गया एवं इस विशाल रक्तदान शिविर में मेडिकल कॉलेज जबलपुर, विक्टोरिया अस्पताल एवं रानी दुर्गावती चिकित्सालय (एल्गिन) के सहयोग से अधिक से अधिक यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य रखा गया, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। गोल्डेन हार्ट हॉस्पिटल जबलपुर डॉ. पुष्पराज पटेल की टीम के द्वारा बी.पी. शुगर एवं मरीजों का परीक्षण किया गया।

आज के कार्यक्रम -कार्यक्रमों की इसी श्रृंखला में सेवा के तृतीय दिवस मंगलवार को प्रात: 6 बजे दादा ईश्वर दास रोहाणी पार्क, अंपायर चौक स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित होकर दादा जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को नमन करेंगे तथा उनके आदर्शों का स्मरण करेंगे।

गणितः ज्ञान, तर्क और सफलता की अद्भुत दुनिया

गणित मानव जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है, जिसे केवल संख्याओं और सूत्रों का खेल नहीं कहा जा सकता, बल्कि यह सोचने, समझने और तर्क करने की एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। गणित को सभी विज्ञानों की जननी कहा जाता है क्योंकि विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, चिकित्सा और व्यापार जैसे सभी क्षेत्रों की नींव गणित पर ही आधारित होती है।

प्राचीन काल से ही मनुष्य ने गणना, मापन और व्यापारिक लेन-देन के लिए गणित का उपयोग करना शुरू किया था और समय के साथ यह विषय अत्यधिक विकसित होकर आज के आधुनिक युग की रीढ़ बन गया है। भारत के महान गणितज्ञों जैसे आर्यभट्ट, भास्कराचार्य और श्रीनिवास रामानुजन ने गणित के क्षेत्र में अद्भुत योगदान दिया, जिसने पूरी दुनिया को नई दिशा प्रदान की।

दैनिक जीवन में गणित का महत्व

गणित हमारे दैनिक जीवन में हर जगह उपयोग होता है। बाजार में खरीदारी, बैंक में लेन-देन, समय का प्रबंधन, घर का बजट बनाना और दूरी-समय की गणना जैसे सभी कार्यों में गणित आवश्यक है। इसके बिना जीवन की कई गतिविधियाँ कठिन हो जाती हैं।

गणित और तार्किक सोच

गणित व्यक्ति की तार्किक और विश्लेषणात्मक सोच को विकसित करता है। यह हमें समस्या को समझने, उसका सही समाधान खोजने और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। गणित के अभ्यास से मस्तिष्क अधिक सक्रिय और तेज बनता है।

विज्ञान और तकनीक में गणित की भूमिका

विज्ञान और तकनीक की नींव गणित पर आधारित है। कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट, उपग्रह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स सभी में गणित का उपयोग होता है। बिना गणित के आधुनिक तकनीक की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

शिक्षा में गणित का महत्व

गणित विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति, एकाग्रता और समस्या-समाधान क्षमता को बढ़ाता है। यह अनुशासन, आत्मविश्वास और धैर्य जैसे गुणों का विकास करता है, जो जीवन में सफलता के लिए आवश्यक हैं।

रोजगार के अवसर

गणित का ज्ञान अनेक करियर अवसर प्रदान करता है। इंजीनियर, वैज्ञानिक, डेटा विश्लेषक, चार्टर्ड अकाउंटेंट, शिक्षक और कंप्यूटर प्रोग्रामर जैसे क्षेत्रों में गणित की आवश्यकता होती है। आज के समय में डेटा साइंस और एआई में इसकी मांग बहुत अधिक है।

गणित का भय कैसे दूर करें

गणित का डर अभ्यास की कमी से उत्पन्न होता है। इसे दूर करने के लिए नियमित अभ्यास, मूलभूत सिद्धांतों की समझ, सरल प्रश्नों से शुरुआत और गलतियों से सीखना आवश्यक है। रटने के बजाय समझने पर ध्यान देना चाहिए।

हेमराज उपाध्याय
शिक्षक
हितकारिणी कन्या उमा शाला
बीटी, गढ़ा, जबलपुर

वैदिक गणितः मिथक या विज्ञान?

गणित को अक्सर कठिन विषय माना जाता है, लेकिन वैदिक गणित का नाम आते ही तेज़ गणना और आसान तरीकों की चर्चा होने लगती है। कुछ लोग इसे प्राचीन भारतीय ज्ञान की महान देन मानते हैं, जबकि कुछ इसे लेकर सवाल उठाते हैं। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न है, क्या वैदिक गणित वास्तव में वेदों से निकला विज्ञान है, या यह केवल एक लोकप्रिय मान्यता (मिथक) है?

क्या है वैदिक गणित ?

वैदिक गणित तेज़ और सरल गणना की एक पद्धति है, जिसे 20वीं शताब्दी में भारती कृष्णा तीर्थ ने लोकप्रिय बनाया। उन्होंने अपनी पुस्तक वेदिक मेथामेटिक्स में 16 सूत्र और 13 उपसूत्र बताए, जिनकी सहायता से जोड़, घटाव, गुणा, भाग और अन्य गणनाएँ तेजी से की जा सकती हैं।

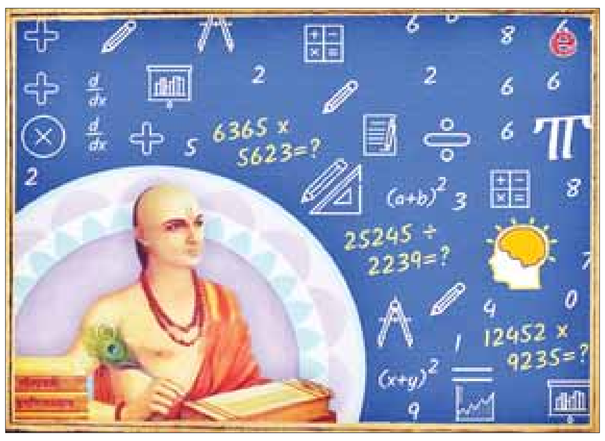

क्या यह वास्तव में वेदों में मिलता है?

यहीं से विवाद शुरू होता है। समर्थकों का कहना है कि ये सूत्र वैदिक परंपरा से प्रेरित हैं और भारतीय ज्ञान परंपरा का हिस्सा हैं। कई इतिहासकारों और गणितविदों का मत है कि अब तक उपलब्ध चारों वेदों के मूल ग्रंथों में ये 16 सूत्र स्पष्ट रूप से नहीं मिलते। इसलिए अधिकांश विद्वान मानते हैं कि आधुनिक वैदिक गणित का प्रत्यक्ष स्रोत वेद नहीं हैं, बल्कि यह 20वीं शताब्दी में व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत की गई गणना-पद्धति है। अर्थात, वैदिक नाम पर मतभेद है, लेकिन इसकी गणना तकनीकों की उपयोगिता पर नहीं।

क्या यह वैज्ञानिक है?

यदि वैज्ञानिक से आशय ऐसी विधियों से है जिन्हें समझा, परखा और दोहराया जा सके, तो वैदिक गणित की कई तकनीकें इस कसौटी पर खरी उतरती हैं। इसका अर्थ है कि हम मान सकते हैं कि वैदिक गणित का आधार वैज्ञानिक है।

वैदिक गणित के प्रमुख लाभ

- मानसिक गणना की गति बढ़ती है।
- कई प्रकार के गुणा और भाग आसान हो जाते हैं।
- प्रतियोगी परीक्षाओं में समय की बचत होती है।
- छात्रों में गणित के प्रति रुचि बढ़ती है।

क्या हर प्रश्न वैदिक गणित से हल हो सकता है?

हर व्यक्ति के मन में सवाल आता होगा कि क्या हर प्रश्न वैदिक गणित से हल हो सकता है? तो इसका जवाब है नहीं। बीजगणित, कलन, त्रिकोणमिति, सांख्यिकी और उच्च स्तर के गणित में पारंपरिक गणितीय सिद्धांतों और विधियों की आवश्यकता होती है। वैदिक गणित मुख्य रूप से अंकगणितीय गणनाओं में अधिक उपयोगी है। अंत में हम बोल सकते हैं कि वैदिक गणित को लेकर दो बातें अलग-अलग समझनी चाहिए। पहली, इसके वैदिक स्रोत को लेकर विद्वानों में मतभेद हैं। दूसरी, इसकी गणना तकनीकों की उपयोगिता को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। इसलिए इसे न तो बिना प्रमाण के प्राचीन वेदों का प्रत्यक्ष गणित कह देना उचित है और न ही इसकी उपयोगी विधियों को पूरी तरह नकारना।

मिलेनियम प्रॉब्लम्सः गणित की 7 सबसे कठिन पहेलियाँ, जिनका हल करने पर मिलते हैं करोड़ों रुपये!

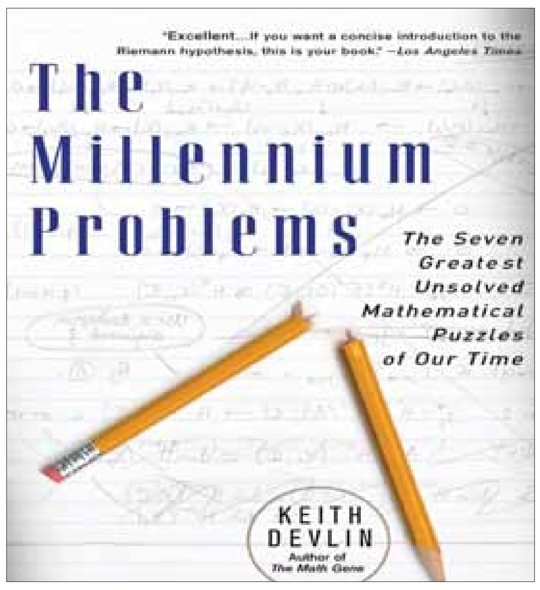

दुनिया में कुछ ऐसे गणितीय प्रश्न हैं जिन्हें हल करने की कोशिश में दशकों नहीं, बल्कि सदियाँ बीत गईं। इन्हें मिलेनियम प्रॉब्लम्स कहा जाता है। वर्ष 2000 में क्ले मैथेमेटिक्स इंस्टीट्यूट ने गणित के सात सबसे कठिन और महत्वपूर्ण प्रश्नों की सूची जारी की। इनका उद्देश्य गणित में नई खोजों को प्रोत्साहित करना था। इन सातों समस्याओं में से किसी एक का सही समाधान देने वाले व्यक्ति को 10 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 8 से 9 करोड़ रुपये, विनिमय दर के अनुसार) का पुरस्कार दिया जाता है। मिलेनियम प्रॉब्लम्स केवल कठिन गणितीय प्रश्न नहीं हैं, बल्कि मानव ज्ञान की सीमाओं को चुनौती देने वाले रहस्य हैं। इन्हें हल करना केवल एक पुरस्कार जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि विज्ञान और गणित की दिशा बदल देने वाली उपलब्धि हो सकती है। शायद भविष्य में कोई युवा गणितज्ञ इन अनसुलझे रहस्यों से पर्दा उठाए और इतिहास रच दे।

मिलेनियम प्रॉब्लम्स क्या हैं?

ये ऐसे सात गणितीय प्रश्न हैं, जिनका समाधान आज तक दुनिया के महानतम गणितज्ञ भी पूरी तरह नहीं खोज पाए हैं। ये केवल गणित तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग और क्रिप्टोग्राफी जैसे क्षेत्रों से भी जुड़े हैं।

सात मिलेनियम प्रॉब्लम्स

1 पी बनाम एनपी प्रॉब्लम्स

यह कंप्यूटर विज्ञान का सबसे प्रसिद्ध प्रश्न है। इसका मूल सवाल है, क्या जिन समस्याओं का उत्तर जल्दी जाँचा जा सकता है, उन्हें उतनी ही जल्दी हल भी किया जा सकता है?

2. रिमान परिकल्पना

यह अभाज्य संख्याओं यानि प्राइम नंबर्स के वितरण से जुड़ी समस्या है। यदि इसका समाधान मिल जाए तो संख्या सिद्धांत यानि नंबर थ्योरी में क्रांतिकारी बदलाव आ सकता है।

3. यांग, मिल्स और मास गैप

यह कण भौतिकी यानि पार्टिकल फिजिक्स से जुड़ा प्रश्न है और ब्रह्मांड के मूलभूत कणों को समझने में महत्वपूर्ण माना जाता है।

4. नावयर, स्टाक्स और स्मूदनेस

यह द्रव और गैसों के प्रवाह से संबंधित समीकरणों को समझने की चुनौती है। मौसम की भविष्यवाणी, विमान निर्माण और समुद्री विज्ञान में इसका बड़ा महत्व है।

5. बर्च और स्विनर्टन डायर परिकल्पना

यह एलिप्टिक वक्रों से जुड़ी समस्या है, जिसका उपयोग आधुनिक क्रिप्टोग्राफी में भी होता है।

6. हॉज परिकल्पना

यह ज्यामिति और बीजगणित के गहरे संबंधों को समझने वाली समस्या है।

7. पॉइनकारे परिकल्पना

यह सात समस्याओं में से एकमात्र समस्या है जिसका समाधान हो चुका है। इसे रूसी गणितज्ञ ग्रिगोरी पेरेमन ने 2002 में सिद्ध किया। उन्हें पुरस्कार और प्रतिष्ठित सम्मान दिए गए, लेकिन उन्होंने 10 लाख डॉलर का पुरस्कार और अन्य प्रमुख सम्मान स्वीकार नहीं किए।

ये समस्याएँ इतनी महत्वपूर्ण क्यों हैं?

- ये आधुनिक गणित की सबसे बड़ी चुनौतियाँ मानी जाती हैं।
- इनके समाधान से विज्ञान और तकनीक के कई क्षेत्रों में नई खोजें संभव हो सकती हैं।
- कंप्यूटर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मौसम पूर्वानुमान, भौतिकी और अंतरिक्ष विज्ञान जैसे क्षेत्रों पर इनका गहरा प्रभाव पड़ सकता है।

भास्कराचार्यः महान भारतीय गणितज्ञ

जिन्होंने अपने समय से सदियों आगे की सोच दिखाई

जब भारतीय गणित की महान विभूतियों का नाम लिया जाता है, तो भास्कराचार्य का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। 12वीं शताब्दी के इस महान गणितज्ञ और खगोलशास्त्री ने ऐसे सिद्धांत दिए, जिन्होंने गणित और खगोल विज्ञान को नई दिशा दी। उनकी रचनाएँ आज भी भारतीय वैज्ञानिक परंपरा की अमूल्य धरोहर मानी जाती हैं। भास्कराचार्य का जन्म लगभग 1114 ई. में माना जाता है। वे गणित के साथ-साथ खगोल विज्ञान के भी प्रकांड विद्वान थे। उनकी सबसे प्रसिद्ध कृति सिद्धांत शिरोमणि है, जिसे भारतीय गणित का एक उत्कृष्ट ग्रंथ माना जाता है।

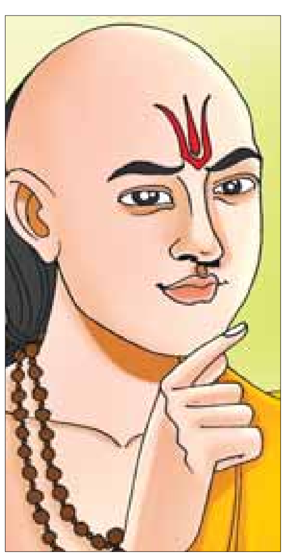

गणित में प्रमुख योगदान

1. लीलावती की रचना

सिद्धांत शिरोमणि का पहला भाग लीलावती है। इसमें जोड़, घटाव, गुणा, भाग, भिन्न, अनुपात, क्षेत्रफल, घनफल और अनेक गणितीय समस्याओं को सरल और रोचक शैली में समझाया गया है। आज भी यह गणित के इतिहास की सबसे प्रसिद्ध पुस्तकों में गिनी जाती है।

2. बीजगणित का विकास

भास्कराचार्य ने बीजगणित के अनेक कठिन प्रश्नों का समाधान प्रस्तुत किया। उन्होंने रैखिक और द्विघात समीकरणों के हल तथा अनिश्चित समीकरणों पर महत्वपूर्ण कार्य किया।

3. चक्रवाल विधि

उन्होंने बड़ी संख्याओं से जुड़े कुछ जटिल अनिश्चित समीकरणों को हल करने के लिए चक्रवाल विधि विकसित की। इसे मध्यकालीन भारत की सबसे उन्नत गणितीय उपलब्धियों में गिना जाता है।

4. कलन की प्रारंभिक अवधारणाएँ

भास्कराचार्य ने परिवर्तन की गति और तात्कालिक परिवर्तन जैसे विचारों पर चर्चा की। कई इतिहासकार मानते हैं कि उनके कार्यों में कलन से मिलती-जुलती प्रारंभिक अवधारणाओं के संकेत मिलते हैं, हालांकि आधुनिक कलन का औपचारिक विकास बाद में यूरोप में हुआ।

5. शून्य और अनंत पर विचार

उन्होंने शून्य (0) और अनंत से संबंधित गणितीय विचारों पर भी चर्चा की और इनके गुणों को समझाने का प्रयास किया।

भास्कराचार्य की प्रमुख रचनाएँ

- लीलावती
- बीजगणित
- ग्रहगणित
- गोलाध्याय

ये चारों मिलकर सिद्धांत शिरोमणि के भाग हैं।

भास्कराचार्य केवल एक महान गणितज्ञ नहीं, बल्कि दूरदर्शी वैज्ञानिक भी थे। उन्होंने भारतीय गणित को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया और यह सिद्ध किया कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती। उनकी रचनाएँ आज भी छात्रों, शोधकर्ताओं और गणित प्रेमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

क्या गणित की भी कोई भाषा होती है?

जब हम भाषा की बात करते हैं तो हमारे मन में हिंदी, अंग्रेज़ी या संस्कृत जैसी भाषाएँ आती हैं, लेकिन वास्तव में गणित की भी अपनी एक भाषा होती है। यह भाषा शब्दों की नहीं, बल्कि संख्याओं, चिन्हों, सूत्रों और तर्क की होती है। जोड़, घटाव, गुणा, भाग और बराबर जैसे प्रतीक दुनिया के लगभग हर देश में एक ही अर्थ रखते हैं। यही कारण है कि गणित को सार्वभौमिक भाषा कहा जाता है।

गणित की भाषा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे समझने के लिए किसी विशेष बोली या देश की आवश्यकता नहीं होती। यदि भारत का कोई छात्र 2 धन 3 बराबर 5 लिखेगा तो जापान, अमेरिका या किसी भी अन्य देश का छात्र उसका अर्थ आसानी से समझ सकता है। यही वजह है कि दुनिया भर के वैज्ञानिक, इंजीनियर और शोधकर्ता गणित की मदद से अपने विचार साझा करते हैं। आज के समय में गणित की भाषा हमारे जीवन के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देती है। मोबाइल फेन, कंप्यूटर, इंटरनेट, बैंकिंग, मौसम का पूर्वानुमान, अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे आधुनिक क्षेत्रों की नींव गणित पर ही टिकी है। कंप्यूटर भी अंततः गणितीय नियमों के आधार पर ही काम करते हैं। गणित की भाषा सीखना केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए नहीं, बल्कि सही ढंग से सोचने और समस्याओं का समाधान खोजने के लिए भी आवश्यक है।

क्या अच्छी फोटो का राज सही अनुपात में छिपा है? जानिए फोटोग्राफी का गणित

जब हम किसी खूबसूरत तस्वीर को देखते हैं तो अक्सर उसकी रोशनी, रंग या कैमरे की तारीफ करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि एक अच्छी फोटो का सबसे बड़ा राज़ उसका सही अनुपात यानि रेसियो और संतुलित कंपोज़िशन भी हो सकता है? यही कारण है कि पेशेवर फोटोग्राफर तस्वीर लेते समय केवल कैमरे पर नहीं, बल्कि गणित पर भी ध्यान देते हैं।

अनुपात का क्या महत्व है?

फोटोग्राफी में अनुपात का अर्थ है, तस्वीर के विभिन्न भागों का संतुलित आकार और उनका सही स्थान। जब किसी फोटो में विषय, पृष्ठभूमि और खाली स्थान या स्पेस संतुलित होते हैं, तो तस्वीर अधिक आकर्षक लगती है।

रूल ऑफ थर्ड्स का गणित

फोटोग्राफी का सबसे लोकप्रिय नियम रूल ऑफ थर्ड्स है। इसमें तस्वीर को दो क्षैतिज और दो ऊर्ध्वाधर रेखाओं से नौ बराबर भागों में बाँटा जाता है। यदि मुख्य विषय इन रेखाओं या उनके मिलने वाले बिंदुओं के पास रखा जाए, तो तस्वीर अधिक प्रभावशाली दिखाई देती है।

आस्पेक्ट रेशियो क्या है?

मोबाइल और कैमरे में अलग-अलग आकार की तस्वीरें मिलती हैं, जैसे, सोशल मीडिया पोस्ट के लिए एक अनुपात एक, अधिकांश स्मार्टफोन कैमरों का सामान्य अनुपात चार अनुपात तीन होता है। वाइड स्क्रीन फोटो और वीडियो के लिए 16 अनुपात 9 का आस्पेक्ट रेशियो होना चाहिए। हर अनुपात का अपना उपयोग है और यह तय करता है कि तस्वीर कितनी चौड़ी या लंबी दिखाई देगी।

मोबाइल फोटोग्राफी में गणित

आज अधिकांश स्मार्टफोन कैमरों में ग्रिड का विकल्प होता है। यह ग्रिड आपको रूल ऑफ थर्ड्स के अनुसार विषय को सही स्थान पर रखने में मदद करता है। इसलिए मोबाइल से भी बेहतरीन तस्वीरें ली जा सकती हैं।

क्या केवल अनुपात ही काफी है?

नहीं। एक शानदार फोटो के लिए कई बातें महत्वपूर्ण होती हैं जैसे सही रोशनी, स्पष्ट फोकस,उचित एंगल, संतुलित बैकग्राउंड, सही टाइमिंग और कम्पोजिशन यानि उचित अनुपात। इन सभी का मेल ही तस्वीर को प्रभावशाली बनाता है। इसलिए अगली बार जब आप फोटो लें, तो कैमरे के साथ-साथ गणित पर भी थोड़ा ध्यान दें।

रात के अँधेरे में सराफा व्यापारी से बन्दूक की नोक पर लूट...!

छीनाझपटी, फायरिंग, फिर लाठी से जबरदस्त हमला

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

जिले की लाँजी तहसील मुख्यालय में बदमाशों बेखौफ आतंक देखने मिला, जहाँ रविवार रात हथियारबंद बदमाशों ने सराफा व्यापारी की कनपटी पर बंदूक सटाकर 9 लाख की डकैती की। विरोध करने पर फायरिंग भी की। सिर पर लाठियों से 7-8 बार वार किए। वही हमले के बाद व्यापारी के जमीन पर गिरते ही बदमाश सोने-चांदी के जेवरों से भरे लेकर भाग गए।

लांजी पुलिस के मुताबिक, वारदात लांजी-आमगांव मार्ग की है। घायल व्यापारी की पहचान कामना ज्वेलर्स के संचालक कपिल आसटकर के रूप में हुई है। वारदात, रात करीब 8 से 9 बजे के बीच उस समय हुई, जब वह रोज की तरह दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। पीड़ित कपिल आसटकर ने बताया- वह रोजाना की तरह अपनी सराफा दुकान बंद करने के बाद सोने-चांदी के कीमती जेवर दो थैलों में रखकर बाइक से घर लौट रहे थे। उनकी दुकान पुराने पंचायत दफ्तर के पास स्थित एक कॉम्प्लेक्स में है, जबकि घर वहां से करीब 700 मीटर दूर कलार समाज के मंगल भवन के पास है। जैसे ही वह घर के पास एक मोड़ से गली की ओर मुड़े, तभी दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए करीब 8 बदमाशों ने उनका रास्ता रोक लिया। बदमाशों ने कपिल आसटकर से जेवरों से भरे दोनों थैले छीनने की कोशिश की। थैले देने से इनकार करने पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। इसके बाद एक बदमाश ने कारोबारी के सिर पर लाठी से लगातार 7 से 8 वार किए। हमले की वजह से कपिल आसटकर अपनी बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े। उनके गिरते ही बदमाशों ने सोने-चांदी के जेवरों से भरे दोनों थैले छीन लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी बदमाश 2 बाइक से आमगांव रोड की ओर फरार हो गए। छीने गए दोनों थैलों में सोने और चांदी के जेवर रखे थे, जिनकी कीमत करीब 9 लाख रुपए बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल कपिल आसटकर को तुरंत सिविल अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें गोंदिया रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि वारदात के समय पूरे इलाके की बिजली गुल थी। अंधेरे का फायदा उठाकर बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया और आसानी से मौके से फरार हो गए। वहीं घटना की सूचना मिलते ही लांजी पुलिस मौके पर पहुंची। अंधेरे में फरार हुए बदमाशों की तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास के इलाकों में उनके आने-जाने के रास्तों की भी पड़ताल कर रही है। लांजी इलाके में पहली बार हुई इस बड़ी डकैती ने पुलिस महकमे की चिंता बढ़ा दी है।

कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह से समाजसेवी विजय कुमार की सौजन्य भेंट

उमरिया के जनहित के मुद्दों पर हुई सार्थक चर्चा

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री एवं जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के मंत्री कुंवर विजय शाह से ओंकारेश्वर मंदिर परिसर में शायोप्रश के समाजसेवी विजय कुमार ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान उमरिया जिले से जुड़े जनहित के विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। भेंट के दौरान विजय कुमार ने मंत्री श्री शाह को बताया कि नव स्वदेश द्वारा जनजातीय कार्य विभाग से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों, छात्रावासों, विभागीय व्यवस्थाओं तथा आमजन से संबंधित समस्याओं को लगातार प्रमुखता से प्रकाशित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाचारों का उद्देश्य केवल समस्याओं को उजागर करना नहीं, बल्कि उनके समाधान की दिशा में प्रशासन और शासन का ध्यान आकर्षित करना भी है। मंत्री श्री विजय शाह ने चर्चा के दौरान सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और कहा कि जनजातीय कार्य विभाग से जुड़े जनहित के मामलों पर आवश्यक ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता तथा जनसमस्याओं के निराकरण के लिए प्राप्त सुझावों और तथ्यों का परीक्षण कराया जाएगा। इस अवसर पर उमरिया जिले में शिक्षा, छात्रावासों की व्यवस्थाओं, जनजातीय समाज के विकास तथा अन्य जनकल्याणकारी विषयों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। विजय कुमार ने आशा व्यक्त की कि शासन स्तर पर इन मुद्दों पर आवश्यक पहल होने से जिले के लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

खाद के बढ़े दामों पर किसानों का फूटा आक्रोश

सालेटेका सोसायटी में किसानो का प्रदर्शन

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

जिले की सालेटेका सहकारी सोसायटी में किसानों ने खाद की बढ़ती कीमतों के विरोध में प्रदर्शन किया। किसान गर्जना संगठन के बैनर तले एकत्रित किसानों ने सरकार से खाद के दाम कम करने और किसानों को राहत देने की मांग की। इस दौरान सोसायटी प्रबंधन को ज्ञापन भी सौंपा गया। खरीफ सीजन के बीच खाद की बढ़ती कीमतों को लेकर किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इसी के विरोध में सालेटेका सहकारी सोसायटी में किसान गर्जना संगठन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान एकत्रित हुए। किसानों ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि खाद, बीज और कृषि सामग्री के लगातार महंगे होने से खेती की लागत बढ़ गई है, जबकि फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलने से किसान आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने सरकार से खाद के बढ़े हुए दाम तत्काल वापस लेने और किसानों के हित में ठोस निर्णय लेने की मांग की। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो जिलेभर की सहकारी समितियों और तहसील मुख्यालयों पर चरणबद्ध आंदोलन तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के बाद किसानों ने अपनी मांगों का ज्ञापन सोसायटी प्रबंधन को सौंपकर सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने की अपील की।

बांधवगढ टाईगर रिजर्व में 560 कुत्तों को लगा टीका

उमरिया (स्वतंत्रमत)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व (बीटीआर) में बाघों और अन्य वन्यजीवों को संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए श्वानों का विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अब तक 560 पालतू और आवारा कुत्तों का टीकाकरण किया जा चुका है। यह अभियान टाइगर रिजर्व के कोर एरिया से दो किलोमीटर के दायरे में रहने वाले श्वानों पर केंद्रित है। टीकाकरण से कुत्तों को रैबीज सहित कुल 10 संक्रामक बीमारियों से सुरक्षा मिल रही है, जिससे वन्यजीवों तक संक्रमण फैलने का खतरा कम होगा।15 जून से शुरू हुए इस अभियान के संचालन के लिए बीटीआर की 10 सदस्यीय टीम को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में कुल 1500 श्वानों को टीकाकरण के लिए चिंहित किया गया है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के नोडल अधिकारी सचिन सिंह ने बताया कि बाघों और अन्य वन्यजीवों को संक्रामक रोगों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

बांधवगढ़ में 3 वर्षीय टाइगर का रेस्क्यू बाद में इलाज के बाद जंगल छोड़ा गया

उमरिया (स्वतंत्रमत)

रविवार 28 जून को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर परिक्षेत्र की बिरुहली बीट में घायल मिले एक करीब 3 वर्षीय नर बाघ का वन विभाग ने समय रहते सफल उपचार कर उसे दोबारा सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। इस पूरे अभियान में वन अमले और विशेषज्ञ चिकित्सकों की तत्परता ने एक बेशकीमती वन्यजीव की जान बचा ली।रविवार को गश्ती दल ने बाघ के एक पैर में चोट होने की सूचना दी थी।इसके बाद हाथियों और वनकर्मियों की टीम ने लगातार उसकी निगरानी की।क्षेत्र संचालक डॉ अनुपम सहाय के निर्देशन एवं उप संचालक के मार्गदर्शन में सोमवार सुबह वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश तोमर और उनकी टीम ने बाघ की सफल ट्रैकिंग की।बाघ को सुरक्षित तरीके से ट्रैंकुलाइज कर उसका उपचार किया गया।इस दौरान आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण के साथ ब्लड सैंपल भी लिया गया।उपचार पूरा होने के बाद बाघ को उसी वन क्षेत्र में सुरक्षित छोड़ दिया गया।पूरे अभियान के दौरान उप संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व,सहायक संचालक ताला,परिक्षेत्र अधिकारी पनपथा बफर,टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स के श्रमिक एवं वन विभाग का अमला मौजूद रहा।उपचार के बाद भी श्याम और लक्ष्मण हाथियों तथा वन अमले की टीम बाघ की लगातार निगरानी कर रही है।

अवैध रेत परिवहन पर खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई, दो ट्रैक्टर जब्त

बालाघाट। जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से खनिज विभाग द्वारा रविवार को तहसील तिरोड़ी क्षेत्र में छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान ग्राम बोनकट्टा के समीप अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टरों को पकड़ा गया। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि खनिज विभाग की टीम ने ट्रैक्टर क्रमांक स्क्क50ॣ-3244, जिसे चालक सुरेश राऊत चला रहा था, तथा ट्रैक्टर क्रमांक स्क्क22ॣ-क्क-4996, जिसे चालक अभय उइके चला रहा था, को अवैध रूप से रेत का उत्खनन एवं परिवहन करते हुए पाया। दोनों वाहनों को आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस थाना कटंगी की अभिरक्षा में रखा गया है। वाहन चालकों ने पूछताछ में बताया कि रेत ग्राम बम्हनी से भरकर विक्रय के उद्देश्य से लाई जा रही थी। मामले में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह ने 72 कन्याओं का किया कन्यादान

मानपुर (स्वतंत्रमत)

गरीब परिवार के कन्या विवाह वाले चिंता को दूर करने वाला मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना वरदान स्वरूप बन चुका है। जिस परिवार के घर में एक से ज्यादा कन्याओं का जन्म होता था वह परिवार चिंतित रहने लगता था, ऐसे परिवार के लोग कन्या विवाह के खर्च वाले चिंता से कन्याओं को बोछ समझने लगते थे, वहीं मध्य प्रदेश सरकार ने जब से मुख्य मंत्री कन्या विवाह योजना के तहत गरीब कन्याओं का विवाह एवं निकाह करने लगी तब से गरीब कन्याओं का सम्मान तेजी से बढ़ने लगा। सोमवार 29 जून को मानपुर में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि मानपुर विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री सुश्री मीना सिंह द्वारा श्री गणेश मूर्ति जी के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित एवं कन्या पूजन के बाद किया गया। वहीं सुश्री विधायक ने दिनांक 29 जून सोमवार को 72 कन्याओं का दान किया, जिससे क्षेत्रीय जंता और वर वधु के जोड़ी के सांथ उनके परिवार रिश्तेदारों नें क्षेत्रीय विधायक एवं बीजेपी सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किये। इस कन्या विवाह कार्यक्रम के अच्छे ब्यवस्था रहने से लोगों ने खूब सराहना की। अपने उदबोधन में मानपुर नगर अध्यक्ष श्रीमती भारती सोनी एवं मानपुर जनपद के अध्यक्ष श्रीमती मनता सिंह ने कार्यक्रम में पहुंचे समस्त अतिथि वर वधु और जन्ताओं का स्वागत वंदन ज्ञापित किये, वहीं उमरिया जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनूजा पटेल ने क्षेत्र में बढ़ते विकास को लेकर मानपुर विधायक, बीजेपी सरकार और क्षेत्रीय जन्ताओं का खूब सराहना करते हुये धन्यवाद ज्ञापित किये। डवल इंजन वाले बीजेपी सरकार द्वारा चलाये जा रहे सैकड़ों योजनाओं से अवगत करवाते हुये मुख्य अतिथि सुश्री मीना सिंह ने वर्तमान सरकार और क्षेत्रीय लोगों को धन्यवाद दिये। विधायक जी ने कहा कि लम्बे कार्य काल के समय में कांग्रेस की सरकार ने बहुत कम विकास किया है जो मौके पर आज कहीं नहीं दिख रहाहै, उस समय शिक्षा, ब्यापार, रोजगार, कृषि फसल उत्पादन, उद्योग एवं शास्कीय भवनों के निर्माण, संचालित शास्कीय योजना बहुत पीछे था, जब कि अपने कार्यकाल के समय में बीजेपी सरकार द्वारा बहुत विकास कार्य करवाये गये हैं जो सभी जगह दिख रहा है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह सम्मेलन करकेली में 86 जोड़े एक दूसरे के हुए

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना के तहत करकेली जनपद पंचायत मे कार्यक्रम संपन्न हुआ। करकेली जनपद पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में 86 जोड़ो ने एक दूसरे के साथ सात फेरे लेकर जीने मरनें की कसमें खाई। करकेली में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक बांधवगढ शिवनारायण सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी और अनूठी योजनाओं में से एक है। इस योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक और धूमधाम से कराया जा रहा है। योजना के अंतर्गत जहां एक ओर सामूहिक विवाह समारोह के माध्यम से बेटियों का नया जीवन शुरू होता है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाती है।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के त्वरित निराकरण पर कलेक्टर सख्त

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को समयावधि (टीएल) प्रकरणों की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में प्रशासनिक कार्यों की प्रगति, जनहित से जुड़े मामलों तथा विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी शिकायतों का समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि सीएम हेल्पलाइन की कोई भी शिकायत च्नॉट अटेंडेडज्ज की स्थिति में नहीं रहनी चाहिए। यदि किसी अधिकारी की लापरवाही के कारण शिकायत नॉट अटेंडेड पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी का एक दिन का वेतन काटकर रेडक्रॉस सोसायटी के खाते में जमा कराया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में वर्षाकाल के दौरान संभावित जलजनित बीमारियों की रोकथाम को प्राथमिकता देते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल स्रोतों की नियमित निगरानी और शुद्धिकरण सुनिश्चित किया जाए। सभी हैंडपंपों एवं कुओं में समय-समय पर क्लोरीनेशन कराया जाए तथा आवश्यकतानुसार पोटाश का उपयोग किया जाए, ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके और डायरिया सहित अन्य जलजनित बीमारियों की रोकथाम की जा सके। कलेक्टर ने कहा कि मानसून के दौरान पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। संबंधित विभाग पूरी सतर्कता के साथ कार्य करें और जहां भी दूषित पेयजल की संभावना हो, वहां तत्काल प्रभाव से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में विभिन्न विभागों के समय-सीमा संबंधी प्रकरणों की भी विभागवार समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं, लंबित प्रकरणों एवं जनकल्याणकारी कार्यों का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी विभाग नियमित रूप से अपने कार्यों की समीक्षा कर जनता से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें, ताकि आम नागरिकों को शासन की सेवाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके।

1 वोट से कैलाश चंद नामदेव बने नामदेव समाज संगठन के अध्यक्ष

उमरिया (स्वतंत्रमत)

श्री विट्ठल नामदेव समाज संगठन, जिला उमरिया के अध्यक्ष पद का निर्वाचन रविवार 28 जून को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस (स्टेडियम के समीप) में शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक वातावरण में संपन्न हुआ। अध्यक्ष पद के लिए कैलाश चंद नामदेव एवं कन्हैया लाल नामदेव के बीच सीधा मुकाबला हुआ। निर्वाचन में कुल 63 सदस्यों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना के बाद कैलाश चंद नामदेव को 32 मत तथा कन्हैया लाल नामदेव को 31 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार कैलाश चंद नामदेव ने मात्र एक मत के अंतर से विजय प्राप्त कर श्री विट्ठल नामदेव समाज संगठन, जिला उमरिया के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। इस निर्वाचन में उमरिया जिले के कोने-कोने से नामदेव समाज के स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में शामिल हुए। मानपुर, बिरसिंहपुर पाली, नौरोजाबाद, करकेली, चंदिया सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से समाजजनों ने पहुंचकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सहभागिता निभाई, जिससे निर्वाचन उत्साहपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। परिणाम घोषित होने के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष कैलाश चंद नामदेव ने समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ष्मैं समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलूँगा तथा समाज के उत्थान, विकास, संगठन की मजबूती और सामाजिक हित के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दूँगा। समाज में एकता, भाईचारा और पारदर्शिता बनाए रखते हुए सभी के सहयोग से संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का प्रयास करूंगा। परिणाम घोषित होते ही उपस्थित समाजजनों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष का पुष्पमालाओं से स्वागत कर शुभकामनाएँ दीं। निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई तथा सभी सदस्यों ने लोकतांत्रिक परंपरा का सम्मान करते हुए निर्वाचन परिणाम का स्वागत किया।

न्यायालय तहसीलदार परसवाड़ा

ईश्तहार

रा.प्र.क.00445-1544. वर्ष 2026-27
मौजा मजगांव प.ह. नं. 34

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जानता ग्राम हर्राभाट तहसील परसवाड़ा, जिला बालाघाट को सूचित किया जाता है कि आवेदक सियाराम आ शोभाराम जाति गोड निवासी ग्राम हर्राभाट तहसील परसवाड़ा, जिला बालाघाट ने अपने पुत्र/पुत्री/पिता/पति चमरे बाई पिता/पति शोभाराम की दिनांक 26/06/2018 के मां संबंध घटना का ग्राम पंचायत हर्राभाट में रजिस्ट्रीकरण नही होने से की प्रविष्टि ग्राम पंचायत हर्राभाट में दर्ज कर मृत्य-प्रमाण पत्र मिलने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति विशेष को आपत्ति / दावा प्रस्तुत करना हो तो नियत दिनांक तक मेरे न्यायलय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अपने अधिकर्ता के माध्यम से नियत आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत समयावधि के प्रश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया है।

तहसीलदार
परसवाड़ा

138 मास्टर वॉलंटियर्स को प्रशिक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग मध्यप्रदेश द्वारा वाल्मी भोपाल के माध्यम से नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय मास्टर वॉलंटियर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं से आए 138 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपसंचालक रोहित बड़कुल ने किया। उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों एवं नशामुक्ति के लिए समाज की सहभागिता पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को नशे से दूर रखने का आह्वान किया। प्रशिक्षण में राज्य स्तरीय प्रशिक्षक राजीव तिवारी एवं वाल्मी, भोपाल के समन्वयक विजय कुमार गुप्ता ने नशे की रोकथाम, जनजागरूकता प्रभावी प्रचार-प्रसार तथा मास्टर वॉलंटियर्स की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी।

रात्रि चौपाल में दी जानकारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार संचालित सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी नैनपुर मनीष राज एवं थाना प्रभारी खटिया निरीक्षक भानु प्रताप सिंह भवेदी के नेतृत्व में ग्राम इन्द्री में रात्रि चौपाल आयोजित कर साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम संपन्न किया गया कार्यक्रम में सरपंच, पंच, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों को वर्तमान समय में बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट, फर्जी लिंक, साइबर फ्रॉड एवं बैंकिंग धोखाधड़ी, निवेश एवं लोन फ्रॉड सोशल मीडिया ठगी तथा अन्य साइबर अपराधों के संबंध में जानकारी दी।

करंट से गाय की मौत

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। मोहगांव क्षेत्र में विद्युत विभाग की लापरवाही का मामला सामने आया है ग्रामीणों के अनुसार खुले या दोषपूर्ण विद्युत खंभा में करंट आने से एक गाय की मौत हो गई घटना के बाद स्थानीय लोगों ने संबंधित विद्युत विभाग के अधिकारियों को कई बार फोन कर सूचना देने का प्रयास किया लेकिन आरोप है कि किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने फोन नहीं उठाया ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर विभाग की ओर से कार्यवाही की जाती तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता था घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है और उन्होंने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तथा पशु मालिक को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

सप्त ऋषिराजों का मंगल प्रवेश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। लघु तीर्थ क्षेत्रव्रती नगरी पिंडरई में संत शिरोमणि आचार्य भगवन श्री विद्यासागर के परम प्रभावी शिष्य एवं विद्या शिरोमणि आचार्य महाराज श्री समय सागर के आज्ञानुवर्ती मुनिराज,पाठशाला प्रणेता मुनि निर्वेग सागर महाराज ससंघ का प्रथम बार लघु तीर्थ क्षेत्र व्रती नगरी पिंडरई हुआ भव्य मंगल प्रवेश परम सौभाग्य से व्रती नगरी में प्रथम बार एक साथ सप्त ऋषिराजों का शुभ आगमन हुआ सकल दिगम्बर जैन समाज बड़े हर्षोल्लास के साथ मुनि संघ की आगवानी में शामिल हुई नगर के जिनालयों की वंदना के उपरांत पूज्य मुनि श्री निर्वेग सागर की मंगल देशना का लाभ समस्त धर्म प्रेमी बंधुओं को प्राप्त हुआ।

पोलियो अभियान का शुभारंभ

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ विनोद कछवाहा नगर पालिका अध्यक्ष एवं शाश्वत मीणा सीईओ जिला पंचायत के द्वारा 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियों की दवा पिलाकर किया गया जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. वायके झारिया ने जानकारी दी कि नन्हे मुन्ने 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियों की दो बूंद दवा पिलाई जा रही है। दूसरे एवं तीसरे दिवस कार्ययोजना के अनुसार टीम घर-घर जाकर छूटें बच्चों को दवा पिलाकर मार्किंग की जावेगी राष्ट्रीय पल्स पोलियों अभियान के अंतर्गत राज्य द्वारा जिलें में कुल 110615 बच्चों का लक्ष्य निर्धारित किया गया। जिसमें कुल 1289 टीम, बी टाईप 295 टीम एवं सी टाईप 994 टीम का गठन किया गया है।

मरीजों की जेब पर पड़ रहा बोझ, अस्पताल की दवा व्यवस्था और अधिकारियों की भूमिका पर उठे प्रश्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भुआ बिछिया की दवा वितरण व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। क्षेत्र के नागरिकों मरीजों और स्थानीय सूत्रों द्वारा लगाए गए आरोपों ने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को यह कहकर लौटा दिया जाता है कि संबंधित दवा अस्पताल में उपलब्ध नहीं है जबकि उन्हें निजी मेडिकल दुकान से दवा खरीदने की सलाह दी जाती है। यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो यह न केवल सरकारी व्यवस्था की विफलता है बल्कि गरीब मरीजों के अधिकारों पर सीधा प्रहार भी माना जाएगा सरकारी अस्पतालों का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क उपचार एवं दवाएं उपलब्ध कराना है लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भुआ बिछिया अस्पताल में कथित रूप से इसके विपरीत स्थिति देखने को मिल रही है। मरीजों को अस्पताल से पर्ची मिलने के बाद सरकारी दवा काउंटर पर दवा नहीं मिलने की बात कही जाती है और फिर उन्हें मेडिकल दुकान का रास्ता दिखाया जाता है मजबूरी में मरीजों को बाजार से महंगी कीमत पर दवाएं खरीदनी पड़ती हैं सबसे अधिक परेशानी उन परिवारों को हो रही है जिनकी आर्थिक स्थिति पहले से कमजोर है और जिनके लिए सरकारी अस्पताल ही उपचार का एकमात्र सहारा है स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह कोई एक-दो दिन की बात नहीं बल्कि लंबे समय से चल रही व्यवस्था है। चर्चा यह भी है कि जिस निजी मेडिकल दुकान से मरीजों को दवा लेने के लिए भेजा जाता है उसके संचालक की अस्पताल परिसर में लगातार मौजूदगी रहती है। सूत्रों के अनुसार पूरे मामले में खंड चिकित्सा अधिकारी की भूमिका को लेकर भी क्षेत्र में सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि बिना प्रशासनिक संरक्षण के इस तरह की व्यवस्था लंबे समय तक चल पाना संभव नहीं है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है लेकिन लगातार सामने आ रही शिकायतों ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर संदेह जरूर पैदा कर दिया है सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि शासन द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली आवश्यक दवाएं अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में मौजूद हैं तो फिर मरीजों को निजी मेडिकल दुकानों की ओर क्यों भेजा जा रहा है? और यदि वास्तव में दवाओं का स्टॉक समाप्त हो चुका है तो उसकी जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की गई? क्या समय पर दवाओं की मांग नहीं भेजी गई? क्या दवाओं के वितरण में कोई अनियमितता हुई? इन तमाम सवालों का जवाब स्वास्थ्य विभाग को देना होगा प्रत्येक सरकारी अस्पताल में दवाओं के स्टॉक का पूरा रिकॉर्ड संधारित किया जाता है। कौन-सी दवा कितनी मात्रा में प्राप्त हुई कितनी मरीजों को वितरित की गई और कितनी शेष है इसका स्पष्ट लेखा-जोखा उपलब्ध रहता है। ऐसे में यदि शिकायतें सामने आ रही हैं तो संबंधित रिकॉर्ड की जांच से सच्चाई आसानी से सामने आ सकती है सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले अधिकांश मरीज किसान मजदूर आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से जुड़े होते हैं। ऐसे परिवार निजी मेडिकल दुकानों से महंगी दवाएं खरीदने में सक्षम नहीं होते। कई बार मरीज पैसे के अभाव में पूरी दवा तक नहीं खरीद पाते जिससे उनका उपचार प्रभावित होता है और बीमारी गंभीर रूप ले सकती है। यह स्थिति सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के मूल उद्देश्य के विपरीत है नागरिकों ने मांग की है कि पूरे मामले की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। जांच के दौरान अस्पताल में उपलब्ध दवाओं के स्टॉक रजिस्टर वितरण रजिस्टर मरीजों के पर्चे दवा उपलब्धता की वास्तविक स्थिति तथा संबंधित कर्मचारियों एवं अधिकारियों के बयान दर्ज किए जाएं साथ ही यह भी जांच हो कि मरीजों को किसी विशेष निजी मेडिकल दुकान की ओर भेजने के पीछे कोई आर्थिक या अन्य प्रकार का हित तो नहीं जुड़ा है बिछिया क्षेत्र के लोगों का स्पष्ट कहना है कि सरकारी अस्पताल किसी व्यक्ति विशेष या निजी व्यापार का माध्यम नहीं बल्कि जनता की सेवा का केंद्र हैं। यदि गरीब मरीजों को उनके अधिकार की नि:शुल्क दवाएं नहीं मिल रहीं और उन्हें निजी दुकानों पर निर्भर होना पड़ रहा है, तो यह अत्यंत गंभीर विषय है। अब लोगों की निगाहें स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों पर टिकी हैं कि वे इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और जांच के बाद वास्तविक दोषियों तक पहुंचकर क्या कार्यवाही करते हैं।

अपराध समीक्षा बैठक में अवैध गतिविधियों पर जीरो टॉलरेंस के निर्देश

मण्डला(स्वतंत्रमत)

पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी द्वारा मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कानून-व्यवस्था अपराध नियंत्रण महिला सुरक्षा डिजिटल पुलिसिंग एवं जनसहयोग आधारित पुलिसिंग की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। लंबित अपराधों के शीघ्र निराकरण पर विशेष जोर बैठक में लंबित महिला प्रकरण, गंभीर अपराध लंबित विवेचना लंबित चालान फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, एफएसएल रिपोर्ट राहत प्रकरण एवं अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की गई। सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को समय-सीमा मे विवेचना एवं शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। महिला अपराध एवं पॉक्सो अधिनियम के मामलों का 60 दिवस के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। डिजिटल बीट प्रणाली एवं तकनीक आधारित पुलिसिंग को मिलेगा नया विस्तार पुलिस अधीक्षक ने डिजिटल बीट प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करने, प्रत्येक बीट आरक्षक के पास बीट क्षेत्र का डिजिटल डेटा उपलब्ध रखने तथा थाना प्रभारियों को बीट आरक्षकों का नियमित प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिकायतों के त्वरित निराकरण, डिजिटल चालान एवं न्यायालयों से ऑनलाइन समन्वय को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। जनमित्र पुलिसिंग एवं टीम वर्क को मजबूत बनाने के निर्देश बीट स्तर पर जनमित्र अवधारणा, स्थानीय जनसहयोग को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रत्येक थाना प्रभारी अपने पूरे स्टाफ विशेषकर बीट आरक्षकों को प्रत्येक अभियान एवं अपराध नियंत्रण की कार्यवाही में सक्रिय रूप से सहभागी बनाए, जिससे सूचना तंत्र और पुलिस की कार्यक्षमता दोनों सुदृढ़ हों। महिला सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता पर विशेष फोकस महिला एवं बाल अपराधों में संवेदनशील विवेचना तथा पूरे जिले में व्यापक साइबर जागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए जिससे प्रत्येक नागरिक साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक हो सके। जुआ-सट्टा अवैध शराब मादक पदार्थों के अवैध कारोबार एवं अन्य अवैध गतिविधियों पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सड़क सुरक्षा के लिए विशेष वाहन चेकिंग हेलमेट अनिवार्यता अभियान जनसहयोग से अधिकाधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराने नियमित गश्त, डायल-112 सामुदायिक पुलिसिंग एवं प्रतिबंधात्मक कार्रवाई को और प्रभावी बनाने पर बल दिया गया। वहीं उत्कृष्ट कार्य करने वाले थाना प्रभारियों का सम्मान पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना बीजाडांडी की थाना प्रभारी श्रीमती अनीता कुड़ापे एवं उनकी टीम को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशंसा-पत्र प्रदान किया गया। इस दौरान एसडीओपी मण्डला पीयूष मिश्रा, एसडीओपी बिछिया सौरभ तिवारी, एसडीओपी नैनपुर मनीष राज सहित जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारी तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जेके लक्ष्मी सीमेंट ने कराया क्रिकेट टूर्नामेंट

मण्डला(स्वतंत्र मत)

देश की अग्रणी सीमेंट कंपनी जेके लक्ष्मी सीमेंट द्वारा शहर के प्रोफेशनल इंजीनियर्स आर्किटेक्ट्स तथा डीलर्स के लिए प्रथम जेके लक्ष्मी प्रो प्लस क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शहर के क्रिकेट प्रेमी इंजीनियर्स एवं आर्किटेक्ट्स और जेके लक्ष्मी सीमेंट के डीलर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तीन मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले में डीलर्स टीम के कप्तान राहुल तपा की टीम जेके लक्ष्मी ग्रीनप्लस को इंजीनियर्स टीम के कप्तान ऋषभ सिन्हा की टीम प्रो प्लस ने जीत दर्ज की। दूसरे मुकाबले में कप्तान ऋषभ सिन्हा की टीम प्रो प्लस पर जीत दर्ज कर कप्तान राहुल तपा की टीम ने फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में कप्तान ऋषभ सिन्हा की टीम प्रो प्लस ने कप्तान राहुल तपा की टीम जेके लक्ष्मी ग्रीन प्लस को लगा तार टक्कर देकर सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में इंजीनियर आशीष विश्वकर्मा को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज चुना गया वहीं इंजीनियर ऋषभ सिन्हा को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज तथा सागर अग्रवाल को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागी इंजीनियर्स एवं डीलर्स मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। सभी टेक्नोकैट्स ने कंपनी की तारीफ करते हुए बताया की ये मण्डला का पहला और इकलौता इवेंट हैं जिसमें सब को एक साथ बहुत आनंद आया उपस्थित इंजीनियर ऋषभ सिन्हा, आशीष विश्वकर्मा, कपिल चौरसिया, कन्हैया बैरागी, तनुल चौरसिया, नोगेश ठाकुर, अजय सोनी, रोहित अग्रवाल, राजप्रकाश मंडलेकर मैच का सफल एवं रोचक संचालन स्टेट हेड सेल्स देवेन्द्र सिंह निश्चल के मार्गदर्शन में किया गया। पूरा प्रोग्राम ऑनलाइन रखा गया जिससे सभी को सही रिजल्ट सामने मिला इस अवसर पर सेल्स प्रमोटर विपिन गोयल, मुकेश अग्रवाल, राहुल तपा एवं कम्पनी के अन्य अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

तालाब भुगतान पर उठे सवाल, जांच की मांग

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जनपद पंचायत मोहगांव की ग्राम पंचायत रैयगांव के मुख्य ग्राम रैयगांव स्थित शासकीय तालाब पर कराए गए समतलीकरण कार्य में कथित अनियमितताओं का मामला सामने आया है। पंच नरबद सिंह एवं रामप्रसाद झारिया और उप सरपंच ने जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत मोहगांव को लिखित शिकायत सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पंचायत द्वारा पहले से निर्मित शासकीय तालाब पर समतलीकरण के नाम पर बेहद सीमित कार्य कराया गया। आरोप है कि तालाब से मात्र 2 से 4 ट्रॉली मिट्टी बाहर निकाली गई जबकि जेसीबी मशीन से केवल 2 से 4 घंटे तक तालाब के बीच बने गड्ढों में मिट्टी भरकर आंशिक समतलीकरण किया गया। इसके बावजूद 5 जून 2026 को एक ही दिन 61,200 और 72,000 के दो बिलों के माध्यम से कुल 1,33,200 का भुगतान कर दिया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि पंचायत प्रतिनिधियों एवं पंचों ने मौके का निरीक्षण किया जहां यह स्पष्ट हुआ कि जितनी राशि का भुगतान किया गया उसके अनुरूप कार्य धरातल पर दिखाई नहीं देता। ऐसे में सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका व्यक्त की जा रही है। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि ग्राम पंचायत रैयगांव में कई विकास कार्य बिना प्रस्ताव के कराए जाते हैं और उनके बिलों का भुगतान भी नियमों की अनदेखी कर किया जाता है। इससे पंचायत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। शिकायतकर्ताओं ने जिला कलेक्टर एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मांग की है कि तालाब समतलीकरण कार्य का तकनीकी मूल्यांकन, भौतिक सत्यापन तथा भुगतान से संबंधित दस्तावेजों की जांच कराई जाए। यदि जांच में अनियमितता सिद्ध होती है तो दोषी अधिकारियों एवं जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए ताकि सरकारी राशि के दुरुपयोग पर अंकुश लगाया जा सके। फिलहाल प्रशासन की ओर से इस शिकायत पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि तालाब समतलीकरण कार्य में वास्तव में अनियमितता हुई है या नहीं।

लगेंगे वाटर कूलर, अध्यक्ष ने किया भूमिपूजन

मण्डला/घुघरी (स्वतंत्रमत)

घुघरी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले लगभग 47 पंचायतों और 96 गांवों के ग्रामीणों के लिए एक बेहद राहत भरी खबर है अपनी दैनिक आवश्यकताओं और सामग्री की खरीदी के लिए मुख्यालय आने वाले हजारों ग्रामीणों और बस यात्रियों को अब भीषण गर्मी में प्यास बुझाने के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। जनपद अध्यक्ष श्रीमती जनिया बाई मरावी की अनूठी पहल से अब प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर शीतल पेयजल वाटर कूलर की व्यवस्था की जा रही है जिसका आज विधि-विधान से भूमिपूजन संपन्न हुआ। प्यास लगने पर लोगों को मजबूरन इधर-उधर भटकना पड़ता था या होटलों का सहारा लेना पड़ता था इस जनसमस्या को गंभीरता से लेते हुए जनपद अध्यक्ष ने पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने का बीड़ा उठाया है। बस स्टैंड परिसर त्यागी चौक बिछिया रोड जनपद पंचायत परिसर इन सभी स्थानों पर बोर खनन कराने के साथ ही ठंडे पानी के लिए आधुनिक वाटर कूलर स्थापित किए जाएंगे बता दें कि कुछ दिन पूर्व ही जनपद अध्यक्ष श्रीमती जनिया बाई मरावी एवं समस्त जनपद सदस्यों के विशेष सहयोग से बस स्टैंड परिसर में लगभग 59 लाख रुपए की लागत से फर्सीकरण का कार्य कराया गया है। इससे पहले बारिश के दिनों में बस स्टैंड पर भारी कीचड़ और जल भराव के कारण यात्रियों को परेशानी होती थी। भूमिपूजन कार्यक्रम में जनपद उपाध्यक्ष सिहारे करचाम, जनपद सदस्य श्रीमती पुष्पा झरिया, सरपंच श्रीमती यशोदा मरावी, उपसरपंच दुर्गेश चौकसे तथा सचिव शिवकुमार बैरागी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सदगुरु कबीर का प्राकट्य उत्सव नैनपुर में धूमधाम से मनाया

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

संत सम्राट सद्गुरु कबीर साहेब का प्राकट्य दिवस नैनपुर नगर में बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नैनपुर नगर के कबीरपंथी अवधवाल समाज के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में सदगुरु कबीर साहब का प्रकट उत्सव पर श्रद्धा और भक्ति भाव से अनुयायी शामिल हुए। नगर के वार्ड क्रमांक 3 स्थित सत्संग भवन से प्रात: 9 बजे विशाल शोभायात्रा शुरू हुई जो कि नगर के प्रमुख मार्गो से सदगुरु कबीर साहेब के नारों का जयघोष करते हुए एवं प्रसाद वितरण के साथ, सत्संग भवन में संपन्न हुई। नगर के मुख्य मार्ग में विशाल भंडारा प्रसाद वितरण श्री कबीर नवयुवक मंडल के द्वारा किया गया। द्वितीय सत्र में महिला मंडल की सदस्यों द्वारा आरती, पूजन, गुरु महिमा पाठ, पूनम पाठ, सत्संग, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। तत्पश्चात भोजन भंडारा का प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर विजय अवधवाल ,ओमप्रकाश अवधवाल,पूनम चंद अवध वाल, प्रहलाद अवधवाल, उमेश अवधवाल,सुभाष गुप्ता, कमल गुप्ता,मंजू प्रसाद अवधिया,संतोष अवधवाल, राजेश अवधिया, सुरेश अवधवाल, मुलाम अवधवाल,महेश अवधवाल,सुनील अवधवाल, कृष्णा अवधवाल, संजय अवधवाल, सुभाष अवधवाल,अरविन्द अवधवाल पिंडरई, नरेश अवधिया केवलारी,श्री कबीर नवयुवक मंडल नैनपुर एवं महिला सत्संग मंडल के सदस्यों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

संपादकीय

कैसे तय हो नागरिकता

जीवन के किसी मोड़ पर आप को कहा जाए कि 'भारतीयता' साबित करो, तो आप क्या करेंगे? असमर्थ और असहाय महसूस करेंगे, क्योंकि यह बेहद पेचीदा मामला बन गया है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि पासपोर्ट महज एक यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं है। यह व्यवस्था 1967 से जारी है, जब पासपोर्ट कानून बनाया गया था। सर्वोच्च अदालत भी 2006 और 2013 में दो महत्वपूर्ण फैसले सुना चुकी है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं है। 2013 में ही बंबई उच्च न्यायालय भी ऐसा ही फैसला सुना चुका है। तत्कालीन मनमोहन सरकार ने भी उच्च न्यायालय में हलफनामा देकर स्पष्ट किया था कि पासपोर्ट नागरिकता का दस्तावेज नहीं है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया चूंकि विशेष परिस्थितियों में पासपोर्ट गैर-भारतीय को भी जारी किया जाता रहा है, लिहाजा इसे नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। सवाल है कि पासपोर्ट के कवर पर 'भारतीय गणराज्य' अंकित होता है और शेष विश्व में उस दस्तावेज का धारक 'भारतीय' माना जाता है। उसकी पहचान 'भारतीय' के तौर पर होती है। फिर पासपोर्ट नागरिकता का आधार क्यों नहीं है? 'गैर-भारतीय' के पासपोर्ट पर उसकी नागरिकता का उल्लेख किया जाता है।

बहरहाल पासपोर्ट की बहस यहीं रोक देते हैं, लेकिन करीब 134 करोड़ देशवासियों के पास 'आधार कार्ड' हैं। 97 करोड़ से अधिक देशवासियों को 'मतदाता पहचानपत्र' जारी किए गए हैं। देश का नागरिक ही मतदाता बन सकता है, लिहाजा मतदाता पहचानपत्र परोक्ष रूप से नागरिकता की पुष्टि करता है। करोड़ों भारतीयों के पास राशन कार्ड, पैनकार्ड, भूमि स्वामित्व के दस्तावेज और जन्म प्रमाणपत्र हैं। ये तमाम दस्तावेज सरकारी हैं और सरकारी विभागों ने ही जारी किए हैं। इन्हीं के आधार पर सरकारें 81.35 करोड़ लोगों को 5 किलो मुफ्त राशन हर माह बांटती हैं। क्या विदेशियों को यह राशन बांटा जा रहा है? 'आधार कार्ड' की मांग भी सर्वाधिक है, क्योंकि यह धारक की पहचान का प्रमाणपत्र है, लेकिन सरकार इसे भी नागरिकता का आधार नहीं मानती। 'आधार कार्ड' धारक की पहचान के मायने क्या हैं? धारक का नाम, पिता/पति का नाम, जन्मतिथि, संपर्क-सूत्र और बेहद संवेदनशील बॉयोमीट्रिक डाटा इस कार्ड में निहित है। ऐसी पहचान का व्यक्ति 'भारतीय' क्यों नहीं है? आश्चर्य है मोदी सरकार की इन व्यवस्थाओं पर..! आखिर इतने सरकारी कार्ड, दस्तावेजों का औचित्य क्या है? गंभीर और संवेदनशील सवाल है कि औसत भारतीय अपनी नागरिकता किस आधार पर साबित करे? यदि मोदी सरकार देश में 'नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन' यानि एनआरसी की व्यवस्था लागू करना चाहती है और उसे मानक नागरिकता दस्तावेज की मान्यता देना चाहती है, तो स्पष्ट करे। बहानों और बेजा दलीलों की आड़ में छिप कर 147 करोड़ से अधिक 'भारतीयों' की नागरिकता पर सवाल उठाना न तो राष्ट्रवाद है और न ही देशहित में है। एनआरसी की व्यवस्था 1952 से शुरू की गई थी, संविधान में भी प्रावधान है, लेकिन आज तक यह व्यवस्था देश भर में लागू नहीं हो सकी। नागरिकता कानून भी 1955 का है, लेकिन उसमें भी 2003, 2015, 2019 और 2025 में संशोधन किए गए। तमाम संशोधन भाजपा-एनडीए की सरकार के दौरान किए गए। इसके बावजूद सरकार नागरिकता के मानक आधार तय नहीं कर पाई।

भारत में निर्वासन का जीवन बिता रहीं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री

'मौत से नहीं डरती', कह कर बांग्लादेश लौटने का ऐलान करने वाली शेख हसीना ने ढाका की राजनीति में खड़ा किया तूफान

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारत में निर्वासन का जीवन बिता रही बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भले ही यह घोषणा की हो कि वह इसी वर्ष अपने देश लौटेंगी और उन्हें मृत्यु का कोई भय नहीं है, लेकिन बांग्लादेश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियां यह संकेत दे रही हैं कि वहां उनकी प्रतीक्षा केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं बल्कि संभवतः मृत्यु भी कर रही है। वर्ष 2024 में सत्ता से बेदखल होने के बाद से उनके खिलाफ मानवता विरोधी अपराधों के कई मामले दर्ज किए गए हैं और उन्हें मृत्युदंड तक सुनाया जा चुका है। ऐसे माहौल में उनकी वापसी केवल एक राजनीतिक घटना नहीं बल्कि बांग्लादेश की सत्ता, न्याय व्यवस्था और प्रतिशोध की राजनीति की सबसे बड़ी परीक्षा बन सकती है।

हम आपको बता दें कि शेख हसीना ने अपने देश लौटने की इच्छा जताकर वहां की राजनीति में हलचल तेज कर दी है। एक साक्षात्कार में उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वह इसी वर्ष बांग्लादेश लौटने की योजना बना रही हैं। उन्होंने कहा है कि उन्हें मृत्यु का कोई भय नहीं है और उनका लौटना किसी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का नहीं, बल्कि लोकतंत्र, कानून के शासन और मुक्ति संग्राम की भावना की पुनर्स्थापना का प्रश्न है।

साथ ही शेख हसीना ने अपनी पार्टी अवामी लीग को केवल एक संगठन नहीं बल्कि एक शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों पर हमला दरअसल बांग्लादेश की स्वतंत्रता की भावना पर हमला है। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र कमजोर हो चुका है, कानून व्यवस्था समाप्त हो रही है, अर्थव्यवस्था संकट में है और उग्रवाद तेजी से फैल रहा है। उन्होंने वर्तमान तारीक रहमान नेतृत्व वाली सरकार तथा पूर्ववर्ती मोहम्मद यूनुस के अंतरिम शासन पर भी तीखा हमला बोला। उनका कहना था कि देश में आम लोगों के राजनीतिक अधिकारों का हनन हो रहा है।

शेख हसीना ने अपने ऊपर चल रहे मामलों और संभावित मृत्युदंड को भी राजनीतिक साजिश बताया। हम आपको बता दें कि उनके खिलाफ मानवता विरोधी अपराधों के कई मामले चल रहे हैं और अदालत से उन्हें मृत्युदंड की सजा भी सुनाई जा चुकी है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया अवैध, असंवैधानिक और राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में पहले भी अनेक षड्यंत्रों और हमलों का सामना किया है। वर्ष 1975 में उन्होंने अपने माता पिता, भाइयों और लगभग पूरे परिवार को खो दिया था। इसके अलावा उन पर ग्रेनेड हमला भी हुआ, लेकिन हर कठिन परिस्थिति से निकलकर वह

जनता के साथ खड़ी रहीं।

शेख हसीना के इस बयान के बाद बांग्लादेश की राजनीति में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। सत्तारुढ़ बीएनपी और विपक्षी जमात-ए-इस्लामी के नेताओं ने उनके दावों को राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश बताया है। उनका कहना है कि शेख हसीना अपने समर्थकों को सक्रिय कर वर्तमान राजनीतिक स्थिति को अस्थिर करना चाहती हैं। बीएनपी से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि सरकार को उनके बयानों से कोई चिंता नहीं है क्योंकि वर्तमान सरकार को भारी जनसमर्थन प्राप्त है और जनता उसके साथ खड़ी है।

दूसरी ओर, हाल के महीनों में ढाका के राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी तेज हुई है कि प्रतिबंधित अवामी लीग ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में फिर से सक्रिय हो रही है। इसी कथित पुनरुत्थान के कारण तारीक रहमान सरकार ने अवामी लीग के सदस्यों को स्थानीय चुनावों में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भाग लेने की अनुमति दी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम बांग्लादेश की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों का संकेत है। जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख एटीएम अजहरुल इस्लाम ने भी इस मुद्दे पर बीएनपी की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि क्या बीएनपी अवामी लीग को फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रही है।

हम आपको बता दें कि बांग्लादेश की राजनीति लंबे समय से तीव्र ध्रुवीकरण, प्रतिशोध और कठोर दमन के लिए जानी जाती रही है। वहां सत्ता परिवर्तन के बाद राजनीतिक विरोधियों पर मुकदमे, गिरफ्तारी, निर्वासन और कई मामलों में मृत्युदंड तक की घटनाएं सामने आती रही हैं। इस समय पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी अवामी लीग के खिलाफ व्यापक कार्रवाई का दौर चल रहा है। वर्ष 2025 में शेख हसीना को मानवता विरोधी अपराधों के मामले में मृत्युदंड सुनाया गया। उनके अनेक सहयोगियों पर भी मुकदमे चल रहे हैं। सरकार ने अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया था और उसके हजारों समर्थकों को जेलों में रखा गया है।

यदि शेख हसीना वास्तव में बांग्लादेश लौटती हैं तो सबसे पहले उन्हें तत्काल गिरफ्तार किए जाने की संभावना प्रबल मानी जा रही है। चूंकि उनके खिलाफ मृत्युदंड सहित कई फैसले पहले से मौजूद हैं, इसलिए सरकार उन पर कानूनी कार्रवाई को तेज कर सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनकी वापसी देश में भारी तनाव पैदा कर सकती है, क्योंकि अवामी लीग अब भी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रभाव रखती है। उनकी गिरफ्तारी या कठोर दंड से उनके समर्थकों में व्यापक विरोध प्रदर्शन और हिंसक टकराव की स्थिति बन सकती है। दूसरी ओर यदि सरकार उन्हें खुली राजनीतिक गतिविधि की अनुमति देती है, तो अवामी लीग फिर से मजबूत होकर सत्ता संतुलन बदल सकती है। यही कारण है कि वर्तमान सत्ता पक्ष उनकी वापसी को राजनीतिक और सुरक्षा चुनौती के रूप में भी देख रहा है।

हम आपको यह भी बता दें कि बांग्लादेश में राजनीतिक विरोधियों को मृत्युदंड दिए जाने के उदाहरण पहले भी मौजूद हैं। हालिया समय के उदाहरणों पर ही गौर करें तो आपको बता दें कि वर्ष 2013 से 2016 के बीच जमात-ए-इस्लामी के कई शीर्ष नेताओं को 1971 के मुक्ति युद्ध के दौरान मानवता विरोधी अपराधों के आरोप में फांसी दी गई थी। इनमें अब्दुल कादिर मोल्ला, अली अहसान मुजाहिद, सलाहुद्दीन कादर चौधरी और मतीउर रहमान निजामी जैसे प्रमुख नेता शामिल थे। इन सजाओं को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बहस हुई थी और मानवाधिकार संगठनों ने न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे। अब शेख हसीना के खिलाफ भी उसी प्रकार की कठोर कार्रवाई ने यह संकेत दिया है कि बांग्लादेश की राजनीति में प्रतिद्वंद्विता अक्सर कानूनी संघर्ष से आगे जाकर अस्तित्व की लड़ाई का रूप ले लेती है।

बहरहाल, शेख हसीना के बयानों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बांग्लादेश की राजनीति अभी भी गहरे विभाजन और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। एक ओर निर्वासन में रह रही पूर्व प्रधानमंत्री अपने समर्थकों को संगठित करने में जुटी हैं, वहीं दूसरी ओर वर्तमान सत्ता पक्ष उनके प्रभाव को सीमित रखने का प्रयास कर रहा है। आने वाले महीनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि शेख हसीना वास्तव में बांग्लादेश लौट पाती हैं या नहीं और उनका यह कदम वहां की राजनीति को किस दिशा में ले जाता है।

फिर टूटा छात्रों का भरोसा

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

हमारे तंत्र की नाकामी और परीक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचारियों की जबरदस्त घुसपैठ के परिणामस्वरूप पेपर लीक होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। पहले तो मई का महीना छात्रों के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। नीट, सीबीएसई, एसएसई और सीयूईटी-यूजी परीक्षाओं का आयोजन तो हुआ लेकिन इन सभी परीक्षाओं में अलग-अलग कारणों से विवाद देखने को मिला। कहीं पेपर लीक हुआ तो कहीं तकनीकी कारणों से परीक्षा को दोबारा कराने की नौबत आ गई। अब पेपर लीक होने के चलते महाराष्ट्र, शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) एक दिन पहले ही स्थगित कर दी गई। परीक्षा का स्थगित होना एक बार फिर 6 लाख छात्रों को रुला गया। नीट यूजी परीक्षा तो दोबारा हो गई। अभी इस पर विवाद थमा भी नहीं था कि सीबीएसई बोर्ड की कापियों का मूल्यांकन करने के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग प्रणाली की गलतियों का भांडा फूट गया। जब छात्रों ने अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की री-इवैल्यूएशन करवाई तो अनेक के अंक बढ़ गए। रांची की छात्रा अवनी केजरीवाल ने 500 में से 500 अंक हासिल किए और टॉपर बन गई। इससे स्पष्ट है कि छात्रों के भविष्य से कितना बड़ा खिलवाड़ किया जा रहा है। महाराष्ट्र के टीईटी पेपर लीक होने का पैटर्न नीट परीक्षा की तरह ही रहा। कुछ लोगों के पास ऐसे प्रश्न पत्र थे जिनके सवाल टीईटी परीक्षा के प्रश्न पत्र से मिलते-जुलते थे। पेपर लीक होना कोई नई बात नहीं। 2002 से लेकर 2026 तक 46 प्रमुख पेपर लीक हुए थे लेकिन परीक्षा निकायों में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन मुट्ठीभर अधिकारियों को हटाया गया या उनके खिलाफ कार्रवाई की गई जिसमें अदालती दोषसिद्धि भी शामिल है। महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक के मास्टर माइंड विजेन्द्र गुप्ता की तलाश पुलिस कर रही है और अब तक तीन गिरफ्तारियां हुई हैं। बिहार के समस्तीपुर निवासी विजेन्द्र गुप्ता पर पहले भी पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े होने के आरोप लगते रहे हैं लेकिन आज तक उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। 2024 के एक स्टिंग ऑपरेशन में खुद विजेन्द्र गुप्ता ने बड़े-बड़े दावे किए। महाराष्ट्र में टीईटी परीक्षा के औचित्य पर भी सवाल उठने लगे हैं। अनेक शिक्षाविदों का कहना है कि पहले नीट और टीईटी शिक्षकों को 2028 तक यह परीक्षा पास करने को कहा गया है।

नौकरी मिलने के बाद परीक्षाओं को लेकर नीति अर्थहीन है। इसलिए टीईटी की कोई जरूरत ही नहीं है। लाखों छात्रों की सालभर की मेहनत पेपर लीक के चलते बर्बाद हो जाती है तो परीक्षा प्रणाली पर भरोसा कैसे करें। बार-बार हो रही घटनाओं से छात्रों का शासन व्यवस्था पर भरोसा खत्म हो चुका है। पेपर लीक के चलते छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर गम्भीर प्रभाव पड़ता है। नीट परीक्षा लीक होने के बाद देशभर में दर्जनभर छात्र-छात्राएं आत्महत्या कर चुके हैं। कितने ही परिवार जोत्रष्टा लेकर अपने बच्चों को तैयारी करवाते हैं, बुरी तरह सेटूट चुके हैं। जब छात्र सड़कों पर आकर विरोध प्रदर्शन करते हैं तोउन्हें दहशतगर्द करार दिया जाता है। आंकड़े इस समस्या की गंभीरता को रेखांकित करते हैं। बोर्ड परीक्षाओं से लेकर प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश परीक्षाओं तक, प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं ने देशभर में अनगिनत छात्रों को प्रभावित किया है। ये उल्लंघन न केवल परीक्षाओं की निष्पक्षता और विश्वसनीयता को खतरे में डालते हैं, बल्कि शैक्षणिक ढांचे के भीतर मौजूद व्यवस्थागत कमजोरियों को भी उजागर करते हैं। प्रश्न पत्र लीक होने के परिणाम केवल व्यवस्थागत बाधाओं तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि शैक्षणिक संस्थानों में जनता के विश्वास को भी प्रभावित करते हैं और छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच समान रूप से चिंताएं बढ़ाते हैं। इस जटिल मुद्दे के समाधान के लिए तकनीकी नवाचारों, कड़े नियामक ढांचे और निष्पक्ष मूल्यांकन प्रथाओं की नैतिक अनिवार्यता के बारे में हितधारकों के बीच जागरूकता बढ़ाने सहित एक समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। भारत अपनी परीक्षा प्रणालियों की पवित्रता बनाए रखने के लिए प्रयासरत है, ऐसे में परीक्षा पत्रों के लीक होने की रोकथाम देशभर में समान अवसर सुनिश्चित करने और शैक्षणिक गतिविधियों की अखंडता को संरक्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। भारत में परीक्षा पत्रों का लीक होना एक गंभीर समस्या बन गया है, जिससे शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता धूमिल हो रही है और हितधारकों के बीच गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं। इन लीक की बार-बार होने वाली घटनाओं के कई कारण हैं। शिक्षा क्षेत्र में तकनीकी कमजोरियां, विशेष रूप से कमजोर साइबर सुरक्षा उपाय, अपराधियों को डिजिटल प्रणालियों का दुरुपयोग करने और गोपनीय परीक्षा पत्रों तक अवैध रूप से पहुंचने की अनुमति देते हैं। भ्रष्टाचार भी एक प्रमुख कारण है, जिसमें अधिकारियों और वित्तीय लाभ चाहने वाली बाहरी संस्थाओं के बीच मिलीभगत परीक्षाओं की निष्पक्षता से समझौता करती है। प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों या सरकारी नौकरियों के लिए परीक्षाओं की प्रतिस्पर्धी प्रकृति उम्मीदवारों पर दबाव बढ़ाती है जिससे कुछ उम्मीदवार अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए लीक हुए पत्रों का उपयोग करने जैसी अनैतिक प्रथाओं का सहारा लेते हैं।

व्हीलचेयर या शॉर्टकटः दया को सुविधा का माध्यम बनाना बंद कीजिए

पवन शर्मा
अध्यक्ष
आर्ट वेद कल्चरल एंड स्पोर्ट्स सोसायटी

ज़रूरत और चालाकी के बीच एक बहुत पतली रेखा होती है। दुर्भाग्य से, आज कई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर यह रेखा लगातार मिटती जा रही है। व्हीलचेयर कोई विशेषाधिकार नहीं है। यह कोई वीआईपी पास नहीं है, न ही जल्दी बोर्डिंग का टिकट। यह उन बुजुर्गों, दिव्यांगों, ऑपरेशन से उबर रहे मरीजों और गंभीर बीमारी से जूझ रहे यात्रियों के लिए बनाई गई सुविधा है, जो वास्तव में लंबी दूरी तक चलने में असमर्थ हैं। लेकिन आज हम क्या देख रहे हैं? जैसे ही बोर्डिंग शुरू होती है, व्हीलचेयर यात्रियों की लंबी कतार दिखाई देती है। उन्हें प्राथमिकता मिलती है, और मिलनी भी चाहिए। परंतु विमान के भीतर वही यात्री बार-बार सीट से उठते हैं, आराम से गलियारों में चलते हैं, कई बार शौचालय जाते हैं, ऊपर रखा सामान निकालते हैं और पूरी सहजता से इधर-उधर घूमते दिखाई देते हैं। और असली दृश्य तब सामने आता है जब विमान उतरता है। एयरलाइन कर्मचारी घोषणा करते हैं कि व्हीलचेयर वाले यात्री सहायता आने तक अपनी सीट पर बैठे रहें। लेकिन जिन लोगों को कुछ समय पहले चलने में कठिनाई थी, वे अचानक फुर्ती से खड़े हो जाते हैं, सामान उठाते हैं और सबसे पहले बाहर निकलने की होड़ में लग जाते हैं।

सवाल उठना स्वाभाविक है – क्या व्हीलचेयर वास्तव में चिकित्सीय आवश्यकता थी, या सिर्फ जल्दी चढ़ने और जल्दी उतरने का तरीका? हर झूठी व्हीलचेयर बुकिंग का एक असली पीड़ित होता है हर अनावश्यक अनुरोध किसी वास्तविक जरूरतमंद की प्रतीक्षा बढ़ाता है। यह हवाई अड्डे के संसाधनों और कर्मचारियों का समय नष्ट करता है और सबसे खतरनाक बात यह व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर कर देता है।

दया का दुरुपयोग शर्म की बात है- अक्सर विदेश यात्रा करने वाले अनेक भारतीय स्वयं स्वीकार करते हैं कि जब वे अपने ही समुदाय के कुछ लोगों को इस प्रकार व्यवस्था का लाभ उठाते देखते हैं, तो उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है। संख्या कम हो या अधिक, हर ऐसा व्यवहार एक अनुशासित और जिम्मेदार यात्री के रूप में हमारी छवि को नुकसान पहुँचाता है।

समाधान क्या हो ?- एयरलाइंस भी कठिन स्थिति में होती हैं। दिव्यांग अधिकारों और भेदभाव-विरोधी कानूनों के कारण वे हर यात्री से कठोर पूछताछ नहीं कर सकतीं। इसलिए यह व्यवस्था यात्रियों की ईमानदारी पर निर्भर करती है। अब समय आ गया है कि कुछ व्यावहारिक कदमों पर विचार किया जाए व्हीलचेयर सेवा पर नाममात्र शुल्क लिया जाए, जिसे वास्तविक चिकित्सीय प्रमाणपत्र, दिव्यांग पहचान पत्र या निर्धारित आयु से अधिक यात्रियों को वापस कर दिया जाए। व्हीलचेयर मांगते समय स्व-घोषणा अनिवार्य की जाए। बार-बार गलत जानकारी देकर सुविधा लेने वालों पर प्रतिबंध या जुर्माना लगाया जाए। यह केवल व्हीलचेयर का मुद्दा नहीं है यह हमारे चरित्र का प्रश्न है। यह नागरिक संस्कार का प्रश्न है। यह उन सुविधाओं के प्रति सम्मान का प्रश्न है, जो समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों के लिए बनाई गई हैं। हम अक्सर भ्रष्टाचार, लाइन तोड़ने और सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग की आलोचना करते हैं। लेकिन जब हम स्वयं सुविधा के लिए व्यवस्था को मोड़ते हैं, तो उसी संस्कृति का हिस्सा बन जाते हैं जिसकी शिकायत करते हैं।

किसी समाज की पहचान इस बात से नहीं होती कि वह शक्तिशाली लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है, बल्कि इस बात से होती है कि वह कमजोर लोगों के लिए बनी सुविधाओं का कितनी ईमानदारी से उपयोग करता है। व्हीलचेयर सम्मान का प्रतीक बनी रहे, छल का साधन नहीं।

आखिर हम किस देश के वासी हैं कोई तो बताए...

अभी अभी एक ताजा खबर मिली है कि विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट को नागरिकता का दस्तावेज मानने से इंकार कर दिया है जिससे हर भारतीय को खुद के भारत का नागरिक होने में सन्देह पैदा हो गया है। पाठकों को याद होगा पुराने दौर की एक मशहूर फिल्म आवारा में राज कपूर ने जापानी जूता और इंग्लिस्तानी पतलून के बावजूद दिल के हिंदुस्तानी होने का दावा किया था। यानी अगर आपका सिर्फ और सिर्फ दिल हिन्दुस्तानी है तो आप बेशक भारतीय नागरिक माने जाते थे। लेकिन उसके बाद एक और गाना हिट हुआ जिसमें सवाल उठाया गया कि गंगा मेरी माँ का नाम बाप का नाम हिमाला, अब तुम खुद ही फैसला कर लो मैं किस सूबे वाला। इस गाने को लेकर विवाद भी खड़ा हुआ था कि गंगा तो हिमालय की बेटी हैं फिर वो हिमालय की पत्नी कैसे बतला दी गीतकार ने? लगता है विदेश मंत्रालय ने इसी गाने की तर्ज पर नागरिकता के सवाल में और ज्यादा कंफ्यूजन पैदा कर दिया है। कोर्ट पहले ये भी कह चुके हैं कि आधार कार्ड अथवा वोटर कार्ड भी नागरिकता का सबूत नहीं हैं। तो फिर कोई खुद को नागरिक कैसे साबित करे? सरकार के मुताबिक वैसे तो जन्म मृत्यु पंजीयन अधिनियम 1969 के लागू होने के बाद वर्ष 1970 से ही जन्म प्रमाण पत्र को अनिवार्य घोषित कर दिया गया था लेकिन बाकी कानूनों की तरह इसका पालन भी पूरी गंभीरता से नहीं किया गया। जरूरत पड़ने पर लोग बोर्ड परीक्षा की मार्क शीट को पेश कर के कॉलेज में एडमिशन लेते थे और

नौकरी भी करते रहे। बोर्ड परीक्षा की मार्कशीट की जन्मतिथि पर सरकार को इतना भरोसा था कि उसी के मुताबिक लोगों के पासपोर्ट तक जारी होते रहे। हालांकि 2025 में संशोधित पासपोर्ट नियमों के अनुसार 1 अक्टूबर 2023 के बाद पैदा होने वालों को आवेदन के साथ जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। लेकिन विदेश मंत्रालय ने यह कह कर नई मुश्किल खड़ी कर दी है कि पासपोर्ट भी भारत की नागरिकता का सबूत नहीं बल्कि केवल विदेश यात्रा का अनुमति पत्र है। इस बात पर हंगामा होने के बाद विदेश मंत्रालय ने फिर से स्पष्ट किया कि पासपोर्ट अधिनियम 1967 के अनुसार गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट जारी किया जा सकता है इसलिए पासपोर्ट को नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। अब लोग बेहद हैरान हैं कि जो पासपोर्ट विदेशी मुल्कों में हम को भारतीय नागरिक होने की पहचान देता है वो खुद भारत में नागरिकता की गारण्टी नहीं देता। मजे की बात यह है कि सरकार के पास इस बात का जवाब अभी भी नहीं है कि नागरिकता का सबूत आखिर है क्या? इसी दौरान वोटर लिस्ट के अपडेट करने की प्रक्रिया और जनगणना साथ साथ चल रहे हैं और नागरिक डर के मारे घर की पुरानी संदूकें और अलमारियाँ खंगाल रहे हैं ताकि खुद के या अपने बाप-दादों के ऐसे कागज़ात मिल जायें जो भारतीय होने का सबूत बन सकें। 1960 में रिलीज़ हुई राज कपूर की सुपरहिट फिल्म का प्रसिद्ध टाइटल गीत था हम उस देश के वासी हैं जिस देश में गंगा बहती है। लेकिन अब भारत में रह रहे हर नागरिक के मन में अहम सवाल उठ रहा है ये है कि आखिर हम किस देश के वासी हैं कोई तो बताए।

मानसून आखिर तुम कब आओगे

परेश रावल की एक बड़ी मजेदार फिल्म थी अतिथि तुम कब जाओगे उसी तर्ज पर आजकल हर आदमी आकाश की तरफ निगाहें डालकर एक ही बात पूछ रहा है कि हे मानसून आखिर तुम कब आओगे, बीच-बीच में थोड़े बहुत छींटे जमीन पर पड़ जाते हैं और लोग बात खुशी से नाचने लगते हैं कि लो भाई अब मानसून आ गया लेकिन बाद में पता चलता है कि ये मानसून नहीं बल्कि लोकल बादल बारिश कर रहे हैं। अपने को तो समझ में नहीं आता की मानसून ट्रेनों की तर्ज पर लेट क्यों होने लगा है क्या वो ट्रेन से आता है, लगता तो ऐसा ही है, फिर कभी रास्ता भटक जाता है फिर कहीं अटक जाता है । अरे भाई जब एक बार तुमको पूरी रोड मालूम है कि हमें यहां से वहां जाना है तो इतने कितने भुलक्कड़ हो गए हो कि हर बार रास्ता भूल जाते हो यदि डिमेंशिया हो गया हो तो किसी डाक्टर को दिखाओ कहीं भटक जाते हो कहीं अटक जाते हो, आदमी गर्मी से हलाकान है, पसीने से तर है, धूप ऐसी लग रही है जैसे आग के कुंड में बैठे हो सबकी निगाहें सिर्फ तुम्हारी तरफ गड़ी हुई हैं । जून खत्म होने को आ रहा है लोग बात और मौसम वैज्ञानिक भी कहते थे कि 15 जून तक मानसून अपने प्रदेश में सक्रिय हो जाएगा लेकिन 15 दिन ज्यादा हो गए दूर-दूर तक तुम्हारा कोई पता नहीं है ऐसे में आदमी करे तो करे क्या? सारे पानी के स्रोत सूख गए हैं उनकी सिल्ट बाहर झांकने लगी है नगर निगम आखिर पानी ले तो ले कहां से ? टैंकर तो है लेकिन पानी भरा कहां से जाएगा ये भी तो बड़ा सवाल है। मानसून भैया तुमसे हाथ जोड़कर यही प्रार्थना है कि जहां कहीं भी अटके हो, लटके हो,भटके ही तो किसी चाय के टपरे वाले से रास्ता पूछ कर सीधे-सीधे आ जाओ या फिर हम अपनी लोकेशन मोबाइल पर भेज देते हैं उसी के सहारे आ जाओ लेकिन आ जरूर जाओ ।

विदेश में भी हाहाकार

पता चला है कि यूरोप के बारह देशों में ऐसी गर्मी पड़ रही है कि वहां हाहाकार मच गया है अपने को तो ये बताया जाता था कि विदेश का मौसम बहुत अच्छा होता है वहां गर्मी नहीं पड़ती, ठंड पड़ती है बर्फ जमी रहती है लेकिन ये सारे भरम टूट गए, हाल ये है कि स्कूल बंद कर देने पड़े हैं, शराब पीने तक में रोक लगा दी गई है, शहरों में कूलिंग केंद्र बना दिए गए हैं अभी तक ढाई सौ से ज्यादा मौतें भी हो चुकी हैं लोग बाग सुबह से लेकर शाम तक तलाब और नदी में बैठे हैं बताया गया है कि लोगों से कहा है कि दोपहर के बाद बाहर न निकले इन तमाम लोगों को भारत के लोगों से शिक्षा लेना चाहिए जो भरी दुपहरिया में बेहतरीन घूमते फिरते नजर आते हैं लू से बचने प्याज जेब में रख लेते हैं, बहुत ज्यादा हुआ तो कान गमछे से ढक लेते हैं लेकिन घूमना नहीं छोड़ते,दरअसल उन्हें ऐसी गर्मी की भारी प्रैक्टिस भी है तापमान पैंतालीस डिग्री हो या सैंतालीस डिग्री, उनके लिए कोई मायने रखता नहीं है। यूरोप के लोग बाल गोरे भी होते हैं उन्हें अपने काले होने का भी डर रहता है लेकिन अपने यहां अधिकांश लोग करिया ही होते हैं, कितनी धूप पड़े रंग और कितना काला पड़ेगा इसलिए उन्हें इस बात की चिंता नहीं रहती। अपनी तो यूरोप वालों को सलाह है कि भैया एक दो साल भारत में रहने आ जाओ और गर्मी से लड़ने की ताकत अपने अंदर पैदा कर लो वरना ऐसे ही अलसेट खाते रहोगे।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

पापा अगर मैं परीक्षा में पास हो गया तो आप को कैसा लगेगा श्रीमानजी के बेटे ने श्रीमान जी से पूछा

मैं खुशी से पागल हो जाऊंगा श्रीमान जी ने कहा

बस पापा इसी डर से मैं फेल हो गया बेटे में उत्तर दिया।

अंतरिक्ष से लेकर युद्ध के मैदान तक... दुश्मनों को पलभर में तबाह कर देगी भारत की अग्नि, प्रलय और ब्रह्मोस मिसाइल

नई दिल्ली।

1982 में शुरू हुए एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम के बाद से भारत ने अपने मिसाइल भंडार में महत्वपूर्ण विस्तार किया है। आज के समय में भारत के पास अंतरिक्ष में उपग्रहों को मार गिराने से लेकर युद्धक्षेत्र में टैंकों को तबाह करने वाली मिसाइलों की पूरी श्रृंखला मौजूद है।

दरअसल, हाल के मिसाइल परीक्षणों और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सक्रिय उपयोग के माध्यम से भारत ने लगातार अपनी मिसाइलों की प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया है। भारत के पास कई तरह की मिसाइलें हैं। हर मिसाइल को अलग-अलग काम के लिए बनाया गया है।

वर्तमान में भारत की तीन आक्रामक मिसाइलें सबसे अधिक चर्चा में रहीं- अग्नि, प्रलय और ब्रह्मोस। अमूमन इन तीनों का नाम एक साथ लिए जाता है, लेकिन तीनों एक दूसरे से बहुत अलग हैं। अग्नि को परमाणु हमले रोकने के लिए बनाया गया है और ब्रह्मोस को तेज और सटीक पारंपरिक हमले के लिए बनाया गया है। वहीं, प्रलय को लड़ाई के मैदान में दुश्मन के रडार और एयरबेस तबाह करने के लिए बनाया गया है। आइए जानते हैं इनके बारे में...

अग्नि मिसाइल भारत की सबसे बड़ी ताकत में से एक है। इसे दुश्मन पर दूर से ही हमला करने के लिए बनाया गया है। अग्नि मिसाइल श्रृंखला में छोटी और बड़ी दोनों तरह की मिसाइलें हैं। इसमें लगभग 700 किमी की अग्नि-ढ्ढ से लेकर 8,000 किमी से अधिक की अग्नि-व्ही तक की मार क्षमता है। अग्नि मिसाइ जमीन से छोड़ी जाती है। यह परमाणु और सामान्य दोनों हथियार ले जाने में सक्षम है।

सबसे नई और ताकतवर अग्नि-व्ही मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल्स (एमआईआरवी) सहित भारी परमाणु पेलोड ले जा सकती है। यह एक सड़क-चालित, तीन-चरण वाली ठोस-ईंधन वाली बैलिस्टिक मिसाइल है। इसे सड़क मार्ग से कहीं भी ले जाकर दागा जा सकता है। 8,000 किमी से अधिक

की दूरी तक मार करने में सक्षम है। अग्नि-ङ्क श्रृंखला युद्धक्षेत्र में उपयोग के लिए नहीं बनाई गई है, बल्कि रणनीतिक प्रतिरोध के लिए बनाई गई है। ये सिर्फ दुश्मन को डराने और हमला हुआ तो जवाबी कार्रवाई के लिए है।

प्रलय भारत की डीआरडीओ द्वारा बनाई गई लघु-श्रेणी की सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल है। इसकी मारक क्षमता 150 से 500 किलोमीटर है और यह 350 से 1,000 किलोग्राम तक के वजन वाले वॉरहेड ले जा सकती है। यह अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल दुश्मन के रडार और एयर डिफेंस को चकमा देकर पारंपरिक हमलों को अंजाम देने में माहिर है। यह कैनिस्टर में पैक रहती है, इसलिए जल्दी स्टोर और लॉन्च की जा सकती है।

प्रलय को दुश्मन के रडार, कमांड सेंटर, एयरपोर्ट और रनवे को तबाह करने के लिए बनाया गया है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह आखिरी समय में हवा में दिशा बदल सकती है, जिससे दुश्मन की मिसाइलें इसे रोक नहीं पातीं। चीन के डोंगफेंग-12 और रूस के इस्कंदर मिसाइल के तरह ही प्रलय को भारत ब्रह्मोस, निर्भय और पिनाका के साथ मिलाकर इस्तेमाल करेगा। इसकी तैनाती से सेना को सटीक हमला करने की ताकत मिलेगी और बॉर्डर से सटीक हमला करने की क्षमता बढ़ेगी। ब्रह्मोस बाकी दोनों मिसाइलों से बिल्कुल अलग है। यह बैलिस्टिक नहीं, बल्कि क्रूज मिसाइल है। इसे भारत और रूस ने संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। इसकी गति 2.8 मैक से 3 मैक तक है और यह 300 से 800 किलोमीटर की दूरी पर स्थित लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है।

ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज गति वाली परिचालन क्रूज मिसाइलों में से एक है। इसे जमीन, समुद्र या हवा से भी दागा जा सकता है। यहां तक कि इसे सुखोई-30एमकेआई लड़ाकू विमानों से भी लॉन्च किया जा सकता है।

ब्रह्मोस का पहली बार उपयोग मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किया गया था। इसमें ब्रह्मोस ने दुश्मन के बड़े ठिकानों को सटीक निशाना बनाया, जिससे पूरी दुनिया ने भारत की ताकत देखी।

पुरी में भगवान जगन्नाथ की भव्य 'स्नान पूर्णिमा' के गवाह बने हजारों श्रद्धालु

भुवनेश्वर, (वार्ता)

चार धामों में से एक पुरी स्थित विश्वविख्यात श्री जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के सार्वजनिक स्नान उत्सव स्नान पूर्णिमा के मौके पर ओडि और देश के अन्य हिस्सों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे। वार्षिक रथ यात्रा से पहले होने वाली यह सबसे महत्वपूर्ण रस्मों में से एक है। हिंदू महीना ज्येष्ठ की पूर्णिमा को मनायी जाने वाली स्नान पूर्णिमा को भगवान जगन्नाथ का जन्मदिन माना जाता है। इसी के साथ ही विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा की उल्टी गिनती शुरू होती है। स्कंद पुराण के अनुसार, इस रस्म की शुरुआत राजा इंद्रद्युम्न ने की थी। माना जाता है कि उन्होंने ही इस प्राचीन मंदिर में तीनों देवी-देवताओं की लकड़ी की मूर्तियां स्थापित की थीं।

वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच भगवान सुदर्शन की मूर्ति के साथ तीनों देवी-देवताओं को 12वीं शताब्दी के जगन्नाथ मंदिर के गर्भगृह से भव्य औपचारिक जुलूस में बाहर लाया गया। इस भव्य जुलूस को पहांडी कहा जाता है। भगवान को मंदिर परिसर में बने स्नान मंडप (स्नान वेदी) तक लाया गया। स्नान वेदी पर मंदिर के सेवादारों ने पवित्र स्नान यात्रा की रस्म पूरी की। उन्होंने मंदिर परिसर के भीतर स्थित पवित्र कुएं से निकाले गये सुगंधित और अभिमंत्रित जल के 108 घड़ों से देवी-देवताओं को स्नान कराया।

आम जनता के सामने होने वाली यह रस्म वर्ष के उन गिने-चुने अवसरों में से एक है, जब श्रद्धालुओं को गर्भगृह से बाहर बिना बाधा के तीनों भाई-बहनों के दर्शन का मौका मिलता है। इस औपचारिक स्नान के बाद देवी-देवताओं को पारंपरिक गजानन वेश में सजाया गया। मंदिर की परंपरा के अनुसार, भगवान जगन्नाथ महाराष्ट्र के भक्तों का सम्मान करने के लिए हाथी का रूप धारण करते हैं, जहां भगवान गणेश की बड़े स्तर पर पूजा की जाती है।

हिंदू महीना ज्येष्ठ की पूर्णिमा को मनायी जाने वाली स्नान पूर्णिमा को भगवान जगन्नाथ का जन्मदिन माना जाता है। इसी के साथ ही विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा की उल्टी गिनती शुरू होती है। स्कंद पुराण के अनुसार, इस रस्म की शुरुआत राजा इंद्रद्युम्न ने की थी। माना जाता है कि उन्होंने ही इस प्राचीन मंदिर में तीनों देवी-देवताओं की लकड़ी की मूर्तियां स्थापित की थीं।

त्योहार को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किये गये थे। प्रशासन ने प्रमुख जगहों पर पुलिस बल तैनात किया। इसके साथ ही सेक्टर-वार भीड़ प्रबंधन, श्रद्धालुओं के एकतरफा आवागमन और संवेदनशील बिंदुओं पर बैरिकेडिंग लागू की गयी। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए प्रहारक बल भी तैनात की गयी थी। भीड़भाड़ को कम करने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन, तय पार्किंग जोन और नियंत्रित प्रवेश और निकास मार्ग भी बनाये गये थे। त्योहार शांतिपूर्वक संपन्न हो, इसके लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। साथ ही तीर्थयात्री सहायता केंद्र और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल की व्यवस्था की गयी है।

जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल ने पवित्र अमरनाथ गुफा में प्रथम पूजा की

श्रीनगर, (वार्ता)

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को श्री अमरनाथ जी की पवित्र गुफा में प्रथम पूजा की और इसके साथ ही वार्षिक तीर्थयात्रा की औपचारिक शुरुआत हुई। उपराज्यपाल ने बाबा बर्फानी का आशीर्वाद लिया और सभी की शांति, समृद्धि, स्वास्थ्य और भलाई के लिए प्रार्थना की।

उन्होंने भगवान शिव के सभी भक्तों को दिल से निमंत्रण दिया और उन्हें बड़ी संख्या में पवित्र तीर्थयात्रा में शामिल होने और आध्यात्मिक यात्रा का अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उपराज्यपाल ने कहा, तीन जुलाई को यात्रा शुरू हो रही है। प्रशासन, श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, सेना, पुलिस, सुरक्षा बल, स्थानीय समुदाय, सेवा प्रदाता और स्वयंसेवक पूरी तरह से तालमेल बिठाकर काम कर रहे हैं। हर पक्ष सभी तीर्थयात्रियों के लिए एक सुरक्षित, परेशानी-मुक्त और यादगार तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर सुविधाओं और जम्मू-कश्मीर के लोगों के अमूल्य सहयोग के साथ, हम भक्तों का आध्यात्मिक रूप से संतोषजनक यात्रा के लिए स्वागत करने को पूरी तरह तैयार हैं। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) हर साल ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन पवित्र गुफा में प्रथम पूजा का आयोजन करता है। इस साल की 57 दिनों की तीर्थयात्रा 3 जुलाई को औपचारिक रूप से शुरू होगी। यह यात्रा एक साथ दो पारंपरिक रास्तों - अनंतनाग जिले में पहलगाम रूट और गंदेरबल जिले में बालटाल रूट - से शुरू होगी।

तेजस्वी यादव ने रिशु श्री महाघोटाले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की

पटना, (वार्ता)

बिहार में रिशु श्री महाघोटाले को लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने सोमवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर भ्रष्टाचार को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि हजारों करोड़ रुपये के इस कथित घोटाले में बड़े अधिकारियों और सत्ता के शीर्ष स्तर तक मिलीभगत रही, लेकिन सरकार छोटे अधिकारियों को बलि का बकरा बनाकर असली दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही है। श्री यादव ने सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, सभी दोषियों की पहचान के उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की।

श्री यादव ने 20 सवालों की लंबी फेहरिस्त जारी करते हुए आरोप लगाया कि हजारों करोड़ रुपये के इस कथित घोटाले में बड़े अधिकारियों और असली दोषियों को बचाया जा रहा है । श्री यादव ने जारी बयान में आरोप लगाया कि राजग सरकार के 21 वर्षों के शासनकाल में एक मामूली ठेकेदार कई विभागों के टेंडरों को अपनी मर्जी से प्रभावित करता रहा, जबकि सरकारी निगरानी तंत्र निष्क्रिय बना रहा।उन्होंने दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में सामने आए चैट से स्पष्ट होता है कि आरोपी को कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों और सत्ता के शीर्ष स्तर का संरक्षण प्राप्त था। उन्होंने पूछा कि आरोपी अधिकारियों को किसके इशारे पर निर्देश देता था और चार्जशीट में कथित बड़ी मछलियों को क्यों छोड़ दिया गया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि दो आईएएस अधिकारियों के निलंबन के बावजूद उनके नाम चार्जशीट में शामिल क्यों नहीं किए गए और उनकी गिरफ्तारी अब तक क्यों नहीं हुई।

यूक्रेनी हमलों के बीच पुतिन ने ईंधन की कमी स्वीकार की, उत्पादन बढ़ाने का दिया निर्देश

मॉस्को, (वार्ता)

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पहली बार स्वीकार किया है कि यूक्रेन द्वारा तेल अवसंरचना पर लगातार किए जा रहे हमलों के कारण देश को कुछ हद तक ईंधन की कमी का सामना करना पड़ रहा है और सरकार ईंधन उत्पादन बढ़ाने तथा तेल प्रतिष्ठानों की सुरक्षा मजबूत करने के लिए कदम उठा रही है। श्री पुतिन ने रविवार को अधिकारियों के साथ ईंधन आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा बैठक में कहा कि देश कठिन दौर से गुजर रहा है, लेकिन सरकार अपनी सभी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगी। इस बीच यूक्रेन ने दक्षिणी रूस की एक प्रमुख तेल रिफाइनरी पर फिर हमला किया। क्षेत्रीय गवर्नर वेनियामिन कोंद्रात्येव के अनुसार, गिरते मलबे की चपेट में आकर स्लाव्यान्स्क में एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा निकटवर्ती गांव में एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। करीब 40 लाख टन कच्चे तेल का वार्षिक प्रसंस्करण करने वाली यह रिफाइनरी दक्षिणी रूस की प्रमुख रिफाइनरियों में शामिल है और काला सागर के बंदरगाहों के जरिए निर्यात होने वाले फ्यूल ऑयल, नैफ्था और समुद्री ईंधन का प्रमुख स्रोत है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि यूक्रेन की सीमा से लगभग 700 किलोमीटर दूर यारोस्लाव क्षेत्र स्थित एक अन्य रूसी रिफाइनरी

पर भी रात के समय हमला किया गया। हालांकि रूसी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है। ताजा हमलों के बाद श्री पुतिन ने तेल प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाने और ईंधन उत्पादन में वृद्धि करने का निर्देश दिया। उन्होंने सरकारी टेलीविजन से कहा कि रूस की रक्षा उद्योग जल्द ही वायु रक्षा प्रणालियों का उत्पादन बढ़ाएगी ताकि यूक्रेनी हमलों का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके।

उन्होंने कहा कि स्थिति गंभीर नहीं है और अस्थायी ईंधन कमी को दूर करने के लिए रूस अधिक ईंधन आयात करेगा तथा क्षतिग्रस्त तेल प्रतिष्ठानों की मरम्मत का कार्य तेज करेगा। श्री पुतिन ने विशेष रूप से क्रीमिया में ईंधन की कमी को शीघ्र दूर करने का आश्वासन देते हुए कहा कि काला सागर प्रायद्वीप में थल और समुद्री मार्ग से ईंधन की आपूर्ति बढ़ाई जाएगी और उन्हें विश्वास है कि यह लक्ष्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा।उन्होंने यूक्रेन के तेल रिफाइनरियों पर हमलों को रूसी समाज में विभाजन पैदा करने और रूस को अग्रिम मोर्चे पर अपनी सैन्य प्रगति रोकने के लिए मजबूर करने का प्रयास बताया।

श्री पुतिन ने कहा, हम उन्हें यह मौका नहीं देंगे। हमारी अवसंरचना पर किये गये हमलों का अग्रिम मोर्चे की स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

रूसी राष्ट्रपति ने पहली बार यह भी खुलासा किया कि यूक्रेन ने दोनों देशों के बीच अग्रिम मोर्चे से दूर गहरे क्षेत्रों पर हमले रोकने का प्रस्ताव दिया था। श्री पुतिन ने दावा किया कि कीव ने यह प्रस्ताव इसलिए दिया क्योंकि रूस की लंबी दूरी तक हमला करने की क्षमता अधिक प्रभावी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन ने 2022 में रूस द्वारा एकतरफा विलय किये गये डोनेट्स्क, लुहान्स्क, खेरसॉन और जापोरिज्जिया तक ही सक्रिय लड़ाई सीमित रखने का भी प्रस्ताव दिया था। श्री पुतिन ने इस प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा कि यह यूक्रेनी सेना को अन्य क्षेत्रों से अपने सैनिक हटाकर इन चार क्षेत्रों में केंद्रित करने की रणनीतिक चाल थी और रूस इस तरह की किसी व्यवस्था से सहमत नहीं होगा।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

मैं वापस आऊंगा और ऐल्फा की सफलता होगी सपने के सच होने जैसी : शर्वरी

अभिनेत्री शर्वरी ने कहा है कि यदि उनकी फिल्म मैं वापस आऊंगा और आगामी फिल्म ऐल्फा एक महीने के भीतर दर्शकों का दिल जीतने में सफल रहती हैं, तो यह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा।निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा में अपने अभिनय के लिए सराहना बटोर रहीं शर्वरी अब यशराज फिल्म्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म ऐल्फा की रिलीज की तैयारी में हैं। यह फिल्म तीन जुलाई को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

शर्वरी ने कहा कि मैं वापस आऊंगा को दर्शकों से मिल रहे प्यार और सराहना ने उन्हें भावुक कर दिया है। उन्होंने कहा कि हर कलाकार का सपना ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना होता है, जो लोगों के दिलों तक पहुंचें। उन्होंने फिल्म की सफलता का श्रेय निर्देशक इम्तियाज अली को देते हुए कहा कि उनकी सोच और कहानी के प्रति जुनून ने दर्शकों से गहरा जुड़ाव बनाया है। उन्होंने कहा कि वह इम्तियाज अली की आभारी हैं, जिन्होंने उन पर भरोसा जताया। साथ ही उन्होंने दर्शकों का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने फिल्म को भरपूर प्यार दिया। शर्वरी ने कहा कि सिनेमा लोगों को जोड़ने और खुशियां बांटने की ताकत रखता है। शर्वरी ने कहा, मैं दिल से चाहती हूं कि ऐल्फा को भी दर्शकों का उतना ही प्यार और समर्थन मिले। अगर मैं वापस आऊंगा और ऐल्फा एक महीने के भीतर दर्शकों का दिल जीत लें, तो यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा। शर्वरी ने कहा,इतने कम समय में दो बड़ी फिल्मों का रिलीज होना किसी भी युवा कलाकार के लिए दुर्लभ अवसर है। उन्होंने कहा कि यदि दोनों फिल्मों को दर्शकों का समर्थन मिलता है, तो यह उनके अभिनय पर फिल्म निर्माताओं के बढ़ते भरोसे और उनके करियर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी।

सिद्धार्थ रॉय कपूर बने सिनेनाउ के मुख्य सलाहकार

फिल्म निर्माता और मीडिया उद्योग से जुड़े अनुभवी पेशेवर सिद्धार्थ रॉय कपूर सिनेनाउ के मुख्य सलाहकार (चीफ एडवाइजर) के रूप में कंपनी की फाउंडिंग टीम से जुड़ गए हैं।कंपनी की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार सिनेनाउ भारत में 1350 करोड़ रुपये के एंटरटेनमेंट इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म के निर्माण की दिशा में काम कर रहा है। कंपनी का उद्देश्य फिल्म और कंटेंट आईपी को एक व्यवस्थित और भरोसेमंद निवेश परिसंपत्ति के रूप में विकसित करना है। सिनेनाउ के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक रोहित डालमिया ने कहा कि भारतीय मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग तेजी से विस्तार के दौर में है और कंटेंट अब केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर की परिसंपत्ति बन चुका है। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ रॉय कपूर का अनुभव और रणनीतिक दृष्टि कंपनी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सिद्धार्थ रॉय कपूर ने कहा कि भारतीय मनोरंजन उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है और इसके साथ बेहतर वित्तीय समाधानों की आवश्यकता भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सिनेनाउ कंटेंट, पूंजी और तकनीक को एक मंच पर लाने की दिशा में कार्य कर रहा है तथा वह कंपनी के दीर्घकालिक विजन में योगदान देने को लेकर उत्साहित हैं। कंपनी के अनुसार सिद्धार्थ रॉय कपूर कंटेंट निवेश, उद्योग साझेदारी, प्लेटफॉर्म विस्तार और दीर्घकालिक रणनीति के क्षेत्र में मार्गदर्शन देंगे। उनके पास कंटेंट निर्माण, स्टूडियो प्रबंधन और मीडिया उद्यमिता का लंबा अनुभव है तथा उन्होंने कई सफल मनोरंजन परियोजनाओं का नेतृत्व किया है।

होम्बले फिल्म्स की नई फिल्म में पहली बार साथ आएंगे सूर्या और टी.जे. ज्ञानवेल

होम्बले फिल्म्स ने अपनी नई फिल्म की घोषणा कर दी है, जिसमें अभिनेता सूर्या और निर्देशक टी.जे. ज्ञानवेल पहली बार साथ काम करेंगे। फिल्म का निर्माण विजय किरागांदुर कर रहे हैं, जबकि अभिनेत्री कायाडू लोहार भी इसमें अहम भूमिका निभाएंगी।सूर्या पिछले दो दशकों से अधिक समय से दक्षिण भारतीय सिनेमा के प्रमुख अभिनेताओं में शामिल हैं। उन्होंने दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सात फिल्मफेयर साउथ पुरस्कार अपने नाम किए हैं। वहीं, निर्देशक टी.जे. ज्ञानवेल फिल्म जय भीम के लिए देशभर में चर्चित रहे हैं, जिसे कहानी और सामाजिक सरोकारों के लिए व्यापक सराहना मिली थी। होम्बले फिल्म्स इससे पहले केजीएफ, कांतारा और सालार जैसी सफल फिल्मों का निर्माण कर चुका है। प्रोडक्शन हाउस का कहना है कि वह भारतीय संस्कृति और व्यापक दर्शक वर्ग से जुड़ी कहानियों को बड़े स्तर पर प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध है। होम्बले फिल्म्स के संस्थापक विजय किरागांदुर ने कहा, हमारा हमेशा से मानना रहा है कि समान सोच और जुनून रखने वाले लोग जब साथ आते हैं, तभी बेहतरीन फिल्में बनती हैं। सूर्या और टी.जे. ज्ञानवेल के साथ यह साझेदारी ऐसी कहानी लेकर आएगी, जो दुनिया भर के दर्शकों से जुड़ सके।

शाहरुख और मनोज बाजपेयी के साथ काम करना सपने के सच होने जैसा

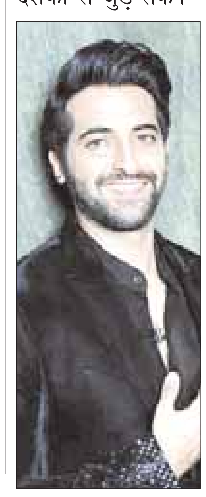

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने कहा है कि सुपरस्टार शाहरुख खान और अभिनेता मनोज बाजपेयी जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा करना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।अक्षय ओबेरॉय इन दिनों अपनी आगामी फिल्मों किंग और मनोज बाजपेयी के साथ एक थ्रिलर फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा कि एक ही समय में अलग-अलग शैलियों की फिल्मों का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद उत्साहजनक अनुभव है। अक्षय ने कहा, कभी-कभी मुझे खुद भी यकीन नहीं होता कि मैं एक ही साल में शाहरुख खान और मनोज बाजपेयी जैसे कलाकारों के साथ काम कर रहा हूं। दोनों अपने अभिनय में बिल्कुल अलग हैं और अपने-अपने क्षेत्र के माहिर कलाकार हैं। उन्होंने कहा कि किंग एक बड़े स्तर की एक्शन फिल्म है, जबकि मनोज बाजपेयी के साथ उनकी फिल्म अपराध जगत पर आधारित थ्रिलर है। उन्होंने कहा कि मनोज बाजपेयी जैसे अभिनेता के साथ काम करना जितना चुनौतीपूर्ण है, उतना ही प्रेरणादायक भी है। अक्षय ओबेरॉय ने कहा कि किंग जैसी बहुप्रतीक्षित फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने यह भी बताया कि वह दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी पदार्पण करने जा रहे हैं, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित हैं। उनके अनुसार दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग इस समय देश की कुछ बेहतरीन और रोमांचक कहानियां दर्शकों के सामने ला रहा है।

समय सीमा बैठक में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा लंबित शिकायतों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, सीएम मॉनिट, आयोग से प्राप्त पत्रकों सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में सीईओ श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने तथा बिना निराकरण शिकायतों को उच्च स्तर पर अग्रेषित नहीं करने के निर्देश दिए। लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी आवेदनों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने सीएम मॉनिट, सीएम हाउस एवं विभिन्न आयोगों से प्राप्त पत्रों पर त्वरित कार्रवाई कर समय में प्रतिवेदन भेजने के निर्देश दिए। श्रम विभाग की संबल योजना के अंतर्गत पंजीयन एवं अनुग्रह सहायता राशि से संबंधित आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में संचालित नल-जल योजनाओं की प्रगति तथा पंचायतों को उनके हैंडओवर की स्थिति की भी समीक्षा की गई। इसके अलावा समग्र ई-केवायसी, 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने, महिला एवं बाल विकास विभाग, जनजाति कार्य विभाग तथा जिले में मूंग उपार्जन सहित विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सभी विभागों को शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

पवित्र भाव और भक्तिमय नजरिये से परमात्मा को देखना चाहिए

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत । यह सम्पूर्ण जगत परमात्मा मय है किंतु मनुष्य को भ्रम से अपनी अपनी भावना के अनुसार नाना रूप में दिखता है।जैसे एक महान पुरुष किसी की दृष्टि में महात्मा किसी की दृष्टि में अभिमानी किसी की दृष्टि में लोभी पाखंडी तो किसी की दृष्टि में भोगी दिखता है।भगवान भक्तों को ईश्वर रूप में दुष्टों को काल स्वरूप व योगियों को ब्रह्म के स्वरूप में दिखता है।अत: हमे अपने पवित्र भाव और भक्तिमय नजरिये से परमात्मा को देखना चाहिए।परमात्मा को अपने मन मंदिर और चरित्र में उतारना चाहिए।निरंतर अभ्यास और नियमित सत्संग से नई राह मिलती है ।उक्ताशय के विचार साहित्यकार ओजस्वी कवि अशोक त्रिपाठी ने बरिया बारे हनुमान मंदिर परिसर में बाल्मीकि रामायण कथा सत्संग में व्यक्त किये। पुराण वेत्ता पंडित

जगदीश दुबे ने राजा त्रिशंकु और राजा अम्बरीष की कथा श्रोताओं को सुनाते हुए कहा कि हमें निस्वार्थ भाव से सेवा और परोपकार में तत्पर रहना चाहिए।धर्माचरण करते हुए हमेशा सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए।गुरुवर श्री दुबे ने राजा हरिश्चंद्र और राजा शिबि के त्याग धर्म और जनसेवा के भावों को भी उभारा।आयोजन में पं गणेश कुमार चतुर्वेदी अरुण कुमार खरे डा महेश त्रिपाठी डा केदार गुप्ता प्रेमशंकर राघव धनपत तिवारी सोमनाथ पटेल प्रेमशंकर सोनी बी एस मेहरा ऋषि महोबिया गोविंद नेमा मोहन यादव कृष्ण कुमार शुक्ला सहित अनेक वरिष्ठ जन उपस्थित थे।अंत में आरती और प्रसाद वितरण हुआ।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं एवं पुलिस भर्ती की कराई जाएगी तैयारी

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग नरसिंहपुर ने बताया कि संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग भोपाल के निर्देशानुसार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत महिला सशक्त वाहिनी अभियान के तहत कक्षा 12 उत्तीर्ण बालिकाओं को पुलिस भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की लिखित एवं शारीरिक परीक्षा की नि:शुल्क तैयारी कराई जाएगी। इस वर्ष का प्रशिक्षण के लिए कक्षाएं माह जुलाई 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने इस प्रशिक्षण के लिए पहले आए- पहले पाए के आधार पर कुल 100 बालिकाओं का पंजीयन किया जाएगा। जिले की इच्छुक छात्राएं कार्यालय कलेक्टर के कक्ष क्रमांक 77 में स्थित जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास नरसिंहपुर के कार्यालयीन समय में पंजीयन करा सकती हैं। पंजीयन के लिए एक पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड और कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं की अंकसूची की छायाप्रति जमा करना अनिवार्य होगा। यह प्रशिक्षण पूर्णत- नि:शुल्क रहेगा। लिखित परीक्षा की तैयारी शासकीय महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर के सभाकक्ष में सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से दोपहर एक बजे तक कराई जाएगी।

इसमें छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के पाठ्यक्रम अनुसार सामान्य गणित, सामान्य विज्ञान, सामान्य बुद्धि/तर्कशक्ति एवं सामान्य अंग्रेजी विषयों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। फिजिकल परीक्षा की तैयारी भी शासकीय महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर स्थित ग्राउंड में कराई जाएगी। इसमें दौड़, गोला फेंक, लंबी कूद सहित विभिन्न खेल गतिविधियां जैसे क्रिकेट, फुटबॉल एवं शतरंज का अभ्यास कराया जाएगा। साथ ही छात्राओं को 15 अगस्त एवं 26 जनवरी पर आयोजित जिला स्तरीय शौर्य दल परेड में भी शामिल कराया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को नि:शुल्क अध्ययन सामग्री, स्टेशनरी एवं पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। समय-समय पर जिले के विभिन्न अधिकारी भी छात्राओं को यूपीएससी एवं एमपीपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेंगे, जिससे गरीब एवं साधनहीन परिवारों की अधिक से अधिक बालिकाएं शासकीय सेवाओं में चयनित होकर सशक्त बन सकें।

गणेश मंदिर में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आज

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में 30 जून मंगलवार को नि:शुल्क नेत्र जांच व परामर्श शिविर गणनायक फाउंडेशन द्वारा आयोजित है।

हर वर्ष की तरह सिद्धपीठ के संस्थापक पं कृष्णकुमार जी पुरोहित की पुण्य स्मृति में उक्त सेवा शिविर होता है। इसमें स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती चेरिटेबल ट्रस्ट से संचालित शंकराचार्य नेत्रालय की टीम मौजूद रहेगी। इसमें जिन भी मरीजों को मोतियाबिंद या अन्य ऑपरेशन की अवस्था पाई जाएगी, उन्हें झोतेश्वर चिकित्सालय ले जाकर नि:शुल्क उपचार किया जाएगा। जागरूकजनों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने आसपास के जरूरमंद व्यक्तियों को शिविर का लाभ दिलाकर नेक कार्य में भागीदार बनें।

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर 'उद्यमी मध्यप्रदेश 2026' में एनसीएल की सहभागिता

सिंगरौली (स्वतंत्रमत)।

अंतराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2026 के अवसर पर नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने मध्यप्रदेश शासन के एमएसएमई विभाग एवं फिक्की द्वारा भोपाल में आयोजित 'उद्यमी मध्यप्रदेश-2026' कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित वेंडर डेवलपमेंट मीट में एनसीएल की ओर से विपुल राय, सहायक प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) ने भाग लिया। उन्होंने एमएसएमई विक्रेताओं एवं उद्यमियों को एनसीएल की निविदाओं में अधिकाधिक भागीदारी के लिए प्रोत्साहित

किया। इस दौरान अनुसूचित जाति/जनजाति स्वामित्व वाले उद्यमों तथा महिला उद्यमियों की सहभागिता बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। गौरतलब है कि एनसीएल सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) को समावेशी सार्वजनिक खरीद के माध्यम से निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में कंपनी ने निर्धारित 35 प्रतिशत लक्ष्य के विरुद्ध लगभग 39 प्रतिशत की खरीद एमएसई से कर अपनी प्रतिबद्धता का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

कदम संस्था ने किया पौधारोपण 1069वें सप्ताह का अभियान संपन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित कदम संस्था द्वारा जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ जैसे विशेष अवसरों पर पौधारोपण करने की अनूठी परंपरा लगातार जारी है। इसी क्रम में संस्था के साप्ताहिक पौधारोपण अभियान के 1069वें सप्ताह के अंतर्गत शासकीय चिकित्सालय रोड स्थित डिवाइडर स्थल पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अजय जैन (डोभी वाले), उत्कर्ष खत्री, ध्रुव अग्रवाल, चतुर्भुज स्वामी, शौर्य प्रताप सिंह, काव्या साहू, मुकेश जैन (शांति दूत) एवं संदीप स्थापक के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में पौधे रोपे गए।

वहीं श्रीमती राजकुमारी सुनील श्रीवास्तव, श्रीमती अर्चना अभिषेक जैन एवं श्रीमती प्रियंका अभिनव जैन की शादी की सालगिरह के अवसर पर भी पौधारोपण कर शुभकामनाएं दी गईं।

कार्यक्रम के दौरान श्री सत्य साईं सेवा समिति से जुड़े ज्वेलर्स व्यवसायी सुरेश सोनी की पुत्री पूर्वी सोनी का कदम संस्था द्वारा विशेष सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि पूर्वी सोनी ने क्स्ट परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 87 प्राप्त कर सीधे (डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर) पद हासिल किया है, जो पूरे नगर के लिए गौरव का विषय है।

संस्था के सदस्यों ने जन्मदिवस एवं वैवाहिक वर्षगांठ मनाने वाले सभी लोगों को गायत्री मंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम में कदम संस्था के सदस्यों के साथ नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ सामाजिक सरोकारों को जोड़ने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल बनता जा रहा है।

शासकीय नवीन माध्यमिक शाला पचामा में साइकिल वितरण एवं पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। गत दिवस चीचली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पचामा की शासकीय नवीन माध्यमिक शाला में राज्य शासन की योजना अंतर्गत कक्षा 6वीं के छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्राम पटेल राजेन्द्र प्रसाद तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष धनराज जी के करकमलों से विद्यार्थियों को साइकिलें प्रदान की गईं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ग्राम पटेल श्री प्रसाद जी कहा कि शासन का उद्देश्य है कि दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थी दूरी के कारण शिक्षा से वंचित न रहें। साइकिल मिलने से विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति बढ़ेगी तथा वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने एवं एआई आधारित बोर्ड के माध्यम से आधुनिक शिक्षा का लाभ दिलाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ हाई स्कूल परिसर में माँ के नाम एक पौधा अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया गया तथा शासकीय नवीन माध्यमिक शाला परिसर में 5 अशोक के पौधे लगाए गए। विद्यालय परिवार द्वारा प्रधानपाठक श्रीमति वर्मा को पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वीरेन्द्र वर्मा, जयनाथ मेहरा एवं देवेन्द्र सर तथा बुलंद सिंह कुशवाहा एवं नीलेश प्रजापति उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय विद्युत सुरक्षा सप्ताह के तहत ईएमडी विभाग द्वारा विद्युत सुरक्षा मार्च का आयोजन

सिंगरौली (स्वतंत्रमत)।

राष्ट्रीय विद्युत सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत एनटीपीसी विंध्याचल के ईएमडी (इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस विभाग) द्वारा 29 जून 2026 को विद्युत सुरक्षा मार्च का आयोजन किया गया। यह मार्च स्टेज-द्ध ईएमडी वर्कशॉप से प्रारंभ होकर सर्विस बिल्डिंग होते हुए स्विचयार्ड तक पहुंचा तथा पुन: वर्कशॉप में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संविदा कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विद्युत सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

मार्च का उद्देश्य कर्मचारियों एवं श्रमिकों के बीच सुरक्षित कार्य प्रणाली को बढ़ावा देना, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण के अनिवार्य उपयोग, विद्युत सुरक्षा नियमों एवं प्रक्रियाओं के कड़ाई से पालन तथा कार्यस्थल पर सेफ्टी फर्स्ट की संस्कृति को मजबूत करना था।

इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने सुरक्षित कार्य व्यवहार अपनाने और दुर्घटनामुक्त कार्यस्थल के निर्माण के लिए सदैव सुरक्षा मानकों का पालन करने का संकल्प लिया।

सिंगरौली नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की बैठक सफलतापूर्वक संपन्न

सिंगरौली (स्वतंत्रमत)।

जिले की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सिंगरौली की बैठक दिनांक 29 जून 2026 को बैढ़न में आयोजित की गई। बैठक का आयोजन एनसीएल मुख्यालय, सिंगरौली के तत्वावधान में किया गया, जबकि पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, विंध्यनगर ने संयोजक कार्यालय की भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

बैठक की अध्यक्षता एनसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) एवं अध्यक्ष, नराकास सिंगरौली ने की। इस अवसर पर राम रेखा यादव, महाप्रबंधक, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, विंध्यनगर; किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड; तथा नवीन निश्चल, सहायक आयुक्त एवं क्षेत्रीय प्रभारी, सीएमपीएफ, सिंगरौली मंचासीन रहे। बैठक में नराकास

सिंगरौली के कुल 24 सदस्य कार्यालयों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। जिसमें एनसीएल की विभिन्न परियोजनाओं के अधिकारी तथा पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), विंध्यनगर; भारतीय स्टेट बैंक, वैढ़न; डाक विभाग; यूनियन बैंक; भारतीय रेल; बीईएमएल; बीएसएनएल एवं अन्य सरकारी संस्थानों के राजभाषा अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक में सदस्य कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रभावी क्रियान्वयन, कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा संबंधी गतिविधियों की समीक्षा पर विस्तृत चर्चा की गई। सदस्य कार्यालयों द्वारा राजभाषा के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों एवं नवाचारों को साझा किया गया तथा राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर नराकास सिंगरौली परिवार का विस्तार करते हुए चार नए सदस्य कार्यालयों का स्वागत किया गया। इनमें केंद्रीय विद्यालय, सिंगरौली; केंद्रीय विद्यालय, जयंत; सीएमपीएफओ, जयंत; तथा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, अमेलिया कोयला खदान, सिंगरौली को नराकास सिंगरौली की सदस्यता प्रदान की गई।

बैठक के अंत में सभी सदस्य कार्यालयों ने राजभाषा हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग तथा भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अध्यक्ष महोदय ने सभी सदस्य कार्यालयों से राजभाषा संबंधी कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा देने का आह्वान किया। बैठक में राजेश त्रिवेदी, महाप्रबंधक (राजभाषा) एवं सचिव, नराकास सिंगरौली उपस्थित रहे।

ओवर स्पीड वाहनों के खिलाफ हुई कार्रवाई

दो लक्जरी वाहनों के कटे चालान , यातायात पुलिस ने शुरू किया विशेष अभियान

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य तथा उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ओवर स्पीड वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान आधुनिक स्पीड मॉनिटरिंग उपकरणों की सहायता से तेज गति से वाहन चलाने वालों पर निगरानी रखी गई। जांच के दौरान निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करते हुए संचालित सफेद रंग फॉर्च्यूनर कार एस यूवी क्रमांक एमपी एमपी 07 सीजे 6655 एवं एमपी 21 सीबी 3024 सहित लक्जरी वाहनों को चिन्हित किया गया, जिनके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम 1988 के प्रावधानों के अंतर्गत चालानी कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि ओवर स्पीड सड़क दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है। निर्धारित गति सीमा से अधिक गति पर वाहन चलाने से चालक का नियंत्रण कम हो जाता है। प्रतिक्रिया देने का समय घट जाता है तथा दुर्घटना होने पर जन-धन की हानि की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। यातायात थाना प्रभारी अनूप सिंह ठाकुर ने बताया कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन करने का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन की सुरक्षा से जुड़ा दायित्व है। यातायात पुलिस का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि लोगों में सुरक्षित एवं जिम्मेदार वाहन संचालन की आदत विकसित करना है।

यातायात पुलिस ने की अपील

यातायात पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि निर्धारित गति सीमा का सदैव पालन करें। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें। सीट बेल्ट एवं हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। यातायात संकेतों एवं नियमों का पालन कर स्वयं तथा अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन की रक्षा करें। कटनी यातायात पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से ऐसे विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

विद्यालय में ग्रीष्मकालीन अवकाश के पश्चात विद्यार्थियों का उत्साहपूर्ण स्वागत

कटनी (स्वतंत्रमत)

ग्रीष्मकालीन अवकाश के पश्चात सोमवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल, कटनी पुनः विद्यार्थियों की चहल-पहल से गुलजार हो उठा। विद्यालय खुलते ही परिसर में उत्साह, उमंग और नव ऊर्जा का मनोहारी वातावरण देखने को मिला। विद्यार्थियों के स्वागत हेतु विद्यालय में एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना, प्रार्थना एवं प्रेरणादायी विचारों के साथ हुआ। विद्यालय की प्राचार्या सीमा दुबे एवं उपप्राचार्या शबनम अख्तर ने विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत करते हुए उन्हें नई प्रेरणा, सकारात्मक सोच एवं दृढ़ संकल्प के साथ अपने शैक्षणिक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को अनुशासन, समयबद्धता, नैतिक मूल्यों एवं उत्कृष्ट आचरण के महत्व से अवगत कराया तथा अध्ययन के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित कर उनके अवकाशकालीन अनुभवों को साझा किया गया। विद्यालय परिवार ने उन्हें नई चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने तथा अपनी प्रतिभा एवं क्षमताओं का सर्वांगीण विकास करने के लिए प्रेरित किया। प्रार्थना सभा में विद्यालय की आगामी शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी भी प्रदान की गई। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों की प्रसन्नता, मित्रों से पुनर्मिलन की खुशी तथा शिक्षकों के स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन ने वातावरण को और अधिक जीवंत एवं प्रेरणास्पद बना दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम, सकारात्मक दृष्टिकोण तथा उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहने का संदेश दिया गया। विद्यालय की निर्देशिका जूही जैन ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों एवं सर्वांगीण विकास की मंगलकामना की। उन्होंने विद्यार्थियों से ज्ञान, संस्कार एवं अनुशासन के मार्ग पर अग्रसर होकर विद्यालय, परिवार एवं समाज का नाम गौरवान्वित करने का आह्वान किया।

महाआरती में मिला संतों का आशीर्वाद व आत्मीय सम्मान

कटनी (स्वतंत्रमत)। परम सौभाग्य की अनुभूति हुई कि गढ़ाकोटा स्थित श्री देव जगन्नाथ स्वामी धाम में आयोजित श्रीमद् देवी भागवत एवं श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस महाआरती में सहभागी होकर परम पूज्य स्वामी रत्नेश प्रपन्नाचार्य महाराज के श्रीमुख से अमृतमयी कथा का श्रवण एवं पावन आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला। इस दिव्य अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक, पूर्व मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक पं. गोपाल भार्गव, सांसद लता वानखेड़े, वरिष्ठ भाजपा नेत्री मनीषा दुबे तथा स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनिल तिवारी के साथ महाआरती में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कथा मंच से पं. गोपाल भार्गव द्वारा शॉल एवं माँ शक्ति की पावन छवि भेंट कर आत्मीय सम्मान, स्नेह एवं शुभाशीष प्रदान किया गया। यह अविस्मरणीय क्षण मेरे लिए आध्यात्मिक ऊर्जा, प्रेरणा और जीवनभर संजोकर रखने योग्य अमूल्य स्मृति रहेगा।

जनजातीय संस्कृति, परंपरा, आस्था और अस्मिता का विराट राष्ट्रीय प्रतीक बनकर सामने आया देश की राजधानी दिल्ली के लाल किला मैदान में जनजाति समागम

कटनी (स्वतंत्रमत)

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 24 मई को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में आयोजित जनजाति समागम-2026 के सफल आयोजन के बाद जनजाति सुरक्षा मंच महाकौशल प्रांत के संयोजक महेश कुमार कोल व सहसंयोजक अमोल सिंह मार्को का अल्प प्रवास पर कटनी आगमन हुआ। कटनी प्रवास के दौरान सिविल लाइन स्थित रेस्ट हाऊस में पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए जनजाति सुरक्षा मंत्र के दोनों पदाधिकारियों ने मीडिया को बताया कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 24 मई को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में आयोजित जनजाति समागम-2026 जनजातीय संस्कृति, परंपरा, आस्था और अस्मिता का विराट राष्ट्रीय प्रतीक बनकर सामने आया है। देशभर के 500 से अधिक जनजातीय समुदायों से आए लाखों जनजातीय बंधु-भगिनी पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीत, लोकनृत्य, वाद्ययंत्रों और सांस्कृतिक प्रतीकों के साथ इस समागम में सम्मिलित हुए। जनजाति समागम-2026 को लेकर राजधानी दिल्ली की सडकों पर जनजातीय संस्कृति का अद्भुत दृश्य उस समय देखने को मिला। जब राजघाट चौक, रामलीला मैदान, अजमेरी गेट चौक, कुदसिया बाग और श्यामगिरि मंदिर सहित विभिन्न स्थानों से विशाल शोभायात्राएं प्रारंभ होकर लाल किला मैदान पहुंची। इस दौरान लेह-लद्दाख से लेकर कन्याकुमारी तक के जनजातीय समाज ने अपनी वेशभूषा, लोकधुनों, मांदर-ढोल, पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के माध्यम से भारत की जनजातीय विरासत की जीवंत झलक प्रस्तुत की गई। जनजाति समागम-2026 में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने जनजातीय समाज की आस्था, संस्कृति, प्रकृति-पूजा, जल-जंगल-जमीन और जीवन-पद्धति को भारत की सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ा हुआ बताते हुए कहा कि यह समागम आने वाले वर्षों में जनजातीय समाज के महाकुंभ के रूप में स्मरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज ने बिना लिखित नियमों के अनेकता में एकता और एकता में अनेकता के मंत्र को जीवन में साकार किया है। पत्रकारवार्ता में जनजाति सुरक्षा मंच के प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ वनवासी विकास परिषद के जिलाध्यक्ष बाबू भाई सोंधिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय कुमार आनंद, जिला रक्षा प्रमुख नरेन्द्र सिंह, जिला सह सचिव सुनील रावत, प्रचार प्रसार प्रमुख कमल मोहनानी व मिथिलेश यादव उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्र की बेटी प्रिया पाठक ने बढ़ाया सम्मान

कटनी (स्वतंत्रमत)। पोनिया की बेटी प्रिया पाठक खाद्य सुरक्षा अधिकारी पद पर चयनित जिले के सुदूर पोनिया ग्राम निवासी प्रतिष्ठित पाठक परिवार की होनहार पुत्री कु. प्रिया पाठक का चयन खाद्य सुरक्षा अधिकारी (एफएसओ) पद पर होने से पूरे क्षेत्र में हर्ष और गौरव का वातावरण है। कु. प्रिया पाठक, विमलेश पाठक की सुपुत्री हैं। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। प्रारंभ से ही शिक्षा के प्रति गंभीर एवं समर्पित रही प्रिया ने प्रत्येक शैक्षणिक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता की नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कीं। लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित चयन प्रक्रिया में खाद्य सुरक्षा अधिकारी पद पर चयनित होकर उन्होंने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम भी गौरवान्वित किया है। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने अपने माता-पिता, दादी एवं परिवारजनों को देते हुए कहा कि उनके निरंतर मार्गदर्शन, प्रेरणा और सहयोग के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी। कु. प्रिया पाठक ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने से सफलता अवश्य प्राप्त होती है। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों, मित्रों, शुभचिंतकों एवं ग्रामीण क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दी हैं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

वेंकट सोमानी अध्यक्ष और रंगेश गोयनका सचिव, अरुण सोनी बने कोषाध्यक्ष

कटनी (स्वतंत्रमत)

श्री वेंकटेश सत्संग समिति की आम सभा बैठक रविवार 28 जून वेंकटेश सत्संग भवन में आयोजित की गई। समिति के वरिष्ठ सदस्य श्याम सुंदर दास गट्टानी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक के शुरुआती चरण में कोषाध्यक्ष द्वारा विगत वर्ष के आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा समिति के समक्ष रखा गया। इसके साथ ही, निवर्तमान अध्यक्ष गोपाल माहेश्वरी ने अपने 3 वर्षों के कार्यकाल का प्रगति प्रतिवेदन (रिपोर्ट) पढ़कर सुनाया, जिसे सभी सदस्यों ने सराहा। नई कार्यकारिणी में इन्हें मिली जिम्मेदारी:-

सत्संग समिति के सुचारू संचालन के लिए सभी की सहमति से निम्नलिखित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों का मनोनयन किया गया। अध्यक्ष वेंकट सोमानी, उपाध्यक्ष विवेक सराफ एवं माखन निषाद, सचिव रंगेश गोयनका, सह सचिव राधेश्याम गुप्ता, कोषाध्यक्ष अरुण सोनी, आय-व्यय निरीक्षक राधेश्याम गट्टानी, कार्यकारिणी सदस्य समिति को मजबूती देने के लिए वरिष्ठ और सक्रिय सदस्यों को कार्यकारिणी में शामिल किया गया है, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं। बसंत नौगरियां, गोपाल दास गट्टानी, नारायण दास गुप्ता, वेंकट गट्टानी, राजकुमार गोयनका, वेंकट गौर, बलराम खेड़िया। नई कार्यकारिणी के गठन पर समिति के सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया और विश्वास जताया कि नई टीम समिति के धार्मिक व सामाजिक कार्यों को और अधिक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाएगी।

कुलदेवी माता महा लक्ष्मी जी एवं भगवान श्री अग्रसेन जी महाराज की 31वीं महाआरती

कटनी (स्वतंत्रमत)

कुलदेवी महालक्ष्मी जी एवं भगवान श्री अग्रसेन जी की महाआरती का क्रम निरंतर जारी है। महाआरती समाज में एक सकारात्मक ऊर्जा के साथ ही श्रृद्धा-भक्ति और समाज को एक जूट करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। भगवान अग्रसेन के आदर्शों को आत्मसात कर एक-ईट एक-रुपये के सिद्धांत को अपनाकर समाज कल्याण की दिशा में भी अग्रसर हो रहा है। महाआरती में अग्रबंधु जजमानी कर पुण्य लाभ भी अर्जित कर रहे हैं। 31वीं महाआरती की जजमानी-धन्य कुमार अग्रवाल हरीश अग्रवाल कृष्ण कोल्ड स्टोरेज द्वारा की गई है समाज के अग्रजनो की उपस्थिति सराहनी रही। पवन मित्तल, बद्री प्रसाद, परसोत्तम अग्रवाल, दुर्गा प्रसाद, अशोक, धन्य कुमार, किशोर कुमार, स्वामी प्रसाद, जीवन, आनंद राज, अनंत राम, विष्णु, बसंत, श्याम बिहारी, अनिरुद्ध, मनोज, नीरज, अंबिकेश, गोपाल कृष्ण, अनूप, जगदीश, घनश्याम, राजकुमार, दशरथ, वीरेंद्र कुमार, वैभव, शैलेश, सुनील, आकाश, सत्यम, रोहित, नीलेश, अतुल, भरत, बिहारी, अमन, सागर, अनुराग, प्रांशुल, आशीष तिवारी महिलाओं में शशि, सरला मित्तल, आशा, रानी, रश्मि, अलका, अनीता, रेखा, रीना, कुमारी स्वाती, कुमारी धनश्री महाआरती में शामिल होकर इस एतिहासिक पल के साक्षी बनें और महाआरती समूह द्वारा प्रारंभ इस अभिनव पहल से समाज को गौरान्वित कर रहे हैं।

सायना महाविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)

सायना इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज कटनी में शोध एवं अकादमिक लेखन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रिसर्च पेपर, जर्नल लेखन विधि एवं प्रकाशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला में डॉ. भरत मिश्रा, प्रोफेशर एवं डायरेक्टर (डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश) मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता ने प्रतिभागियों को गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र तैयार करने की प्रक्रिया, शोध विषय के चयन, शोध पद्धति, संदर्भ लेखन, साहित्य समीक्षा, शोध पत्र की संरचना तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशन की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही शोध में नैतिकता, प्लेगरिज्म से बचाव तथा यूजीसी-केयर सूचीबद्ध जर्नलों के चयन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए शोध लेखन से संबंधित व्यावहारिक सुझाव दिए गए व इसके साथ बताया कि गुणवत्तापूर्ण शोध न केवल अकादमिक उत्कृष्टता का आधार है, बल्कि समाज एवं राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सी राजेश कुमार ने आमंत्रित अतिथि एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार की शैक्षणिक एवं शोधोन्मुखी कार्यशालाओं के आयोजन का संकल्प व्यक्त किया। कार्यशाला के सफल आयोजन पर सभी प्रतिभागियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

युवा कुशवाहा समाज की बैठक

संगठन विस्तार एवं आर्थिक सशक्तिकरण पर हुआ मंथन

कटनी (स्वतंत्रमत)

24 जून दिन बुधवार को सुशील कुशवाहा (लालू) के निज निवास, सावरकर वार्ड, अधारकाप पर जिला युवा कुशवाहा समाज कटनी के अध्यक्ष बंटू वर्मा, एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष एमजी कुशवाहा, तेजी लाल कुशवाहा के आतिथ्य में एक बैठक का आयोजन किया गया। सचिव डॉ सचिन कुशवाहा, उपाध्यक्ष मुन्ना कुशवाहा, राकेश कुशवाहा, सह सचिव राजू कुशवाहा, सुदेश कनोजिया, जिला संयोजक राजेश कनोजिया अन्य पदाधिकारी लल्लू वर्मा, डॉ कमल हल्दकार, बिल्लू कुशवाहा, कान्हा कुशवाहा, चंदन कुशवाहा, रंजीत कुशवाहा, गणेश कुशवाहा, बबलू कुशवाहा, सुमित कुशवाहा, आरती कुशवाहा, रुपा कुशवाहा आदि की उपस्थिति सम्मान जनक रही, इस सामाजिक बैठक के संचालक सुशील कुशवाहा (लालू) थे, बैठक में अखंड भारतीय कुशवाहा महासभा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय संयोजक राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त डॉ. एमजी कुशवाहा मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। बैठक में समाज के संगठनात्मक विस्तार, सदस्यता अभियान, घर घर सर्वेक्षण, ग्राम स्तर पर स्वसहायता समूह के गठन, स्वरोजगार लघु उद्योग, रोजगार सृजन एवं समाज के आर्थिक सशक्तिकरण पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया। बैठक में उपस्थित समाज जनो ने संगठन की योजनाओं का समर्थन करते हुए समाज हित में सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग का संकल्प लिया। बैठक की अध्यक्षता जिला युवा कुशवाहा समाज कटनी के अध्यक्ष बंटू वर्मा ने किया तथा तेजी लाल कुशवाहा के आतिथ्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ। बैठक का सफल संचालन मुन्ना कुशवाहा, राजू कुशवाहा एवं राजेश कनोजिया ने किया। अंत में सभी उपस्थित समाज बंधुओं ने जय हिन्द, जय कुशवंश, के उद्घोष के साथ समाज को संगठित, आत्म निर्भर एवं सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया।

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
31 YEAR ANNIVERSARY
Murli Dhaba And Restro
Fine & Dine With Home Delivery
100% VEG AND HYGIENIC RESTAURANT
मुरली ढ़ाबा एण्ड रेस्टोरेंट
पता- झिंझरी, जबलपुर रोड, कटनी
मो.7869038839

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
श्री एस.के. सिन्हा
Principal cum Asst. Regional Officer MP Zone, katni

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
aulla spa
Spacial Festival Offer 30%
Attractive Member Ship Offer
Discover The More Youthful You - with aulla Spa
2nd Floor,Upside Vijaya Bank
Infront of Shri Hospital, Bargawa, KATNI
Mob. 7879100972, 7024710972

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
07 Day Spa Mob.9910167377
Opposite Shree Hospital, Near Esaaf Bank, Katni (M.P)

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
अश्वनी गौतम
वरिष्ठ भाजपा नेता व समाजसेवी
कटनी

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
गिरिराज किशोर पोद्दार (राजू भैया), पूर्व विधायक
जिला-कटनी म.प्र.

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
भूषण पाठक भूरा
उपसरपंच पूर्व सरपंच
कैलवारा खुर्द
जिला-कटनी म.प्र.

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
निर्भय सिंह
सचिव
मानव जीवन विकास समिति बिजौरी, बड़वारा
कटनी, म.प्र.

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
श्री हास्पिटल
एन.एच.-7,एम.एम.चौबे वार्ड, कटनी (म.प्र.)
डॉ. दीपक सक्सेना एम.एस.
डॉ. शोभना सक्सेना एम.एस. (सर्जन)
विशेष सुविधाएं
ट्रामा, एक्सीडेन्ट एवं फ्रेक्चर विभाग - (इमरजेंसी इलाज एवं मेडिको लीगल केसों का विभाग)
गरीब रेखा कार्ड (बी.पी.एल.) एवं दीनदयाल कार्डधारियों को जांच शुल्क आधा एवं इलाज में रियायत
साईनाथ स्कूल एवं कॉलेज ऑफ नर्सिंग (म.प्र.) व आई.एन.सी. से संबद्धता
ए.एन.एम., जी.एन.एम.एवं बी.एस.सी. नर्सिंग कोर्स संचालित प्रतिवर्ष अप्रैल माह में एडमीशन
डॉ. दीपक सक्सेना एम.एस.
संपर्कः फोन नं. - 07622-224043
मोबा.- 09425335316,09425153003

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
बॉबी सचदेवा
समाजसेवी, कटनी

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
नितिन चौदहा
व्यापारी एवं समाजसेवी
जिला-कटनी (म.प्र.)

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
पूर्णेश उइके
जिलाध्यक्ष
मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ एवं जिला महासचिव अजाक्स संघ कटनी
समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ एवं अजाक्स संघ कटनी

31 वीं दैनिक स्वतंत्रमत की वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
दिलराज अमर सिंह
सदस्य प्रदेश कार्यसमिति
भाजपा युवा मोर्चा मध्यप्रदेश

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
अजहरूद्दीन (अज्जू भाई)
जिलाध्यक्ष
ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी, कटनी

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
सुश्री मीरा भार्गव
संस्थापिका/ अध्यक्ष
सुदर्शना लेडीज क्लब कटनी
भार्गव भवन नई बस्ती, कटनी

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
लखन साहू
जिला उपाध्यक्ष
विश्व हिंदू परिषद
कटनी (म.प्र.)

संकलनकर्ता
संजय गुप्ता
ब्यूरो प्रमुख्य
कटनी
मो.-9826645190

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
माननीय नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री
माननीय अमित शाह जी गृहमंत्री
जयनारायण निषाद पार्षद जगमोहनदास वार्ड कटनी
पार्वती निषाद पूर्व पार्षद जगमोहनदास वार्ड, कटनी
श्याम निषाद
मछुआरा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक एवं कार्यसमिति विशेष आमंत्रित सदस्य, भारतीय जनता पार्टी, कटनी

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
नागपुर,दिल्ली, कलकत्ता, मुंबई के विशेषज्ञ चिकित्सक
कटनी में प्रतिदिन उपलब्ध
एम.जी.एम. हॉस्पिटल कटनी
सुपर स्पेशिलिटी सुविधाएं
24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं
CT Scan
M.R.I.
एम.जी.एम. स्कूल/ कॉलेज ऑफ नर्सिंग
कचहरी चौक, फास्टर एंड ग्राउण्ड के सामने, कटनी 07622-405070-71-72

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
मिथलेश जैन
वरिष्ठ कांग्रेस नेता
राजकुमारी जैन
पूर्व महापौर व पार्षद कटनी
रमेश सोनी
अध्यक्ष
ब्लॉक कांग्रेस कमेटी,कटनी

स्वतंत्र मत
जबलपुर
मंगलवार 30 जून 2026

हरित विकास, निवेश और रोजगार... इसी दिशा में आगे बढ़ रही हमारी सरकार : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय मंत्री जोशी ने किया नीमच एवं शाजापुर सोलर पार्क का लोकार्पण

भोपाल (स्वतंत्र मत)

स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मध्यप्रदेश ने सोमवार को हरित विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी के साथ नीमच में 500 मेगावॉट क्षमता वाले नीमच सोलर पार्क तथा 450 मेगावॉट क्षमता वाले शाजापुर सोलर पार्क का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास तथा नीमच जिले की प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय मंत्री श्री जोशी ने 1,553.98 करोड़ रुपये की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों एवं विकास कार्यों का भी भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं से प्रदेश में औद्योगिक निवेश को नई गति मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि 550 मेगावॉट क्षमता वाला आगर सोलर पार्क भी निर्माणाधीन है, जिसकी इकाइयों के लिए 2.44 और 2.45 रुपये प्रति यूनिट की दरें प्राप्त हुई हैं। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद मध्यप्रदेश देश के अग्रणी सौर ऊर्जा उत्पादक राज्यों में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा तथा स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नीमच जिले में करीब 160 करोड़ रुपये की लागत से 98 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया।

प्रदेश का हरित विकास हमारा लक्ष्य- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश का हरित विकास हमारा लक्ष्य है। हरित विकास के जरिए प्रदेश में अधिकाधिक मात्रा में निवेश लाने और इसके जरिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए हम तेजी से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ अब स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा से इस क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन उत्तर-पश्चिमी मध्यप्रदेश के नए औद्योगिक ग्रोथ इंजन के रूप में विकसित हो रहे हैं। नीमच न केवल मध्यप्रदेश का, बल्कि ग्रीन पॉवर सेक्टर का ग्लोबल कैपिटल बन रहा है। उन्होंने बताया कि यहां देश का सबसे बड़ा पंप स्टोरेज बन रहा है। नीमच जिले में कुल 675 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाएं कार्यशील हैं और लगभग 1 हजार 952 से अधिक मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाओं का निर्माण कार्य तेजी से जारी हैं।

नए सोलर पार्क से मिलेगी 2.14 पैसे प्रति यूनिट बिजली- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि नीमच में नए सोलर पार्क का शुभारंभ ऐतिहासिक अवसर है। इससे देश में सबसे सस्ती दर पर बिजली उपलब्ध होगी। नीमच की धरती ने प्रदेश को दो मुख्यमंत्री दिए। नीमच ने अफीम उत्पादन और नेत्रदान अभियान में शीर्ष स्थान हासिल कर अपनी अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को संत कबीर जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सनातन संस्कृति में सूर्य देवता ऊर्जा के स्त्रोत हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित जल गंगा संरक्षण अभियान के अंतर्गत 19 मार्च से 30 जून तक कुंए, बावड़ी, नदी, तालाब और अन्य सभी जल स्त्रोतों के संरक्षण के उल्लेखनीय कार्य हुए हैं।

2 बड़ी सौर परियोजनाओं का लोकार्पण हुआ- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी की मौजूदगी में आज 2 बड़ी सौर परियोजनाओं का लोकार्पण हुआ है। कुल 2080 करोड़ की लागत से नीमच में 500 मेगावॉट और शाजापुर में 450 करोड़ मेगावॉट के सोलर पार्क की सौगात मिली है। साथ ही नीमच में 1553.98 करोड़ की 38 औद्योगिक इकाइयों और अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी हुआ है। नीमच के नए सोलर पार्क से 2.14 पैसे प्रति यूनिट बिजली मिलेगी, जो देश में सबसे सस्ती दर है। प्रदेश में रोजगार आधारित उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश सबसे तेज गति से रोजगार देने वाला राज्य है।

निवेश के लिए विशेष मध्यप्रदेश- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में 33 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले। करीब 10 लाख करोड़ के प्रस्ताव जमीन पर उतरे। पिछले ढाई वर्षों में वैश्विक कंपनियों का 9 हजार 200 करोड़ से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश मध्यप्रदेश की धरती पर उतर रहा है, जिससे 4,200 से अधिक नौकरियां सृजित हो रही हैं। मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य, जहां लेबर केस मैनेजमेंट सिस्टम लागू है। उद्योगों के लिए जमीन, पानी और बिजली उपलब्ध है।

नवकरणीय ऊर्जा में आगे बढ़ता एमपी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि, औषधीय संपदा और उद्यमशीलता के लिए प्रसिद्ध नीमच अब विनिर्माण, ग्रीन एनर्जी, टेक्सटाइल और फूड प्रोसेसिंग उद्योगों का भी केंद्र बनने जा रहा है। आज 1 हज़ार 481 करोड़ रुपये की लागत से 30 औद्योगिक इकाइयों की सौगात नीमच क्षेत्र को मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की विद्युत क्षमता में 30 प्रतिशत हिस्सा क्लीन एनर्जी का है। राज्य ने 12 हज़ार 18 मेगावाट से अधिक नवकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित कर ली है। जलूद में 271 करोड़ 16 लाख रुपये की लागत से 60 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र का लोकार्पण किया गया।

बच्चों में निवेश बढ़ाने से मध्यप्रदेश की मजबूत होगी नींव : पवैया

समावेशी विकास और बच्चों के हितों पर केंद्रित रही राज्य वित्त आयोग एवं यूनिसेफ की बैठक

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बच्चों में निवेश बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकाय इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए उन्हें वित्तीय रूप से अधिक सक्षम बनाने के उद्देश्य से आयोग अपनी अनुशंसाओं में बच्चों के विकास से जुड़े आवश्यक संकेतकों को शामिल करने पर गंभीरता से विचार करेगा। श्री पवैया ने राज्य वित्त आयोग कार्यालय, भोपाल में यूनिसेफ के प्रतिनिधिमंडल के साथ आयोजित बैठक में बच्चों के समग्र विकास, पोषण और समावेशी आर्थिक विकास को लेकर हुठ बैठक में यह बात कही। बैठक में यूनिसेफ मध्यप्रदेश के प्रमुख विलियम हेनलोन जूनियर ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि पंचायतों एवं शहरी निकायों के लिए वित्तीय हस्तांतरण का सूत्र निर्धारित करते समय बच्चों की आवश्यकताओं और उनके विकास से जुड़े संकेतकों को भी महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-6 के आधार पर मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में बौनापन, शारीरिक दुर्बलता, कुपोषण तथा बाल विवाह की स्थिति से अवगत कराते हुए इन संकेतकों को आयोग की अनुशंसाओं में शामिल करने का सुझाव दिया। साथ ही इस विषय में यूनिसेफ द्वारा आयोग को तकनीकी एवं विशेषज्ञ सहयोग उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी रखा गया।

यूनिसेफ के प्रस्तुतीकरण और सुझावों की सराहना- बैठक में अध्यक्ष श्री पवैया ने यूनिसेफ के प्रस्तुतीकरण और सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि इस संवाद से राज्य वित्त आयोग को स्थानीय निकायों के वित्तीय सशक्तिकरण को बच्चों के विकास से जोड़कर देखने का नया दृष्टिकोण प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि बच्चों के हितों को प्राथमिकता देने वाली योजनाओं को स्थानीय स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए वित्तीय संसाधनों का समुचित प्रावधान आवश्यक है और आयोग इस दिशा में सकारात्मक पहल करेगा। बैठक में राज्य वित्त आयोग के सदस्य के.के. सिंह, सदस्य सचिव वीरेन्द्र कुमार सहित आयोग के अधिकारी उपस्थित रहे। यूनिसेफ की ओर से पूजा सिंह तथा दिल्ली कार्यालय से सोमेन बागची भी बैठक में शामिल हुए।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा से नीदरलैंड के कॉन्सुल जनरल ने की शिष्टाचार भेंट

मध्यप्रदेश पुलिस के नवाचारों, सेफ क्लिक 2.0 एवं नशे से दूरी है जरूरी अभियान पर हुई सार्थक चर्चा

भोपाल (स्वतंत्र मत)। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा से नीदरलैंड के मुंबई स्थित कॉन्सुल जनरल नबील ताउआती ने आज पुलिस मुख्यालय, भोपाल में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कॉन्सुल जनरल के साथ मुंबई के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार श्री कौस्तुभ परिहार एवं कृषि सलाहकार प्रसाद पारते भी उपस्थित रहे। भेंट के दौरान पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा कानून-व्यवस्था सुदृढ़ीकरण, आधुनिक पुलिसिंग, तकनीकी नवाचार एवं नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से संचालित राज्यव्यापी सेफ क्लिक 2.0 अभियान की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस अभियान के माध्यम से नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं विभिन्न संस्थानों तक व्यापक स्तर पर साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूकता पहुंचाई जा रही है। पुलिस महानिदेशक ने प्रदेश सरकार एवं मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी अभियान की भी जानकारी देते हुए बताया कि युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने, समाज में जागरूकता बढ़ाने तथा मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए प्रदेशभर में समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से नशामुक्त एवं सुरक्षित समाज के निर्माण की दिशा में मध्यप्रदेश पुलिस निरंतर कार्यरत है।

बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच जनसुरक्षा, सामुदायिक पुलिसिंग, साइबर सुरक्षा, जागरूकता अभियानों तथा आपसी सहयोग एवं अनुभवों के आदान-प्रदान जैसे विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। कॉन्सुल जनरल नबील ताउआती ने मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा जनहित में संचालित नवाचारों एवं व्यापक जन-जागरूकता अभियानों की सराहना करते हुए भविष्य में पारस्परिक सहयोग एवं संवाद को और सुदृढ़ बनाने की इच्छा व्यक्त की। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा इस प्रकार के सौहार्दपूर्ण संवाद से आपसी समझ एवं सहयोग को नई दिशा मिलेगी तथा जनहित एवं सुरक्षा से जुड़े विषयों पर ज्ञान एवं अनुभवों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहन प्राप्त होगा।

पथरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे कलेक्टर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

दमोह (स्वतंत्र मत)

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रताप नारायण यादव लगातार अस्पतालों का निरीक्षण कर रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को उन्होंने पथरिया स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों से सीधे संवाद कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एक मरीज ने दवाइयां उपलब्ध नहीं होने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर ने तत्काल ब्लॉक मेडिकल ऑफीसर से जानकारी ली। बताया गया कि संबंधित दवाएं अस्पताल में उपलब्ध नहीं हैं और जिला मुख्यालय से मांग की गई है। कलेक्टर ने तत्काल सीएमएचओ को आवश्यक दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा जिले के सभी अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में दवाइयों की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कई आवश्यक दवाएं समय पर जिला स्टोर से नहीं मंगाई गई जिसके कारण मरीजों को बाहर से दवाइयां खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने अस्पताल परिसर में संचालित जन औषधि केंद्र बंद मिलने पर नाराजगी जताई और ड्रग इंस्पेक्टर को तत्काल निरीक्षण कर केंद्र को शुरू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा यदि वर्तमान संचालक केंद्र नहीं चला रहा है तो इसे किसी अन्य पात्र व्यक्ति को सौंपा जाए ताकि आम लोगों को सस्ती दरों पर दवाइयां उपलब्ध हो सकें। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि डॉक्टर और डेंटिस्ट एक ही कक्ष में बैठकर मरीजों का उपचार कर रहे थे। इस पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि डेंटिस्ट अपने निर्धारित कक्ष में बैठकर उपचार करेंए जहां दांतों की जांच की समुचित सुविधा उपलब्ध है। अस्पताल में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों द्वारा कम वेतन मिलने की शिकायत पर कलेक्टर ने लेबर इंस्पेक्टर को जांच के निर्देश देते हुए कहा कि श्रमिकों को उनका पूरा वेतन दिलाने की कार्रवाई की जाएगी।

अनुपस्थिति अवधि का वेतन काटने के निर्देश- कलेक्टर ने डॉक्टरों को निर्देशित किया कि अस्पताल की किसी भी कमी की जानकारी समय पर बैठकों में दें ताकि उसका शीघ्र समाधान किया जा सके। निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजी के अवलोकन में डॉ. अमित जैन अनुपस्थित पाए गए। जानकारी मिलने पर कि उनका स्थानांतरण हो चुका हैए कलेक्टर ने अनुपस्थिति अवधि का वेतन काटने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए। उन्होने कहा डॉक्टर मेहनत कर रहे हैं लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के लिए व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार आवश्यक है।

पन्ना पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अपहृत युवक सकुशल दस्तयाब

10 लाख रुपये की फिरौती की मांग करने वाले आरोपियों की पहचान, गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश जारी

भोपाल (स्वतंत्र मत)। देशभक्ति, जनसेवा के मूल मंत्र के अनुरूप मध्यप्रदेश पुलिस ने पन्ना जिले में अपहरण के एक गंभीर प्रकरण में त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत युवक को सकुशल दस्तयाब कर मानवीय संवेदनशीलता, तकनीकी दक्षता एवं प्रभावी पुलिसिंग का परिचय दिया है। विषम परिस्थितियों में पूरी रात चलाए गए सर्च ऑपरेशन के परिणामस्वरूप युवक को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। 27 जून की रात्रि लगभग 8: 00 बजे थाना पवई क्षेत्र से सूचना प्राप्त हुई कि स्थानीय कपड़ा व्यापारी राजेश कुमार डेंगरे के 20 वर्षीय पुत्र अंशुल उर्फ कान्हा का अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अपहरण कर लिया गया है तथा उसकी रिहाई के लिए 10 लाख रुपये की फिरौती की मांग की जा रही है। सूचना मिलते ही थाना पवई पुलिस ने मामले की गंभीरता से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक पन्ना निवेदिता नायडू के निर्देशन में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। साथ ही तकनीकी विश्लेषण एवं डिजिटल इनपुट के लिए साइबर सेल को तत्काल सक्रिय किया गया। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों के आधार पर संभावित स्थानों पर लगातार तलाश की। रात्रि के दौरान लगातार वर्षा, घने जंगल एवं दुर्गम मार्ग जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पुलिस बल ने कई किलोमीटर तक पैदल सर्च अभियान संचालित किया।

संगठन समन्वय समिति की बैठक में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये जिला कांग्रेस प्रभारी पूर्व मंत्री हर्ष यादव ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के अर्न्तगत मंडलम अध्यक्षों पूरे जिले के ब्लॉको में पुर्ननियुक्ति की जायें। नये पोलिंग बूथो पर बीएलए 2 की अबिलंब नियुक्ति की जाये साथ ही ग्राम पंचायत/वार्ड कांग्रेस कमेटी की प्रोग्रेसिव रिपोर्ट है उससे भी अवगत करायें। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मानक पटेल ने कहा कि आगामी समय में जिले के समस्त मंडलम अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष एवं बूथ स्तर पर कार्य करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओ को प्रशिक्षित किया जायेगा क्योंकि वर्तमान की प्रदेश एवं केन्द्र की सरकारे युवाओं छात्राओ पेपर लीक जमीन घोटाले राम मंदिर में चंदा चोरी चाढ़ावा चोरी को लेकर जमकर आक्रोश है। पूर्व विधायक अजय टंडन, प्रताप सिंह, पूर्व नपाध्यक्ष मनु मिश्रा ने कहा कि पार्टी में अनुशासन बेहद जरूरी है जिसके लिये एक कमेटी गठित की जाये। जिससे सोशल मीडिया पर कुछ कांग्रेस कार्यकर्ता कुछ भी लिखने से पहले सोच कर लिखे।

संजय चौरसिया, नितिन मिश्रा, परम यादव, प्रदीप पटेल, महेन्द्र प्रताप सिंह, लक्ष्मण सींग, सुषमा विक्रम ठाकुर, विजय बहादुर सिंह, रोहन पाठक, वीरेन्द्र राजपूत, प्रदीप खटीक, प्रदीप पटेल, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, उवेद गौरी, बसंत कुशवाहा, मुकेश रोहितास, अजय जाटव, अभिषेक यादव, दृगपाल सिंह, रियाज खान ने भी कहा कि प्रत्येक विधानसभा पर हमारी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है।

शिक्षा साधारण को असाधारण बना सकती है : प्रताप नारायण

कलेक्टर ने किया पथरिया स्थित एमएलबी स्कूल एवं मॉडल हाई स्कूल का निरीक्षण, छात्राओं से संवाद कर बढ़ाया उत्साह

दमोह (स्वतंत्र मत)

स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने सोमवार को पथरिया स्थित एमएलबी स्कूल एवं मॉडल हाई स्कूल का निरीक्षण कर छात्र-छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने शिक्षा के महत्वए अनुशासन और उज्ज्वल भविष्य को लेकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कक्षाओं का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई और विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने सभी कक्षाओं में टाइम टेबल अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री यादव ने छात्र-छात्राओं से कहा कि शिक्षा केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित नहीं है बल्कि उसे जीवन में आत्मसात कर व्यवहार में उतारना आवश्यक है। उन्होंने कहा शिक्षा ऐसी अमूल्य संपत्ति है जिसे कोई न तो चुरा सकता है और न ही बांट सकता है। यही शिक्षा व्यक्ति को आत्मसम्मान दिलाती है और जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है, उन्होंने कहा यदि वे आज कुछ वर्षों तक पूरी लगन और मेहनत से पढ़ाई करेंगे तो आने वाले कई दशक उनका जीवन सुखमय होगा तथा वे परिवारए समाज और देश के लिए उपयोगी नागरिक बन सकेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि पथरिया के विद्यार्थी अपने सपनों को अवश्य साकार करेंगे।

पुस्तक वितरण में देरी पर जताई नाराजगी- विद्यालय भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने छात्राओं से पाठ्य पुस्तकों के वितरण की जानकारी ली। छात्राओं ने बताया कि गणित, अर्थशास्त्र और इतिहास विषय की पुस्तकें अभी तक प्राप्त नहीं हुई हैं। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र पुस्तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में साफ सफाई की कमी पाए जाने पर कलेक्टर ने प्राचार्य को पूरे परिसर की नियमित सफाई कराने तथा उपलब्ध शाला निधि से भवन की पुताई का कार्य कराने के निर्देश दिए।

नाम सुधार सूचना

मैं MAQBOOL AHMAD पिता श्री ABDUL QADIR निवासी मकान नं. 422, मोतीनाला बरियातले, अशफाक उल्लाह खां वार्ड, जबलपुर शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि

1. यह कि मैं उपरोक्त पते पर निवास हूँ।
2. यह कि मुझ शपथकर्ता के नाम से पासपोर्ट नं. H2187714 जारी है जिसमें मेरा नाम MAQBOOL AHMED और पिता का नाम ABDUL QUADER दर्ज है जिसमें स्पेलिंग मिस्टेक है।
3. यह कि मुझ शपथकर्ता के आधार कार्ड, पेन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज में नाम MAQBOOL AHMAD पिता का नाम ABDUL QADIR दर्ज है, जो कि सही है।
4. यह कि मुझ शपथकर्ता के नाम से जारी पासपोर्ट नं. H2187714 में दर्ज नाम MAQBOOL AHMED और पिता का नाम ABDUL QUADER के स्थान पर MAQBOOL AHMAD पिता का नाम ABDUL QADIR दर्ज करते हुये सुधार किया जाये जिसके संबंध में मेरे द्वारा यह शपथ पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है।

जबलपुर
दिनांक- 22 JUN 2026

शपथकर्ता
MAQBOOL AHMAD

ADMISSIONS OPEN
A Primary School for
PLAY GROUP | CLASS - I
NURSERY | CLASS - II
LKG | CLASS - III
UKG | CLASS - IV
We aim to provide ample opportunities to every child, to bring out their best talents & develop their personalities.
Our Speciality :
- Trained Staff
- Own spacious building specially designed for Pre-school and Primary children.
- All classrooms under CCTV surveillance.
- Digital Classrooms.
- Well equipped playground.
- Transport Facility.
- Activity based teaching.
Little Feet School
Bathia Gali, Dubey Colony, KATNI
Phone : 07622-355295, Mob.: 9302655388

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
31 YEARS ANNIVERSARY
GIANTS GROUP OF KATNI
Aahana
वाणी गट्टानी
अध्यक्ष
जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना
सर्वशक्ति सेवा समिति
Owner of Modicare
D.P. in katni

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
31 YEARS ANNIVERSARY

| सच्ची खबरें, सच्चा विश्लेषण, सच्चा जनमत |
दैनिक स्वतंत्रमत
स्वतंत्र सोच, सशक्त समाज
को 31 साल पूर्ण होने पर हार्दिक शुभकामनाएं
31 साल
दैनिक स्वतंत्रमत ने विगत 31 वर्षों में निष्पक्ष, निर्भीक और जनहितैषी पत्रकारिता के बल पर समाज में जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन लाने का जो सराहनीय कार्य किया है, वह अत्यंत प्रेरणादायक और अनुकरणीय है।
आपके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की हार्दिक शुभकामनाएं!
सतवीर सिंह भाटिया
समाजसेवी एवं जिलाध्यक्ष
मध्यप्रदेश कांग्रेस जन समन्वय विभाग प्रकोष्ठ, कटनी
दैनिक स्वतंत्रमत की समस्त टीम को इस गौरवशाली उपलब्धि पर बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं!

31 YEARS ANNIVERSARY

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
CHADHA Group of Institutions
NAAC ACCREDITED
AICTE APPROVED Regular
MBA
HR | FINANCE | MARKETING
ADMISSION OPEN
BCA | BBA | B.COM | B.Sc. | B.A. | B.Lib | PGDCA
LL.B | LL.M. | M.COM | M.S.W. | MBA | M.Sc. | DCA
KATNI ARTS & COMMERCE COLLEGE, AUTONOMOUS
(CHADHA COLLEGE)
Sarswati School Road, Nai Basti, Katni (M.P.) 8871017268 9755217445 9752020482 9329821337

Make career in Medical field...
B.PHARMACY
ADMISSION OPEN-2026
सीमित सीट- आज ही अपनी सीट बुक करें
D.PHARMACY
PCI New Delhi, AFRC Approved, DTE Approved, RGPV University Bhopal Recognised
B.ED · LLB · D.ED
SILICOBYTE KDC — since 1995 —
सिलिकोबाइट कटनी डिग्री कॉलेज
आधारकाप, नई बस्ती, कटनी | Email : silicobyte@yahoo.com 9981435977
Experienced Faculty | Well Equipped Labs | 100% Practical Training | Placement Assistance
ENQUIRY NOW 9981435977

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
31 YEAR ANNIVERSARY
CIMMCO
THE CENTRAL INDIA MINING & MARKETING CORPORATION
Cimmco House, A-1 Indrasagar, R Tagore Marg, Civil Lines, Nagpur-440 001, INDIA
Ph: 0712-2550626,2550689 Fax: 0712-2550689
katni office : 07622-230537, 406607
ALC Mines : 07626-271212-271233
E-Mail : pkmmines@gmail.com, cimmcolime@gmail.com
PARTNER :-
1. Shri Naushad Bhagwagar
2. Shri Gagan Sial
3. Shri Rohit Sial
MINES MANAGER Shri K.N. Ojha
MANAGER Shri R.N. Mishra

31 YEAR ANNIVERSARY
एएस ग्रुप
की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ!
दैनिक स्वतंत्र मत
को प्रिंट मीडिया में सफलतापूर्वक 31 गौरवशाली वर्ष पूर्ण करने पर ढेरों बधाइयाँ।
आपकी निष्पक्ष पत्रकारिता व जनसेवा को सादर नमन।

31 YEARS ANNIVERSARY
दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
मेसर्स श्री श्याम डेव्लपर्स
मेसर्स हरकुलिस माइनिंग एंड मिनरल्स प्रा.लि.
प्रोपा. लकी सचदेवा
ऑफिस- हीरागंज कटनी (म.प्र.)

निष्पक्ष, निर्भीक और सकारात्मक पत्रकारिता के प्रतीक
स्वतंत्र मत
समाचार पत्र की
31वीं वर्षगांठ पर
शुभकामनाएं एवं बधाई

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
निष्पक्ष, निर्भीक और सकारात्मक पत्रकारिता के प्रतीक
31 YEARS ANNIVERSARY
श्री अभिनय विश्वकर्मा
पुलिस अधीक्षक
जिला पुलिस प्रशासन जिला-कटनी (म.प्र.)

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
श्री अमित शुक्ला
अध्यक्ष
कुंवर सौरभ सिंह
जिलाध्यक्ष
मो. हारिस रुस्तम भाई
जिला उपाध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण, कटनी
स्व. हाजी गुलाम अहमद परिवार पूर्व विधायक बड़वारा, मिशिन चौक जिला-कटनी

दैनिक स्वतंत्र मत की 31वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं
श्री राम
श्री राम
जेम्स एण्ड ज्वेलर्स
विश्वास की चमक, रिश्तों की पहचान
पता : राहुल बाग, कटनी
Mob : 8359990995

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**